

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली, शनिवार, विसम्बर 17, 1983 (अग्रहायण 26, 1905) सं० 51] No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 17, 1983 (AGRAHAYANA 26, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# नाव III--**च**ष्ट 1 [PART III—SECTION 1]

उच्य न्यायालयों, निवन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गह मंद्रालय

महानिदेण।लय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नर्ष विल्ली-110003, दिनाक 22 नवम्बर 1983

स० ओ० दो० 227/69-स्थापना---नियम 43 (सी०), के० रि० पू० बल नियम, 1955 के अन्तर्गत श्री हेमा राम, पूलिस •उप-अधीक्षक, के० ४० प्० बल, 28 वाहिनी ने मेवानिवृत्ति के फलस्थरूप अपने पद का कार्यभार दिनांक 24-6-83 (प्रविद्ध) को त्याग दिया ।

दिनांक 24 नवम्बर 1983

2/35/8 3-स्थापना---राष्ट्रपनि, (श्रीमती) पी० कौशल, सीनियर मेडिकल आफिसर को उनकी पदोन्निन के फलस्वरूप 11 नवम्बर 1983 अपराह्म से आगामी आवेण जार। होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मुख्य चिकित्सा ুঞ্জাधिकारी (कमांडेट) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियक्त कन्ते

> विनाक 25 नवम्बर 1983

स० एफ० 2/35/83-स्थापना--राष्ट्रपति, डाक्टर पी० सी० दुब्बे, मीनियर मेडिकल आफिसर को उनकी पदोन्नति के 1-376GI/83

फलस्वरूप 12 नवम्बर 1983 पूर्वाह्म से आगामी आदेण जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (कमाडेट) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> ए० फे॰ सुरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 नवम्बर 1983

मं० 11/5/8 2-प्रणा० I---राष्ट्रपति, पजाब, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के अभ्वेपक श्री एन० एस० भद्गरिया को गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय मे तारीख 20 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनिधक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अर्वाध पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतः अस्थायी और त्वर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा ।

विजय पाल पाण्डे भारत के संयुक्त महारजिस्टार

ऋ० मं० ताम

पेंगनस्थापना को अंतरण

#### चित्त आयोग

#### भई दिल्ली, दिनांक: 25 नवम्बर 1983

सं 8 वि ० आ ० 2 (25)-ए/8 2--इम आयोग की दिनाक 16 मार्च, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के शिलिशित में डा॰ अतुल शर्मा की 1~11-1983 से 31-1-1984 तक अ प्रवे थिस आयोग में उन्हीं शतौं पर स्थानापन्त रूप से आर्थि ह पताह-कार के पद पर बने रहने को अनुमति दी जार्न है।

भ o 8 बि o आ o 2 (28) - ए o / 8 2 - - इम आयोग की दिनांक 19 अप्रैल, 1983 की समसख्यक अधिमुचना के सिल्मिले मेश्री वी० बी० तुलसीधर को 1-11-1983 से 31-1-1984 तक वित्त आयोग में उन्हीं भतौं पर स्थानापन्न रूप से परामर्शदाता कि पद पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

> सरलोक चन्द नन्दा प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### रक्षा लेखा विभाग

# कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंस्रक

नई विल्ली-110066, दिनांक 14 नवस्वर 1983

सं प्रभा /1/1401/4/ -- राष्ट्रपति, निम्नलिखित लेखा अधिकारी (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं) को, भारतीय रक्षा लेखा मेदा के कनिष्ठ समयमान (रुपए 700-1300) में, स्थानापन्त के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के नमक्ष दर्शाई गई तारीख से छः माह के लिए 'अनुत्रम नियम के अधीन' सहर्ष नियुक्त कर ਲੈ :----

ऋ०सं० नाम	तारीख जिसमे नियुक्त किए गए_
1. श्री गोविन्द सह।य	18-08-8 3

सं० प्रमा०/1/1401/4/III--राष्ट्रपति, निम्नलिखित नेखा अधिकारियों (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं) को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ समयमान (रुपए 700-1300) में, स्थानापरन के रूप में कार्य करने के लिए, प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त "अन्क्रम नियम के अधीन" सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र०सं० नाम	तारीख जिससे नियुक्त किए गए
<ol> <li>श्री शादी लाल दर्मा</li> <li>श्री बी० सम्पथ</li> <li>श्री एच० सी० दास</li> <li>श्री डोरी लाल</li> </ol>	0 2- 0 6-8 3 0 2- 0 6-8 3 0 2- 0 6-8 3 1 8- 0 8-8 3

## 21 नव्म्बर 1983

सं० प्रणा० /1/18 5 2/5/1--- 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियो

को, प्रत्ये । के नाम के समक्ष दर्णाई गई नार म से पेशन स्थापना को अप्तरित कर दिया गया है और तदन्मार उनका नाम, उसी तारीख से, रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से निकाल दिया गया

जन्म तिथि

		ख/ण्क्षा लेखा विमाग के सख्याबल से जाने की नारीख
सर्वे श्री ). के० सी० उर्छ।रामन्	28-10-1925	31-10-1983 (अपराह्म
उन्नारामन् 2. कें० एस० अरुणाचलम्	10-10-1925	31-10-1983 (अपग <b>ल</b>

#### 25 नवम्बर 1983

मं० प्रणा०/1/1173/1/जिल्द-<sup>1</sup>I---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेवा के एक अधिकारी श्री डी० के० चेर्तामह की उक्त मेबा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रबरण ग्रेड (वेननमान रुपए 2000-125/2-2250) में दिनांक 21 अक्तूबर, 1983 से आगामी आदेश पर्यन्त , सहर्ष नियुन्त करते हैं ।

वी० एम० जफा रक्षा लेखा अपर महानियंधक

रक्षा लेखा नियंवक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1983 सूचना

केदीय सिविल मेवा (अस्थायी गेवा) नियमाधनी, 1965 के नियम 5(1) के अधीन भेवा समाप्ति की गुचना ।

मैं, सूधांण मल्लिक, रक्षा लेखा नियंत्रक, केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसार श्री एस० एन० बसुमातरी, अस्थायी लेखा परीक्षक लेखा संख्या 8319777 को एतद्वारा यह सूचना देता हूं कि जिस. तारीख को यह नोटिम नामील की जाती है या यथा स्थिति उन्हें दी जाती है, उस तारीख से एक माह की अअधि समाप्त होने पर उनकी सेवाएं समाप्त समझी जायेंगी।

स्थांश् मल्लिक रक्षा लेखा नियंवक

हस्ताक्षर

नियुक्त करने वाले प्राधिकारी का

स्थान--पटना दिनांक : 25-9-1983

पादनी

मैं एतवुढ़ारा आज सेवा संमाप्ति की सूचना पाने की पावती देता ह्रं ।

व्यक्तिका हस्ताक्षर पद :

तारीख:

स्थान :

संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं क( कार्यालय वस्वई, दिनांक 24 नवस्बर, 1983

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) के प्रवीत तथा समाध्यि की सूचना जारी करना

अधिसूचना, मं०-1 केन्द्रीय भिविष्य निशा श्रम्थाय। निश नियमायली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण मे, मैं र० ४० बोरकर, संयुक्त निरंशक लेखा परीक्षा, रक्षा मेवाए, बम्बई एतद्हारा श्री गणिकांत भगवान जावव (अस्थायी वर्ग घ) को सूचना देता हू कि जिस तारीख को उनकी यह सूचना जामील की जाती है, या जैसी भी दिशा हो, उनको दी जाती हैं, उस तारीख से एक महीने की अविध की समाण्य का

> र० अ० बोरकर संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं, बम्बई ।

सेवा में,
श्री एस० बी० जाधव
अ/18 श्रोग्रम्बीव बिल्डिंग,
डाक्टर कम्पाउंड
दत्ताराम लाडपथ
चिचपोकती
बम्बई-400 012

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नर्द दिल्ली, दिनाक 25 नवम्बर, 1983 आगात श्रौर निर्यात व्यापार नियन्नण (स्थापना)

सं० 6/936/71-प्रणासन राज — सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री जे० सी० तिवारी, नियंत्रक आयुःल-निर्यात को 31 अक्तूबर, 1983 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

> वी० के० मेहना उप मुख्य नियंत्रक, अ'यात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मन्नालय

श्रीखोगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 नवस्वर 1983

स० 12(323)/62-प्रणा० (राज०) राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री एच० एम० सोम, निदेशक, ग्रेड-II (यात्रिकी) को दिनाक 25-10-1983 (पूर्वाह्न) से अगले आदेणो तक, उसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) के रूप में, तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

मं० 12(571)/68-प्रणा० (राज०)---राष्ट्रपति, निवर्तन की आय प्राप्त कर लेने पर, श्री मन मोहन सिह, सहायक निदेणक, ग्रेड-1 (धारिवक) को. दिनाक 30-6-1983 (अपराह्म) से, सेवानिवृत्त होन की अनुमति देते हैं.।

> मी० सी० राय उप निदेशक (प्रणा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग---6)

नई दिल्ली, विनांक 26 नवम्बर, 1983

सं० ए०-17011/224-83-प्र०-6-स्थायी भंडार परीक्षक, (अभियाविकी) ग्रॉप निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम 1972 के नियम 48 ए० के अन्तरंत दिनांक 27 अक्तूबर, 1983 के अपराह्म से स्थेच्छा से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कुते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1983

मं० ए०-17011/106/76-प्र०-6--राष्ट्रपति , निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण मेवा समूह "ए०" अभियांत्रिकी शाखा के ग्रेड-III (श्री राजेन्द्र प्रकाश सिंह का दिनांक 23-8-83 के पूर्वाह्म से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा पद के निर्धानत आधार पर भरे जाने दक, जो भो पहले हो, पूर्णतः तदर्थ आधार पर उप निदेशक निरोक्षण (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए०" अभियांत्रिकी षाखा के ग्रंड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। श्री राजेन्द्र प्रकाण सिंह की पदोग्नित दिल्ली उन्च न्यायालय में लिम्बत सिविल रिट याचिका संख्या 1457/81, 1590/81 ग्रोर 1973/81 के अन्तर्गत 3 एल० पी० ए० स० 67/83, 68/83 ग्रौर 69/83 पर अन्तिम निर्णय होने के अधीन भी होगी।

- 2. श्री राजेन्द्र प्रकाश सिंह की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता, पदोन्नित तथा स्थायी-करण की पान्नता के लिए नहीं गिनी जायेगी।
- 3. श्री राजेन्द्र प्रकाण सिंह ने दिनांक 18-8-83 के आराह्म से निरीक्षण निदेशक कलकता के कार्यालय में निरीक्षण अधि-कारी (अभियात्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 23 अगस्त 1983 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक, मझस के

कार्यालय में निरीक्षण उप निदेशक (अभियाक्षिकी) के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

4 यह दिनाक 21 सितम्बर, 83 की मि० नि० पूर्ण नि० सि० ए०-17011/106/76 प्र०-७ के अधीन पहले जारी की गई अधिसुचना के अतिकामण में है।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

## इस्पात भीर खान भन्नालय

(खान विभाग)

# भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाक 21 नवम्बर 1983

स० 9212 बी०/ए०-19012(1-पी० जे० आई०) 82-19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरुट्ट नकनीका सहायक (भूविज्ञान) श्री पी० जे० इत्तिकुंजु को सहायक भूवैज्ञानिक के हप मे उसी त्रिभाग मे वेतन नियमानुसार 650-30-74035-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०40-1200 क० के वेननमान मे, स्थानापन्न क्षमता मे आगामी आदण होने तक 12 सितम्बर, 1983 के अपराह्म से पद्योन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं।

## दिनांक 22 नवम्बर 1983

सं० 9233 बी०/ए०-19012(3-बी०बी)/83-19बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्रीमती बनानी
बनर्जी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण मे बेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-74035-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200 ६० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थायी
क्षमता मे आगामी आदेश होने तक 11-10-1983 के पूर्वाह्म
से नियुक्त कर रहे हैं।

म० 9252 बी०/ए०-32013 (ए० ग्रो०)/80-19ए०-भारतीय भृवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री डी० वैदेश्वरण को प्रशासनिक अधिकारी
के रूप में उसी विभाग मे वेनन नियमानुसार 650-30-74035-810-व० रो०-35-880-40-1000द० रो०-401200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 28-4-83 के
पूर्वाह्म से 17-6-83 (पूर्वाह्म) तक श्री आर० राजागोपालन,
प्रशामनिक अधिकारी, तामिल नाडु मडल, दक्षिणी क्षेत्र, भारतीय
भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, मद्राम की अवकाण रिक्त के स्थान पर पदोन्निन
पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 9263 बी०/ए०-19012(3-आर० एस०)/83-19वी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, डा० राजन सिंह को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 र० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 27-7-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भु-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

# भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 22 नवम्बर, 1983

स० ए०-19011 (337) / 83-स्था० ए०-श्री आर० बी० भाले, भारतीय सांख्यिकी सेवा अधिकारी ग्रेड III ने कोल नियन्नक कार्यालय, कलकता, में राहायक कांल नियनक (सांख्यिकी) के पद से कार्यमुक्त होकर भारतीय खान व्यूरो, नागपुर म दिनाक 24 अक्तूबर, 1983 के पूर्वीह्न से उप खानिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) का पदभार ग्रहण कर लिया है । - ---

## दिनाक 23 नमम्बर 1983

म० ए०-19012(175)/83-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नित सिमिति की गिफारिण पर श्री पी० वी० पुरोहित, सहायक, प्रणासन अधिकारी (तवर्ष) को इस विभाग भे सहायक प्रणासन अधिकारी के पद पर, 10 नयम्बर, 1983 (पूर्वाह्न) से नियमित रूप में पदान्नित प्रवान की गई है।

आणाराम कण्यप वरिष्ठ प्रणासन अधिकारी **कृ**से महानियलक भारतीय खान ब्यूरो

## आकशवाणी महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1983

म० 1/22/83-गम० दो०--महानिदेशक आकाणवाणी गतयुद्धारा श्री एम० मुन्दरराज को आकाणवाणी जयपोर (उड़ीसा) में दिनांक 28-9-83 (पूर्वाक्ष) मे प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

श्रीमती रुक्मिणी दास गुप्ता उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

## कृषि मत्रालय

(कृषि एव सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, सगरोध श्रौर सग्रह निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 31 अक्सूबर 1983

स० 7-3/83-प्र० अ० प्रथम--इस निदेशालय के श्री डी० वी० एन० बाबू ज्येष्ठ तकनीकी सहायक (पादपरोग त्रिज्ञान) को दिनांक 1-10-1983 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय निगरानी स्टेशन, गौहाटी में निगरानी अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अगले आदेश होने तक अस्थाई जीर पर नियुक्त किया जाता है।

के० डी० पहारिया वनस्पति संरक्षण सलाहकार

## फरीदाबाद, दिनाक 24 नवम्बर 1983

सं० 7-33/83-स्था०-1--वनस्पति रक्षा, सलाहकार भारत सरकार द्वारा इस निदेणालय के श्री एस० एन० सिह, ज्येष्ठ तकनीकी सहायक को वनस्पति रक्षा अधिकारी (कीट विज्ञान) के पद पर क० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-10-1000-द० रो०-10-1200 के वेतनमान में 21 अक्तूबर 1983 के पूर्वाहन से आगामी आदेश होने तक केन्द्रीय वनस्पति रक्षा, केन्द्र दीमापुर (नागालैण्ड) में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

जे० कृष्णा मुख्य प्रणासनिक अधिकारी कृते बनस्पति रक्षा सलाहकार

# भाभा परमाणु अनुसधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

धम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1983

सं० पी० ए०/79(1)/83-भरती III/231--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री तंजौर योगेन्द्र प्रह्लाद राव, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद को दिनांक 10 नवम्बर 1983 (पूर्वाह्म) में आगामी आदेण जारी होने तक इस अनुस्धान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०/79(1)/83-भरती-III--निर्माण एव सेवाएं वर्ग, बम्बई से स्थानान्तरित होने पर श्री उनीकत रामचन्द्र मेनन, सहायक कार्मिक अधिकारी ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र मे दिनोक 10 नवम्बर, 1983 पूर्वाह्न से, सहायक कार्मिक अधिकारी, पद का पदभार ग्रहण कर लिया है।

टी० टी० पिणोरी उपस्थापना अधिकारी

# बम्बई, दिनांक 21 नवम्बर, 1983 आदेश

स० एस०/1567/बी० ग्रो० डी०/स्था०1/3954--श्री ताराकाडू सुञ्जरोयन सुञ्जाराम ने वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड 'एस बी०' पद का पदभार 31-7-1983 अपराह्म को अधिवर्षिना होने पर छोड़ दिया

> एन० बी० रमणन उपस्थापना अधिकारी

#### सम्पदा प्रवन्ध निदेशालय

बम्बई-400 094, दिनांक 19 नवम्बर, 1983

स० 2/499/77-प्रणा० (खण्ड-III)--चूिक श्री सी० एल० भगत, जो कि सम्पदा प्रबन्ध निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई में चौकीदार हैं, दिनांक 1-9-1983 से अपने सैवा कार्य से अनिधक्त रूप से अनुपस्थित हैं।

प्रौर चिकि सहायक रामिक अधिकारी, सम्पदा प्रबन्ध निवेशा-लय द्वारा कथित श्री भगत को अपने सेवाकार्य पर उपस्थित होने के लिए निदेशित करते हुए दिनांक 3-10-1983 का एक ज्ञापत सन्द्र्या  $2/\pm99/77$ -प्रशा जारी किया गया था ।

ग्रीर चूकि उक्त ज्ञापन कथित श्री, भगत को उनके अन्तिम रूप से ज्ञान निम्नलिखित पतों पर रिजम्ट्री-पावनी द्वारा भेजा गया था :--

- (1) श्री सी० एल० भगत, रेड्डीमनी टैरेस, पहला माला, मकान नं० 14, वरली नाका, एनी बिसैन्ट मार्ग वम्बई-400 018
- (2) श्री सी० एल० भगत, पोटेबी चाल, जीने अली, जिबाजी मार्ग, एम० टी० स्टैण्ड के सामने, पनवेल ।

ग्रीर चूकि उक्त पत्न पत्नालय-अधिकारियों द्वारा दोनों पतां में इस टिप्पणी के साथ आंबतरित लौटा दिये गये कि पाने वाला उपलब्ध नही/पता ज्ञात नहीं ।

श्रीर चूिक कथित श्री भगन अभी भी अपने सेवाकार्य में अनुपस्थित हैं श्रीर उन्होंने अपने वर्तमान पते के बारे में सम्पदा प्रवन्ध निदेशालय को सूचित नहीं किया है।

ग्रीर चूकि कथित श्री भगत अपने सेवाकार्य में अनुपस्थित ,रहने तथा उसका स्वेच्छा से परिस्थाग करने के दोधी हैं।

ग्रीर चूंकि श्री भगत द्वारा सपदा प्रबन्ध निदेशालय को अपना वर्तमान पता सूचित किए बिना सेच । का परित्याग करने पर अधो-हस्ताक्षरी आश्वस्त होकर यह अनुभव करता है कि अब विभागीय जांच कराना तार्किक रूप से व्यवहार्य नहीं है ग्रीर वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि श्री भगत सरकारी सेवा में रखने योग्य नहीं है।

अत अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (मी० मी० व० ए०) नियमावली, 1965 के नियम 19(2) के साथ पिढत परमाणु अर्जा विभाग के दिनांक 7-7-1979 के पृष्ठांकन संख्या 22/(1)/68-प्रभा० (द्वितीय) के अन्तर्गत प्रदत्त मित्तयों का प्रयोग करने हुए कथित श्री भगत की एनद्वारा सरकारी सेवा में तत्काल निष्कासित करना है।

पी० उन्नीकृष्णन् निदेणक

प्रति :--

श्री सी० एन० भगत, रेड्डीमानी टैरेंस, पहलां माला, भकान न० 14, वरलो नाका, ए० बी० रोड, बम्बई-400 018 दूसरी प्रति ---

श्री सी० एल० भगत, पाटचा चाल, जीने अली, णिक्षाजी मार्ग, एस० टी० स्ट<sup>ेण्ड</sup>्के सामने, पनवेल ।

# कय और भण्डार निदेशालय वम्बई-400 001, 24 नवम्बर 1983

स० डी० पी० एस०/2/1(27)/83-प्रणा०/37846--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निदेशलय के निदेशक
ने स्थायी भण्डारी, श्री पी० आर० सी० नायर को रुपए 65030-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख 7-11-83 (अपराह्न)
में अग्रिम आदेश होने तक नियमित आधार पण्डसी
निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भण्डार अधिकारी
नियुष्त किया है।

पी० गोपालन प्रणासनिक अधिकारी

# अन्तरिक्ष विभाग

इसरौ : शार केन्द्र

कार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग श्री हरिकोटा रेंज, दिनाक 17 नवम्बर 1983

सं० एस० सी० एफ०/का० और सा० प्र० स्था०/3: 1. 72—शार केन्द्र के निदेशक ने निम्नांकित कर्मचारियों को शार केन्द्र के निदेशक ने निम्नांकित कर्मचारियों को शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में वैज्ञानिक/इंजीनियर एम० बी० के पद पर नियुक्ति करने के लिए अपनी प्रसन्नता प्रकट की है। ये सभी कर्मचारी निर्देशित तारीखों से और अगले आदेश जारी होने तक, स्थानापन क्षमता के रूप में काम करेंगे।

ऋ० नाम सं०	पदनाम	नियुक्ति तारीख
 सर्वे श्री:	•	
1. ए० दक्षिणा मूर्ति	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	07-10-83
2. के० नटराजा	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-11-83
3. जे० बी० शास्त्री	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	20-09-83
4. जे० वी० एलेक्साइर राजासिह	वैज्ञा०/इंजीनियर एस०बी०	26-10-83

राजन वी० जार्ज प्रधान, कार्मिक और सामान्य प्रशासन **कृते** निदेशक महायक नोदन् प्रणाली यूनिट

बंगलौर 560017, दिनाक 8 नवम्बर 1983

स० 8/110/77-प्रणासन--कार्यक्रम निदेशका, ए० प्रि० एस० यू०, श्री आर० कृष्णामूनि को अन्तरिक्ष विभाग के सहायक नोदन प्रणाली यूनिट (ए० पी० एस० यू०), वंगलीर में वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर स्थानापन्त रूप में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 1 अक्तूबर, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

ए० उन्नोक्कृष्णन प्रणासन अधिकारी

# इसरो उपकेन्द्र

बेंगलूर, दिनाक 15 नदम्बर, 1983

म० 020/3(061)/प्र० अ०-83--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शाई तिथियों में अगले आदेश प्राप्त होने तक अस्थायी आधार पर महर्ष पदोन्नत करने हैं :---

न(म

पदोन्नति जिस पदोन्नति जिस

स०	पद औरश्रेणी	पद और श्रंणी		
	म	ক† —		
श्रीम री/श्री				
1. के० विजयकुमार	: वैज्ञा० सहा०	वैज्ञा०/अभि०	1-10-83	
	सी०	एस०बी०		
2. जी० कुल्लन	तक० सह्।०	वैज्ञा०/अभि०	1-10-83	
	सी०	एस० बी०		
3 डी० एस०	तरु महा०	वैज्ञा०/अ/भ०	1-10-83	
राजेन्द्र	सी०	एस० जी०		
4. बिद्धल राव	तक० गहा०	वैजा०/अ∫भ	1-10-83	
•	सी०	एस० बी०		
5. टी० आ <b>र०</b> ं	तका० सह⊨०	वैज्ञा०/अभि०	1-10-83	
फान्सिम	सी०	एस० बी०		
6. ए० डी० ठकार	तक्र० सहा०	वैज्ञा०/अभि०	1-10-83	
	मी०	्एस० बी०		
7. आर० गोपीनाथ	तक० सहा०	বঁলা০/অমি০	1-10-83	
	सी०	एस० बी०		
<ol> <li>के० र्रातनम्</li> </ol>	न ∓० सह्।०	वैज्ञा०/अभि०	1-10-83	
	सी०	एस० बी०	•	
एच० एस० रामदास				
प्रणासन अधिकारी-11				

नागर विमानन विभाग कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन नई दिल्लो, दिनाक 26 नवम्बर 1983

सं ए 32013/2/81-ई० सी०—इम विभाग की दिनांक 5 जुलाई, 1983 की अधिसूचना सं ए 32013/2/

81-ई० सी० (पार्ट) के पैरा 2 में आणिय सणोधन करते हुए, पैरा 2 में कम स० 14 पर दर्शायी गई श्री जे० सी० राय की तदर्थ नियुक्ति की समाप्ति की अवधि सणाधित रूप में 31-8-1982 के स्थान पर 31-10-1982 पढ़ी जाए ।

मं० ए० 12025/2/82-ई० एम०-- सघ लोक मेदा आयोग की अनुणमा पर, राष्ट्रपति ने सर्वे श्री डी० आर० यादव और लक्ष्मण दाम को श्रमण दिनाव 1-10-1983 और 4-10-1983 से नागर दिमानन दिमागों में दिमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है ।

> जी० बी० लाल सहायक मिदेशक प्रशासम

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिन्ली, दिनांक 22 नवस्वर, 1983

म० 34/83—मोमा णुल्स गृह, मद्राय के मूख्य निर्धारक श्री कें रामनाथन ने, जो कि पहले साख्यिकी एवं आसूचना निर्देशालय, सीमा णुल्क व केंद्रीय उत्पादन णुल्क, नयी दिल्ली में व्यंत्र्यट विश्लेषक के पद पर कार्यरत थे, निरीक्षण और लेखा परीक्षा निर्देशालय, सीमा णुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन णुल्क के दिनांक 3!—10—83 के आदेण सी० स० 1041/50/83 द्वारा इस निर्देशालय के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 1—11—83 (पूर्वाह्न) में निरीक्षण अधिकारी, ग्रुप (ख) के पद का कार्यभार सभाल लिया ।

ए० सी० खलदोग्हा निरोक्षण निदेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1983

मं० 27 एस० /एन० (६)/77-ई० सी०-2--राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) श्री एन० नटराजन द्वारा 10 अक्तूबर, 1983 के स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार नटराजन 15-10-1983 (अपराह्न) सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> श्रीमित नीना गर्ग उपनिदेणक (प्रणासन)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्यमंद्रालय कम्पनी कार्यविभाग,

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिहार मेडिकल एक्सपर्टस पौलीक्लिनिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में .--

पटना -800001, दिनांक 2 नवम्बर 1983

मं० (1107)/560/4747— कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुमार में एतदृहारा सूचना दी जाती है कि बिहार मेडिकल एक्सपर्टस पौलीकितनिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गय है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० डक्ट्यू अन्मारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और केरल क्लियरिंग एजेंमीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय :---

कोच्चीन, दिनांक 24 नवस्वर, 1983

मं० 2273/लिक्वि/560(5)/11233/83---कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एक्ट द्वारा सूचना बी जाती है कि केरल क्लियरिंग एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दियागया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

> के० पंचापकेणन कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल ।

 कम्पनी अधिनियम, 1956 और मुरज क्रेडिट एण्ड इनवेस्टमेंट कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :---

जमाल रोड, पटना-800001, विनांक 24 नवम्बर, 1983

सं० (1007)/560/306—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमार एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर सुरज केडिट एण्ड इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्मनी विषटित कर दी जायेगी।

ए० वहात्र अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना। कम्पनी अधिनियम 1956और सीटीजन स्विग एण्ड फाइनेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में --

पटना--800001, दिनाक 21 नवम्बर, 1983

म॰ (1018)/560/309---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुमार एनद्द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस नारीख, से तीन मास के अवसान पर सीटीजन सेविंग एण्ड फाइनेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उनत कम्पनी विघटित कर दी जायेगी। कम्पनी अधिनियम, 1956 और जय किसान केडिट एण्ड इनवेस्टमेट प्राइवट लिमिटेड के विषय में ---

पटना-800001 दिनाक 24 नवम्बर 1983

स० (11507) 560/312 -- कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसार एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख सतीन माम के अवसान पर जय किसान के डिट एण्ड इनवेस्टमेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिहूत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी। ए० वहाब, अन्सारी

कम्पनो र्राजस्ट्रार, बिहार पटना ।

प्ररूप बाइ<sup>\*</sup>.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी | 251 | 82-83—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट मं० 1101 है तथा जो सैक्टर-11 चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--2--376GI/83

 श्री अवतार सिंह वग्घा करता अवतार सिंह और पुत्रान (हिन्दू मुस्तरीका परिवार) निवासी मकान नं० 28 कनाट प्लेस, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

 श्री किशन चन्द पुत्र श्री चरन्जी लाल निवासी गांव लाहोरा यू० टी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशिष्ट्या करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में के:ई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जनसूची

प्लाट नं ० 1101, सैक्टर 11 चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख नं ० 1854 मार्च, 1983 में दर्ज है)।

> ्जोगिन्दर सिंह्थू सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीखं: 14-11-1983

माहर:

प्ररूप् नाइ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी०/244/82-83--अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० 239 है तथा जो मनी माजरा यू० टी० में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनिय्म के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उवतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---  श्रीमती नीलम खातार पत्नी हित्तन्द्र कुमार खातार श्वारा अटार्नी श्री राज कुमार पुत्र श्री हरभजन खातार निवासी मकान नं० 255 सैक्टर 9-सी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

 श्री जोगिन्दर सिंह पाल पुत्र श्री चौहर सिंह निवासी गांव व डाकघर जन्दू सिंघा जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्थळीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा ही।

## अनुसूची

एस० सी० एफ० 239 मनीमाजरा यू०टी० चण्दीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलिखत संख्या नं० 1716 मार्च 1983 में दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14--11--1983 मोहर :

# प्रकृष कार्ष ्टी एम् एस् प्रतानकानका

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुजुना

#### भारत स्रकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी ०/246/82-83--अतः मुझे, जोगिन्धर सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-श के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 1225 है तथा जो सैक्टर 34-सी० नण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वो वत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिन्यकृ, अर्थ अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने वें सुविधा के लिए;

ज्तः जब, उक्त जीभीवयम की भारा 269-ग को जनुसरण में ,मैं उक्त अभिनियम को भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—  मेजर एम० आर० सूव पुत्र श्री ए० आर० सूव निवासी मकान नं० 70 राजेन्द्र नगर, जालन्धर शहर।

(अन्तरकः)

 (1) श्री देण राज गान्धी पुत्र श्री भगवान दास
 (2) श्रीमती शान्ती देवी परनी श्री देण राज निवासी मकान नं ० 1623 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विनृकी अविभि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मुधुहस्ताक्षद्वी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मुर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा प्याहै।

#### वन्स्ची

प्लाट मं० 1225 सैक्टर 24-सी चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विकेख नं० 1725 मार्च, 1983 में दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख : 14-11-1983

मोहर 🛭

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्चना

#### भारत् सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़े, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी०/249/82-83--अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० साईट नं० 367 है तथा जो मोटर मार्किट और कर्माश्यक एरिया मनीमाजरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च,

को प्रांक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपरित का जीवत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (का) एसी किसी नाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिद्;

शी गुरमीत सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी मकान नं० 3318 सैक्टर 15-डी० चण्डीगढ़ हारा जी०पी०ए० श्री शील कुमार पुत्र श्री लख्मी चन्द एस० सी० एफ० नं० 10 सैक्टर 10-डी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिलविया नरेश गिल पत्नी श्री नरेश कुमार गिल निवासी मकान नं० 1098 मनीमाजरा यू०टी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के गर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यां क्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वां कर क्यां क्तियों में से कि मी अविदा स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एस०सी०एफ० नं० 367 मोटर मार्किट और कर्माशयल एरिया मनीमाजरा य्०टी० चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1804 में दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

शतः शयः, उक्त विधिनियम् कौ शारा 269-ए के जनुसर्धः भैं, वैं. उक्त विधिनियम की शारा 269-इ की स्पंधारा (1) स्रो अधीन्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

तारीख: 14-11-1983

मोहर 🐇

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश स० चण्डीगढ़/240/82-83--अत. मुझे, जोगिन्दर सिह

भायकर उपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० मी० एफ० नं० 8 है तथा जो सैक्टर 10-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री पवन कुमार, इन्द्र सागर और प्रेम सागर पुत्रान श्री लछमन दास निवासी 616 सैक्टर 18-वी, चण्डीगढ़।

(अन्सरक)

 श्री जसबीर सिंह सोधी, श्रीमती सन्तोष कौर श्री अजय सिंह निवासी 524 सैंबटर 10-डी॰, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

अधि चन्द्र मोहन खन्ना मार्फत अप्पू एन्ड एसोसियेट्स निवासी एस० सी० एफ० नं० 8 सैक्टर 10-डी, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ई)

 मैससं लुधियाना टैट हाउस एस० सी० एफ० न० 8 सैक्टर 10-डी चण्डीगढ़।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आर्थेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयिष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए का सकर्ण।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एस०सी०एफ०नं० 8 सैक्टर 10-डी चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1673 मार्च, 1983 में दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-11-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत् सरकार

# कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयक्त (निर्ाक्षण) भार्जन रेज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० चण्डी ०/238/82-83—अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 1199 है तथा जो सैक्टर 8 सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरुण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आयु या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्रीमती राजिन्दर कौर बैंस पत्नी श्री जी० एस० बैंस, निवासी 319 मस्जिद साऊथ एक्सटेंशन, पार्ट II, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

 श्री ओम प्रकाश गोयल पुत्र श्री पारस राम निवासी 239, सैक्टर 19—ए०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

 श्री आर० के० चोकर वकील निवासी मकान नं० 1199, सैक्टर 8—सं०, चण्डीगढ ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सृष्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कतु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पक्तीकर्णः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

मकान नं ॰ 1199, सैक्टर 8-सी॰ चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलिखत संख्या नं ॰ 1665 मार्च 1983 में दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 14-11-1983

मोहुदु 🛭

प्ररूप बार्ड . टी . एन् . एस . -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना}

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं चण्डी/241/82-83---अतः मुझे, जोगिन्दर सिंह आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 300 है तथा जो सैक्टर 33 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण्रक्रम में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 19081 (908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (च) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि -नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किंग के लिए;

भतः भव, उनत मिनियम की घारा 269-न के समुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-न की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- शी डी० के० सरीन पुत्र श्री विद्या भास्कर मार्फत मैसर्स सरीन इलैक्ट्रिक ट्रेडिंग कम्पनी चौडा बाजार लुधियाना द्वारा हजारा सिंह पुत्र महताब मिंह निवासी मकान नं० 10 सैक्टर 19 ए०, चण्डीगढ़।

(अंतरक)

 श्री गुलजार सिंह पुत्रश्री हजारा सिंह निवासी मकान नं ० 10 सैक्टर 19--ए०, विण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथांकि सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्में वंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उच्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**सूची

प्लाट नं० 300 पैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1678 मार्च, 1983 में दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, सुधियाना

नारीखा: 14-11-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० मी०एच०डी०/7/83-84--अन: मुझे, जोगिन्दर सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी संख्या 1/4 हिस्सा एम०सी०ओ०व० है तथा जो सैक्टर 22-ए०, चण्डीगढ में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1983

को पूर्वेक्ति संम्पीति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्यः, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, ज्निह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य की उपधारा (1) ं के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. श्री काशमीरी लाल पूत्र हकीम राय वासी 1615 सैक्टर 18 ए, चण्डीगढ़ ।
- 2. श्री मदन लाल हरजाई पुत्र हाकम राय हरजाई वासी मकान नं० 44 सैक्टर 27-ए०, चण्डीगढ़ ।
- 3. श्री अशोक कुमार पुत्र कश्मीरी लाल वासी 1615 सैक्टर 18 ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमनी रमा हरनाई पत्नी कुष्ण लाल हरनाई वासी 44 सैक्टर 27 -ए० चण्डीगढ

. (अंतरिती)

- (3) 1. डा० ओ०पी० शर्मा आंखों के माहिर
  - 2 पंजाब लेंड डिवलपैमेन्ट एण्ड रीकलमनेशन कापोरेशन लिमिटेड
  - 3 आयकर अधिकारी सैलरी कम कम्पनी सर्कल हरियाणा वासी एस० मी० नं० 827-828 सैक्टर 22 चण्डीगढ़

(इह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

1/4 हिस्सा उस० सी० को० नं० 827—828 सैक्टर 22-350 चणीगढ़ में सचित है।

(जयदाद जैसी कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलिखत संख्या नं० 32 अप्रैल 1982 में दर्ज है । जोगिन्दर सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 14-11-83

नायकर श्रीभीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सम्बना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 सितम्बर 1983

निर्देश सं० खण्ड /468 2-8 3-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी एं जिसकी एं विश्व नं 2419 है तथा जो फंस 10 मोहाली तहसील खरड में स्थित है ( और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कि कार्यालय, खरड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्रे यह विद्यास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से क्षित नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अन्त्रण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कुदु देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः नन, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त निधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निध्नितिकत व्यक्तियों, न्यांत् :----

- (1) श्रीमती भगवान देवी परनी श्री केसी राम निवासी
  17 सैक्टर 19 ए० घण्डीगढ़ द्वारा पावर आफ
  अटार्नी श्रीमती अनितपाल कौर पत्नी श्री जगमोहन
  गिष्ट निवासी 200 सैक्टर ० चण्डीगढ़, ।
  (अन्सरक)
- (2) श्री नगमोहन सिंह पुस्न श्री हरवास सिंह निवासी 209 सैक्टर 9 चण्डीगढ़ ।

(अग्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अबुबुची

प्लाट नं० 2419 फेस 10 मोहाली तहसील **खण्ड में** स्थित है।

(जयवाद जैसा की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के विलेख संख्या नं० 5421 मार्च 1983 में वर्ज है।

जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-11-83

मोहर 🛭

# प्रकृष व्यव् . टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेण सं० खण्ड/45/82-83--अत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- इस अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० सकान नं० 164 फेन-1 है तथा जो मोहाली तहसील खरड में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूर्थी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय खरड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्थ 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक क्य से कृतित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सृविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मस्तान सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह निवासी गोविन्द गली फाजिलका ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीमत कौर पत्नी श्री हजूरा सिह निवासी गांव खान पुर डाक घर परखली तहसील व जिला रोपडया मकान नं० 164 फेस-I मोहाली गहसील खरड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्विक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तायील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वृष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के नास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि किया के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हिगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्वी

मकान नं० 164 फेस-ा मोहाली तहसील खरड में स्थित है। (जयदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख नं० 5321 मार्च 1983 में दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

नारीख :- 14-11-82

प्ररूप आईंटी एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन मुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 नवम्बर 1983

निदेश स० लुधि०/295/82-83--अत भुझ, जागिन्द्र सिट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह स अधिक है

25,000/- रह स अधिक हैं
श्रीर जिसकी स० 1/2 शेयर दुग्रान न० बी-VII/50 है तथा
जो चौड़ा बाजार लुधियाना मे स्थित हैं ( और इसमें
उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वॉणत हैं ), राजर्स्ट्राकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिन दिनाक मार्च 1983
को पूर्वान्त सर्पात्त के उचित बाजार मृत्य म कम क दश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
स्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह तिश्वत से अधिक हैं और अतरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाथा गया प्रतिकल निम्निलिखिस उद्धिय स उक्त अत्रण
जिखित में वास्तविक रूप से किथत मुहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्त्रण धं हुइ किसी नाय की नावत उक्त निय-नियम के अधीन कर दोने के जन्त्ररक के नावित्य में कभी कार्य ना उससे जवने में सुनिधा के लिए; वरि/ना
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन् या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम् या भने कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्रियादती द्वार प्रकट नहीं किया त्रया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा करिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीप, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री असन कुमार सेंठ, विषन कुमार सेठ और नवीन कुमार सेठ, पुत्तान श्री ओमश्रकाश निवासो बी०-I-1274 राजन्त्र नगर सिवल लाईनम लुधियाना

(अंतरक)

(2) श्रीमती कृष्ण रानी पत्नी श्री प्रधुम लाल और श्रीमतो राज रानी पत्नी श्री नरेद लाल निवासी 86 ग्रीन पार्क मिवल लाईनस लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) 1 मससं चीप कलाथ हाउस
2 श्री नरेश कुमार कपिला
3 श्री तजिन्द्र कपिला
वो० VI[-50 चीडा बाजार, लुधियाना
(यह व्यक्ति जिसके अधिनोग में सम्पात है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित

> हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्को

1/2 हिस्सा बुकान न० बी० VII-50 चीडा बाजार लुधियाना में स्थित है ।

(जयदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के जिलेख सक्या न० 16498 मार्च 1983 में दर्ज है ?

जागिन्द्र सिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारी**ख - 17-11-83** 

मोह्र :

# प्ररूप **नाइ** ें दी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सुरकार

# कार्यालय, सहायक आयक द आयुक्त (निर्फीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए०एस०आर/83-84/-249-यतः मुझे, सी० एस० काहलों आई आर एस

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से मुधिक है

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो माडल टाउन अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृतिया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व, में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के हैन्द्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अच्छा आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी करतार सिंह चौक प्रागदास अमृतसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री चरन दास पुन्न देस राज पंजाब हाऊसिंग कलोनी ग्रीन एवन्यू अमृतसर (अन्तरिती)
  - (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई वि:राएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पति हैं)
  - (4) और कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवबध्. है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## लन्स्ची

एक जायवाद 114.75 वर्ग को माइल टाऊन अमृतसर में है जैसा सेल डील नंव 18491/16~3-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

> मी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 17-11-83

मोहर 🕄

प्ररूप जाहै, टी. एन. एस .. --------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुमना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 नवम्बर 1983

निवेश नं० ए० एस० आर83-84/248---यनः मुझे सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- स्त. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो माडल टाउन अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख मार्च 1983

को पूर्विक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उचत अन्तरण किखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रघबीर सिंह पुत्र जसवंत सिंह 17- खालसा कालेज, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री निलनी सर्मा पुत्री इशर दास समि इसर मोहन नगर अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति,जिनके वारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबा है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) १६ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

एक जायदाद 114.75 र०ग० जो माङल टाऊन अमृतसर म हे जैसा कि सेल टीड न० 18492/16-3-83 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काह्लों आई आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (fनरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारी**ज** :-- 17-11-83

मोहर ध

# प्ररूप बार्ड , टी., एन्., एस.,- - = =---

# नायकर वर्षित्रयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यक्षीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 3 नवम्बर 1983

निधेण सं० ए०एस०आए/83-84/238---यतः मुझे सी० एस० काहलों आई आर एस जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप में वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन तारीख मई 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जबने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निजिति व्यक्तियों, अभीत् हि——

- (1) श्रीमती प्रकाण कौर पश्नी दरणन सिंह बासी राधाकृष्ण बिलर्डिंग जी० टी० गेड अमृतसर। . (अन्सरक)
- (2) राजिदर कुमार पुत्र सत्यापाल, 30 रानीका बाग अमृतसर है।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किपएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हं)
- (4) और कोई

(यहर्थ्याक्त, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पति में हितबड़ हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो रानी का बाग अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1789/6-5-83रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> मी० एम० काहलों आई आरएस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-11-83

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-घ (1) के अभीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जमनसर

अमृतसर, दिनाक 3 नवम्बर 1983

निवेश न० ए०एम०आ२०/239—यत मुझे, सी० एम० काहलो आई० अ१२० एम०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रसिद्ध (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी ग० एक भूमि ना प्लाट है तथा जो रानी ना बाग अमृतसर मे रिधन है ( और इसमे उपाबड अनुसूची मे आर पूर्ण क्य मे काणित है ), रिजस्ट्रीकर्शा अधिवारी के नार्याचय अमृतसर में रिजर्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, तारीख मार्च 1983

को पर्तोवत सपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरित (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप में कथित नहा किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुर्द किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भास्तिथा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया आ ता निया अना स्विधा सी लिए,

अत अत, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण म, मैं उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्रीमती प्रकाण कौर पत्नी दर्शन सिंह बासी राधा किणन बिलर्डिंग जी० टी० रोड पुतली घर अमृतसर। (म्रन्तरक)
- (2) श्री रिजदर कुम।र पुत्र सत्य पाल 30 रानी का बाग, अमृतसर।

(अन्सरिनी)

- (3) जैंसा ऊपर म० 2 में कोई किराण्दार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उभस अधिनियम के अध्याय 20-क में पहिसाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जगुसूची

एक भूमि का प्लाट जो रानी का बाग, अमृतमर में जैसा सेल डीड न० 19025/30 3 83 र्रजस्ट्रीकर्ता अधिकारो अमतसर में दर्ज है।

भी० एस० काहलो आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, ग्रमुनसर ।

तारी**ख** 3-11-83

# प्रकथ बाद् , डी. द्रु , यूच् , -----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक भागकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए० एस० आर०/83-84/240---यतः मुझे सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

बायकर विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियमं कहा गया हैं) की भारा 269-व के वधीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाकार सूक्ष्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी गं० एक जायदाद है तथा जो गारडन कालोनी अमृतसर में स्थित है ( श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख जन 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न निम्नलिचित उद्वेद्य से उच्त अन्तरण निम्नलिचित में बास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया क्या है देन्य

- (क) मन्द्रम् चे हुद् किसी बाद की बादत समझ स्थिन तियम के स्थीन कार दोने के मन्द्रक के दासित्य में कवी करने वा समसे वृत्ये में सृत्या के जिल्बे; और/या
- (ण) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यों मुनिधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री राम सिंह पुत्र हरी सिंह वासी । गारडम कालोनी, आर० बी० बुनी चंद रोड अमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्रीमनी णीला बती पत्नी चिमन लाल भेहरा गली बाग बाख़ी मकान नं 1660 कटडा खाजांना अमृतगर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (शह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) और कोई
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
  जानना है कि वह सप्पति में हितवद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# वन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त स्यक्तियों में किसी स्यक्ति इवाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणं :---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, जहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक जायदाद 235 ब० ग० जो गारडन कलोनी अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 457/27-6-83 रजिस्ट्रीफर्ता अधिकारी मृतसर में दर्ज है।

> सी० एम० काहलो (आई० आर० एस०) गक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14 नवम्बर 1983

मोहर ६

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश नं० ए० एस० आर०/83-84/241--यनः मुझे सी० एस० काहलीं, आई० आर० एस अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी में० एक भूमि का प्लाट है तथा जो बसंन एवनय, अमृतसर में स्थित है ( श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणत है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1938 का 16) के प्रधिन तारीख मार्च 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूबमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिति गय में किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उसमें दचने में मृविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मिनियित व्यक्तियों, अर्थान् :--- 4-376GI/83

(1) अमृतसर इंवपूबमेट ट्रस्ट्र अभृतगर

(अन्तरक)

(2) श्री रजिंदर कुमार वाही, केवल कृशन वाही, रिव कुमार वाही, और विनोद कुमार बाही पुत्रन केणव केणा राम बाही गसी गुसियां कटड़ा भाडे संत सिंह, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)
- (4) स्रोर काई श्री अमर नाथ पुत्र गनपत राए, वासी 36 राम वाग, अनृतसर

(बद्र व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवड़ है ),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारींख से 45 दिन की अर्वाध या तत्म्मबन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य प्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

उस भूमि का पलाट जो बसंत एवनयू अमृतसर में है जैसा सेल डीङ नं० 46/31-3-83 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

सी० एम० काहलो, आई प्रार० एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जद रेज, अमृतसर

तारीखा :: 14-11-83

७हप अर्च . मी . धन . धन . -----

**बायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेज अमृतसर अमृतसर, दिनांक 14 नवम्वर 1983

निदेश नं० ए०एस आर/83-84/242—यतः मुझे सी० एस० काहलों आई आर एस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह पिश्वास करों का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उनित दारार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एंक भूमि वा प्लाट है तथा जो निरंकारी कलोनी अनाँतसर में स्थित है ( ग्रौर इममे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणा है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्ज 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार ग्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रभायू कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, एरे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने क कन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कारण, डोक्रीय
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य प्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम. या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितां, अर्थत् :--

(1) श्री हरवंस सिंह पुत्र हरी वासी सिंह अढ़ा नूरदी तरन तारन जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान सिंह सुत्र लग्नमन सिंह वासी जिश्रोबाला तहसील तरन तारन, जिला अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार ही (वह व्यक्ति ,जिसके अधिभोग में तम्पति है )

(4) ग्रोर नोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पति में हिनवद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में केंद्र भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उन्नत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में विष्णु जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

उस भूमि का प्लाट 258 व०ग० जो निरंकारी कलोनी अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 18926/25-3-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अनृतसर में दर्ज है

मी० एम० काहलों, म्राई० आर० एस सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :- 14-11-83 गोहर :

A ser on the ser of the service of t

प्ररूप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्जीनय, -सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनाँक 14 नवम्बर 1983 निदेश नं० ए०एम०आर/83-84/243--यतः मुजे सी० एस०काहलो, आई आर एस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्या हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. में अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो जी० बी० रोड अमृतलर में स्थित है (ग्रोर इसगे उपाबद्ध अन्मूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक मार्च 1983

का प्वीवत रापत्ति के उचित कजार मृल्य स वम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सपीत्त का उचित बाजार गुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल क ान्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एंस अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिसित मे वास्तीिक रूप से कथित नही किया गया है .--

- (क) जनारण म ह्इ किसी आय का प्रायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा कं लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अत्यानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के, अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--

(1) श्रीमती अभरजीत कौर पूत्री मोहन सिह चोक करोजी, अमृतमर

(अन्तरक)

- (2) श्री प्यारा जाल पूज हरजी राम, गांव कसेल त्र्मील तरन तप्रन, जिला अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा उपरं न० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यवित जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
- (4) ग्रोर ओई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त समान्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन का अनीध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविव बार म समाप्त होती हो, कं भीतर पूर्वीकता व्यक्तियों में साकरी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिधित म किए पा सकरें।

स्पष्टीक रणः -- इसमे प्रयुक्त रुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याप 20-क मे परिभापित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हो।

#### अन्स्ची

एक भूमि का प्लाट 114.75 व० ग० जो निकट मयूर होटल, जो, टा रीवन ह जैला सेल डीड नं० 18785/ 22.3.83 रिज हिंकतां आंधकारी, जम्ततर में दर्ज है।

> मी० एम० काहनीं, आई आर एस, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-11-1983

## प्ररूप नाइं.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-घ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 14 नवम्बर 1983

निदेश स० ए०एस०ग्रार०/83-84/244 अत मुझे, सी० एस० काहलो,ग्राई० आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० एक भूमिका प्लाट है तथा जो जी० टी० रोड अमृतसर में स्थित है ( ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ग रूप में विणित है), रिजिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधिन, तारीख माच 1983

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अनरको) और अतिरिती (अन्तिरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्रीमती दिवदर कीर पत्नी महिदर मिह 16/12 गागर मल रोड,अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) कैलाण कुमारी पुत्री भिलोरी राम सकान न० 302 हसैनपुरा, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा उपर स० 2 में कोई किरायएदार हा (बह व्यक्ति, जिसके अधिमाग में सम्पति है)
- (4) श्रोर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

का यह सचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि यो तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकारे।

स्थव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया

#### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 114.75 ब०ग० जो निकट मयूर होटल जी० टी० रोड, अमृतसर में है जैसा, सेल डील न० 3561/15-6-83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी असृतसर में दर्ज

> मी० एस० काहलो, आई० आर एस, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख :- 14-11-83

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतमर

अमृतसर, दिनाक 14 नवम्बर 1983

निदेश स० ए० एस० आर० /83-84-245--अत मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन साम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं निदेश स० एक भूमि का जाट हैं तथा जो जो० टो० रोड, अमृतसर में स्थित हैं (और इनमें उगाजड अनुभूची में पूर्ण रूप से व्यक्ति हैं), रोजस्ट्रोहर्ता अधिकारों के बार्यालय, अमृतनर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख मार्च 1983

16) के अधान, ताराख माल 1983 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —-

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय को बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एते किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा स्के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) श्रो अमरजोत कौर पुतो
श्रो मोहन विक्र,
वासी चौक करोडो,
अमृतरार।

(अन्तर ह)

(2) श्रो महिन्दर पाल पुत्र श्रो दोवान चन्द, गात्र ख्याला कता, नहसोल अजनाला, जिला अमृतगर।

(अन्तरिनो)

- (3) जैमा कार सब 2 में कोई (कराएदार हो। (महत्र्यंका, जिसके अधिभाग में सम्बंत है)
- (4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे म अयोहस्शाक्षरो जाना है कि वह सम्पति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सब भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

एक भूमि का ग्लाट 114 175 वर्ग गर्ज जो निकट सयूरहोटल, जीव टाव राज अमृतार में है जैमा सनडोड सब 3563 लारोख 15 जून, 1983 को रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> मी० ए५० काहलो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, अमृतवर

तारीखा : 14−11−1983

मोहर 🧓

# प्रक्ष बाई • टी ॰ एन ॰ एस ॰ ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर दिनाक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० ए. च० आर० /83-84/246 --अन मुझे, सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गटा है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिनकी स० भूमि है तथा जो निष्ट ए० बो० कालेज, पठानकोट में स्थित है (और इस्ने उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रोर पूर्ण रूप से विण्य है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिनारों के कार्यात्य, पठानकोट में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख मार्च, 1983

को प्वांक्त संपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपिति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अन्तरिती (अन्दरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित दृद्दश्य से उक्त अन्तरण में निवित वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ए.मी. देवासी प्राप्त था किसी धन गा अन्य जारित्यों अं. जिन्हों भागतीय अध्य-वर अधि न्य.मे. 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रणाजनार्थ अन्तरिन द्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या खिला जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा कि निए,

अत. अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) श्रोमती अमरजात कौर त्रिधवा
  स्त्र० श्रा रेशम िंह द्वारा
  श्रो समार लिह पुत्र
  हाकम सिंह
  जनरच अटानी,
  वासी 209, प्रोत नगर,
  पठानकोट । (अन्तरक)
- (2) श्रो राज कुमार पुत्र श्रो सुदर्गन ताल , निकट मिणन हाई स्कूत, भिणन रोड, पठानकोट ।

(अत्नरितो)

- (3) जैना ऊरर सब्देश काई किराएदार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिनोग में स्मालि है)
- (4) आर कोई।

(यह व्यक्तिः, जिल्के वारे में अबोहव्याक्षरा जानता है कि वह एम्योम में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पात्त क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास मित्र का सकेंगे।

स्थाच्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि 5 कताल 2 निल्लेजा निल्ट ए० बा० कालेज, पठानकाटमें हेजैरा ना इल्डिय० 4040 नाराख 30-3-83में रिजिस्ट्रोकिनी अधिकारा, पठानकोट में दर्ज हु।

> मो० ए। वाह्यता, आई० आर० एम० पक्षम प्राप्तेकारा पहायत आक्रार जायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अनुपनर

तारीख : 14-11-1983

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतपर अमृतसर, दिनांक 14 नवम्वर 1983 निदेश सं० ए० एत० आर०/83-84/247--अतः मुझे, सी० एम० काह्लों, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो निकट ए० बी० कालेज, पठानकोट में स्थित है (और इनके उनाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विगत है), रिजिन्डों कर्ता अविकारों के कार्यालय, पठानकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त गंगित्त के उचित काजार मृन्य से कम के दश्तमान प्रोतका के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह त्रिश्तम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपित्त का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लितित में बाग्नविक ल्य से किथत नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के अधिनयम में असी. करने या एससे वचन में मृतिधा के लिए: और/ण
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रामतो अनरत कौर तिब्दा स्व० श्रो रेगन निह द्वारा श्रो संदार निह पुत्र हाकम सिह जनरल अटार्नी वासी 209, प्रीत नगर, पठानकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार पुत्र श्री सुदर्शन लाल, निकट मिशन हाई स्कूल, मिगन रोड, पठानकोट ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊनर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति है)
- (4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके दरंरे में अओर्टनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

#### उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>1</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

भूमि 5 कताल 3 मरले जो निकट ए० बी० कालेज, पठानकोट में है जैंग में 7 डोड मं० 4013 को तारीख 25 पार्च, 1983 को रिजिप्ट्रीकर्ता अधिकारों, पठानकोट में दर्ज है।

> मो० एप० काहलों, आई० आर० एम० स्थान प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

नोहर :

# प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अ्मृतसर अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/221--अतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० अपर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारणं है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में म्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) से ग्रधीन, तारीख मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गितश्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की टाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 रा 27) के प्रयोजनीय अर्थीरती खारा पकट नहीं जिला गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती निर्मला तेबी पत्नी श्री विश्वनाथ, वासी चौक पासीयां, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) मैं ° मैहले इग्डस्ट्रीयल कारगोरेशन, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि मो व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजणत में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया ही।

## अन्स्ची

एक जायदाद ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड मं० 16 को तारीख 31 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> मी० ए.म० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

प्रकल बार्धः हो . एन . एम . -----

# भायकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-ष(1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1983

निदेण सं० ए० एस० आर०/83-84/222--अतः मृझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ½ भाग स्ट्रकचर का है तथा जो ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर ; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्चन उद्देश्य से उन्त जन्तरण लिश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिसियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में कमी करने या उलसे अचने में सृविधा के लिए; जौर/मा
- (ख) एसी किसी शाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-53 -376GI/83

(1) श्री किदार नाथ पुत
 श्री कान्नचन्द,
 वासी कूचा सेवा सयाल कटड़ा दूलो,
 अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अण्विनी कुमार पार्टनर:
मै० प्रभान आयुर्वेदिक फार्मेसी,
कटड़ा णोर सिंह,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोर्ड।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो--हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति ; हिलबड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोष्ट्रं भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों को से फिसी का चिन द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूत्री

र्म भाग स्ट्रकचर का जो ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड मं० 18095 तारीख 7 मार्च, 1983 को र्गजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतमर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज , अमृतसर

तारीख : 5,-11-1983

प्रसम् आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर म्हिपेनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण् (1) के अधीन सुण्ना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयु<del>क्त</del> (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/223—अत मुझो, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो राउज एवन्यू, अमृतमर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अमृतमर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--- (1) श्री नरिन्दर मोहन पुत श्री चमन लाल, वासी 15, टेलर रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्व वन्धू खाना पुत्र श्री चुन्नी लाल, रेस कोर्स रोड, अमतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुसूची

एक भूमि का प्लाट जो राउज एवन्यू, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 106 तारीख 31 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-11-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आह<u>ाँ.</u> टी. एन. एस.-----

भायकर गिथिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के गभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 14 नवम्बर 1983

तिदेण स० ए० एस० आर०/83-84/224--अत: मुझे, सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक्ष नगर, अमृतसर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अभ्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> (1) श्री गुरमीत सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह पुत्र श्री माला सिंह, वासी मजीठा अमृतसर, द्वारा . श्री केवल किंगन

पुत्र श्री मदन लाल, वासी वेरका अमृतसर अटार्नी जनरल।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर सिंह पुत्र श्री बसी सिंह, वासी टेलीफोन एक्सचेज, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति

₹)

(4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### मनुसुची

एक भूमि का प्लाट 250 वर्ग गज जो तिलक नगर अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 18454 तारीख़ 15 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

सी० एस० काहलो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 14 नवभ्बर 1983

निदेश स० ए० एस० आर०/83-84/225--अन मुझे, सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० एक भूमि है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अतरक (अंतरकॉ) और अतरिती (अन्तरियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिच्च उवधेह्य से उवत अन्तरण निखित में बास्तिक रूप में किथा गया है :——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन नर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री हरप्रताप सिह पुत्र श्री हरबस सिह पुत्र श्री सेवा सिह, वासी मजीठा द्वारा श्री बलदेव ऱाज पुत्र श्री मवन लाल अटार्नी जनरल ।

(अन्तरक)

(2) श्री दलेर सिह पूस श्री इन्दर्शसह कटड़ा मोती राम, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैमा कि ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधो— हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त, स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, क्षे अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 वर्ग गज जो तिलक नगर, अमृतसर मे है जैसा सेल डीड स० 18453, तारीख 15 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर मे दर्ज है।

> मी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहर

प्ररूप आइ". टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर अमृतसर, दिनाक 14 नवम्बर 1983

निवेश स० ए० एस० आर०/83-84/226--अतः मुझे, सी० एम० काहलो, आई० आर० एस०

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) श्री हरविन्दर सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह, वासी मजीठा द्वारा : श्री केवल किशन पुत्र श्री मदन लाल, गली बदराग्री लोहगढ़ गेट, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पावती पत्नी श्री राम प्रकाग,' वासी कटड़ा मोती राम, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में भ्रीर कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के शिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्कत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासृ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितु है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट भी तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18497, दिनांक 16 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एम० काहनों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1983

मोहरः

## प्ररूप नार्द हो, एन, एच.-----

## भायकर भीधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के भूधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/227--अतः मुझे, सी० एस० करहलों, आई० आर० एस०

नायकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्निल में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण के हुई किसी बाय की वावत, उचतु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हर प्रताप सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह, वासी मजीठा द्वारा : श्री बलदेव राज पुत्र श्री मदन लाल अन्दरून लोहगढ़ गेट, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री महिन्दर सिंह, रामपुरी, कालका जी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर गं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी - जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना चाडी कडके प्यानिस सम्पोत्त के अर्चन के दिस्य कार्यनाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पृत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की ताडी हु र्स 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अस्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया चुवा हैं।

#### मनुस्ची

एक भूमि का प्लाट 21 वर्ग गज जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड मं० 18372, ता० 14 मार्च, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है। सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 14-11-1983

माहरू 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के मधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/228--अतः मुझे सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, समृतसर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रें वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त आधि-नियम के जभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बख्शीश सिंह पुत्र श्री आत्मा मिंह, वासी मजीठा द्वारा : श्री करम जीत सिंह पुत्र श्री सवरण सिंह, 409, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द स्वरूप जिंगारी पुत्न श्री राम गोपाल जिंगारी, 92-ए, लारेंस रोड, अमतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्रियण ६---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त क्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

एक भूमि का प्लाट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18603, तारीख 8 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 5-11-1983

मोहरु 🔞

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

## नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 5 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/229--अत: मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक भूमि है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाब इ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीरकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नही किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे स्पृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलियत व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री बख्शीण सिंह पुत श्री आत्मा सिंह, वासी मजीठा द्वारा . श्री करमजीत सिंह पुत्र श्री सवरण सिंह, 409, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम स्वरूप चष्टा पृत्र श्री राम लुभाया चड्डा, कटडा दूलो गली च्याह वाली, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैया ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहरूताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूर्च.

एक भूमि का प्लाट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18602, तारीख 18 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 5-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भागकर भाग्नत (निरक्षिण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनाक । नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83—84/230~~अत. मुझे, सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. स आधक हैं
और जिसकी सं भूमिका एक जाट हैं तथा जो गांव
गंडोरी वर्डेच, तहसील अमृतसर में स्थित हैं (श्रीर इससे
उपाव अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मार्च, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रुथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्यह
प्रतिश्वात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्युवश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी गांग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के पिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत :---- 6 ---376GI/83

(1) श्री कार्बुल सिंह, मलकियत सिंह, श्री मुरिन्दर सिंह, श्री वस्तावर सिंह, पुतान श्री मसा सिंह, गांव पड़ौरी वडैच, तहसील जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मैं० ओरिएण्टल प्रोमेसर्ज.2, पृलिस लाइन्स रोड.अमृतसर।

(अन्निरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(बहब्यक्ति,जिसके कारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ५--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### सत्तत्त्वी

रे भाग भूमि का प्लाट जो गांव पंडोरी वर्डेच, तहसील व जिला अमृतसर में स्थित है जैसा सेल डीड सं० 18786, तालिख 22 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> मी ० एम ० काहलों, आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 1-11-1983

प्ररूप आह. टी. एन. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्धना

#### भारत सरकार

कार्यां स्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक । नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर० | 83-84 | 231--श्रन मुझे, मी० एस० काहलों, आई० आर० एस० बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं० भूमि का एक प्लाट है तथा जो गांव पंडोरी बर्वेच, तहसील जमतसर में स्थित हैं (और इसरे उपाबद्ध

पंडोरी यहुँच, तहसील जमृतसर में स्थित है (और इसरे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983 को पूर्वेक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्सि का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अज्ञारण के लिए तथ पाया

गया प्रतिकत् निम्नसिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिकित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अन्तरण से हुं इंकिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्नियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, वक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियमें, कथाँत उ—-

(1) श्री काबुल सिंह, मलिकयत सिंह, श्री सुरिन्दर सिंह, श्री बख्तावर सिंह पुतान श्री मेंना सिंह, गांव पंडोरी वड़ैंघ, तहसील/जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ ओरिएण्टल प्रोमेसमं, 2, पुलिम लाइन्स रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैंसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) शौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्हनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ंको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए∍ कार्यवाहियां करता हुं।

चयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व वे** 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थों उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थों उस अध्याय में विशा गया है।

#### मन्स्ती

्रृ भाग भृमि का प्लाट जो गांव पंडोरी वहैंच, तहसील व जिला अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18787, ता० 22 मार्च, 1983 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, असृतसर में दर्ज है।

> सी॰ एस॰ काहलों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 1-11-1983

प्ररूप आहाँ, टी. एन्. एस. - -- -

**भायकर अभि**नियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 3 नवम्बर 1983

ि निदेश सं० ए० एस० आर० /83-84/232~-अत मुझे, सी०एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमतसर में स्थित हैं (और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

का पूर्विकत सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति- विक रूप से कथिस नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्न में कभी करने या उससं अचने में सुविधा के लिए, आदु/या
- (च) एसी किसी बाप या किसी उन या अन्य आरिसयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वाग प्रकट नहीं विद्या गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए कें अनुसरण भो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियो, अर्थात्:—— (1) ग्याम सुन्दर पुत्र श्री मदन लाल अन्दरून, लोहगढ़ गेट, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम देव पुत्र श्री सन्त राम, कुचा उपला, गुरु बाजार, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सब् 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह ध्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्णना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीत्र पृषाँकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वार, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यव्हीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

#### अनुस्ची

एक भृमि का प्लाट जो तिलक नगर, शिवाला भाइयों के पीछे अमृतसर में हैं जैसा सेल डोड सं० 18207 में दिनांक 9 मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

सी० एम० काहलों, आई० आर० एम० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

तारीख: 5-11-1983

मोहरः

प्रक्रम् कार्ड. टी. एन. एस्. -----` सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/233--अनः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन संश्रम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बद्द्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृद्द्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विशिष्ट में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् धु--- (1) श्री हरप्रताप सिंह पुत्र श्री हरबंग सिंह द्वारा : श्री बलदेव राज पुत्र श्री मदन लाल ; गली बदराओं, लोहगढ़, अमृतसर ।

(अन्तर्फ)

(2) श्रीमुकेश चन्द पुत्र श्रीरामलाल, कटड़ा धनइया, अमतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां गुरू करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबीध, जो की अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो रू. अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषि है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ि गया है।

## भनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा मेल डीड सं० 18634 में तारीख़ 18 माच, 1983 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> मी० एस० काहलों, आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकार। महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीखा : 3-11-1983

मोहर् :

## प्ररूप नार्द्ः टी. एन. एस. ------

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मान

#### सारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक ' 3 नवम्बर 1983

निवेश मं० ए० एस० आर०/83-84/234--अत. मुझे. सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी मं० एक भूमि का ण्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतमर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि संधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिसत से अधिक है बीर जंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पावा गया प्रति-फल निम्निवित उद्देश्य से उच्छ जंतरण स्वित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया पृथा है:—

- (क) जन्तरण के हुई किसी आन की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे नचने में सृविधा के लिए औड़/का
- (व) ऐसी फिसी आप या किसी भन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जामा चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री हर प्रताप सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह, ज्ञारा श्री बलदेव राज पुत्र श्री मदन लाल, गली बदराओं, लोहगढ़, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सकर लाल पुत श्री देवी दयाल, कटड़ा सफेद, .अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जमा ऊपर सं० 2 में कोई किराएंदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अबो-हम्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18635 में तारीख 18 मार्च, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> मी० एस० काहलों, आई० आरं० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-11-1983

मांहर:

प्रस्त आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आग्०/83-84/235—अनः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो गांव खेनी तह । बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूब्धि। कें लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग कं अमृसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें अर्थात्—: (1) श्री जगीर सिह पुत श्री अमर सिह, वासी चेनो, तहसील बटाला, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरनाम सिंह पुत श्री मुन्दर सिंह, वासी शोने, तहसील वटाला, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ओर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके वारे मे अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

स्यव्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक जायदाद जो शोने तहसील बटाला मे है जैसा सेल डीड सं० 6481 में तारीख 8 मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में दर्ज है ।

> सी० एस० काहलो, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख : 3-11-1983

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस. - - - ----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० ए० एस० आ२०/83~84/236~~अत: मुझे, मी० एम० काहलों, आई० आर० एस०

**क्षाय**कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी मं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमुप्तसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय, अमृतसर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख मार्च, 1983

का पूर्वीक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा केलिए:

अस् अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) महे अधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तिसयों, अर्थात्:---

(1) श्री गादी लाल पूत्र श्री सोहन लाल, वामी लोहगढ गेट. अमृत्सर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्दर सिंह पूर्व श्रीजीत सिंह. 558 ईस्ट मोहन नगर, अमतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी। जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पूत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीस 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विनु को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो निलक नगर, सर्कन नं० 110 अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 18637 में नारीख 18 मार्च, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> मी० एस० काहलों,आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमुससर

तारीख : 3-11-1983

मोहर 🗈

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतमर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1983 निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/237---अतः सुझे,

सी० एम० काहलों, आई० आए० एस० शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी मं० एक भूमि का ज्लाट है तथा जो तिलक नगर,

और जिसकी मं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, जाँद/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम था धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अध, उसत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) अटें अधीन, निम्नतिचिट स्थितियों, अर्थात् रे—- (1) श्री अगोक कुमार पुत श्री ओम प्रकाश, वामी कोट बाबा दीप सिंह, अमृतमण।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार पुत श्री राम प्रकाण, त्रामी बम्बे त्राला ख्ह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सस्पत्ति है)
- (4) और कोई।

(बहुष्यक्ति, जिनके बारे में अब्रोहस्ता— शरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के निए कार्यवाहियां, करता हैं।

## उक्त स्म्मिरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या ग्या है।

अनुसूची

एक भूमि का प्पाट जो तिलक नगर. अमृतसर में है जैसा सेल डीड सं० 18636 मे तारीख 18 मार्च, 1983 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> मी० एस० काहलीं, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख : 3-11-1983

प्रकृप पाई० हो । एन । ए० सं०---

प्रायकर प्रतिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रशीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

निदेश सं० आई०-2/37 ई०ई०/999/82-83--अतः मुझे, एस्० एच्० अब्यास अबिदी,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है); की बारा 269 का के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिन्त बाजार मूल्य 25;000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 4थी मंजिल, सी० एस० नं० 59, हिस्सा नं० 2 सी० टी० एस० नं० 1238, छन्नपती शिवाजी रोड, है तथा जो दहिसर (पू०) में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिनांक 22-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से इर्ष्ट किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भन: अब, उथत अभिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरभ भों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थाण :---7 3—376GI/83

- (1) मेसर्स एस० पी० कल्स्ट्रक्शन्स, बम्बई । (अन्तरक)
- (2) श्री कवयर जगजीवनदास राय (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी **आक्षेप ।**~~

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगी।

श्यवदीक्षरणाः चन्द्रयमें प्रयुक्त गांध्यों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याप 20 क में परिशाणित है, वही धर्व होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पज़ैट नं० 2, चौयी मंजिल, सी० एस० नं० 59, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० नं० 1238, छत्रपती शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-400 068 में स्थित ।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० आई०-2/938 और ज सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-3-1983 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> एम० एच० अब्बाम अबिदी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक : 9-11-1983

#### भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक आवकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज- , बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निवेश सं० आई० -1/37 ई० ई०/253/83-84-अतः मझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रु को अधिक हैं

ष्ठीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 51, 5वी मंजिल, न्यू शांग्रीला को० आपरेटिन हार्जीसग सोक्षायटी लिमिट ड,कोलावा रोड, बम्बई—400 005 में स्थित है तथा जो कोलावा रोड, बम्बई 400 005 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), विनांक 25—3—1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें. कें. अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) मिस रोशन फिरोझ मिस्स्री।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नुरूनेसा गुलाम हुसैन वेसी और श्री नौशव गुलाम हुसैन वेशी

(अन्नरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यांतरों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वदा किया जन्म क्यांत्र है या अथांहणाला के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

पलैट नं० 51, 5शीं मंजिल, न्यू शांग्रीला को०-आपरेटिव हाउपिंग सोसायटी लिमिटेड, कुलावा, बम्बई-400 005 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई०-1/23 882-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983 को रिजस्टर्ट किया गया है।

> आर० के० बकाया नक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 11-11-1983

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आथकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में जभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 सबम्बर, 1983 निवेश सं० आई० ~1/4873/83-84-—अतः मुझे, आर० कि० बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1390 और 1/1382 (लोअर परेल शिवीजन) और फायनल प्लाट नं. 488, 489, और 488 ए. (पार्ट) (टी. पी. एस-4 माहिम) है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), विनाक 19-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरण के भाए तय पाया गया प्रतिक का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत उक्त वीध-नियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

- (1) 1. श्राप्रताप सिंह फे० आशर।
  - 2. श्रीमती पुष्पावेन आए० आगर ।
  - 3. श्री महेश पी० आशर।
  - 4. सुधा महेश आशर।
  - 5. किरण पी० आशर।
  - 6. श्री हर्माके० आगर।
  - 7. कितन के० आगर।
  - 8. कुलोन पी० आशर।
  - 9. श्रोमती रतनबाई जी० आशर।
  - 10. रणजीत जी० आगर ।

(अग्तरक)

(2) मैसर्स ग्रमर बिल्डर्स एंड डेवलेपमेंट लिमिटेड ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा हैं।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं बम्बई-537/81 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> स्राप्तः के अकाया सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बाई

दिनांक : 11-11-1983

प्ररूप आई., टी., एत., एत.,-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन स्चना

#### भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेज-1, वस्बई बस्बई, विनांक 11 नवस्बर 1983

from the most stage of falanta

निवेग सं० आई०-1/37 ई० ई०/241/83-84-अत: मुझे, आर० कि० बकाया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 402 शिव इण्डस्ट्रियल ईस्टेट, परेल रोड, क्रांस लेन, मायखला, बम्बई 400013 है तथा जो यूनीट नं० 402, शिव इण्डस्ट्रीयल ईस्टेट परेल रोड क्रांस-लेन, मायखला अम्बई 400013 में स्थित है (और इससे उपाअक अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), दिनांक 17—3—1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा शुकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) मेसर्स आर० बी० एण्टरप्रयासेस, बम्बई । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स सी० एण्ड री० इण्टरनेशनन प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई ।

(अग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट सं० 402, शिव इंडस्ट्रीयल इस्टेट, परेल रोड, कास लेन, भायखला, बम्बई 400 013 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि क० ग्राई -1/235/82-/83- और जो बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी से दिनांक 17-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई ।

विनांक : 11-11-1983

मोह्यर :

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

(1) शाह एण्ड नहार एसोशिएटस्।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

(2) जय दस स्प्रिंग वर्कस ।

(अस्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 नवम्बर, 1983

निदेश सं० एक्बं:० रेंज-1/37 ई० ई०/245/83-84---अत: मुझे, आर० के० बकाया,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन भक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० यूनिट नं० 325-ए० है तथा जो उरी मजिल, नहार इण्डिएस्ट्रयल ईस्टेट शाह एण्ड लोअर परेल में स्थित हैं (और इससे उपावत अनुगूर्चा में और पूर्णक्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-3-1983 और जिसका करारनामा आगाइर अधिनियम, 1961 को धारा 260 क ख के अधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित बाजार मृत्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्वित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से विधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर धैने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सम, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :.— को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कुर्वन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्याक में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किये वा सकेंगे।

स्वष्ठिकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

यूनींट नं० 325-ए, 3री मंजिल, शाह एण्ड नहार इंडस्ट्रीयल इस्टेट, धनराज मिल कम्पाउंड, सिताशम जाधव मार्ग, लोजर परेल, बम्बई-400 013 में स्थित । अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० एक्टी ० रेंज,-1/226/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 17-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 14-11-83

प्रकप पाइँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निवेश सं० एक्बी० रेंज-1/37ई०ई०/230/ 83-84-अत: मुझे, आर० कि० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, है तथा तल मंजिल, गुलमग अपार्टमेंट, के० ढब्ल्यू० चिताले मार्ग, दावर, बम्बई—400 028, जो दावर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,दिनांक 7 मार्च, 1983, और जिसका करारनाम। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बुई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राचित के लिए प्राचित है। यह है जिर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिस (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अतः अब उका अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र-- (1) डा० किश्न एम० देसाइ

(अन्तरक)

(2) श्री विमलचन्द रामजमलजी और श्री पनीभाई राजमल जी ।

(अन्तरिती)

(3) डा० किरन एम० देसाई (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग सें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-, यही अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

हुकान नं० 3, तल मंजिल, गुलमर्ग अपार्टमेंट, के० डब्स्यू० नेताले रोड, बादर, बम्बई-400 028 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० -एक्वी०रेंज -1/184/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-3-1083 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, **बम्ब**ई

दिनांक : 11-11-1983

मोहर 🛭

### प्रकृष बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० एक्बी ०रेंज-1/37ई०ई०/221/83-84--अत: मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पल ट नं० सी०—12, है तथा जो अनन्त को०—आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 762, रजबअली पटेल रोड, बम्बई 400 026 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 16—3—1983 और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के स्रधीन अमबई स्थिल मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में, एमें रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिक रूप में अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .--

- (1) श्रीमती कमलेश किशीनचन्द माणीक । (अग्तरक)
- (2) एम० के० आप० फूड एक्सपोर्ट (प्रा०) लिमिटेट ।

(अन्तरिती)

(3) मदन अंबट । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्न में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकरो।

स्पध्दीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

#### अनुसूची

पलैट न० सी०−12, 12की० मंजिल अनःस को०—आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, डा० रजबअली पटल रोड, आफ वार्डन रोड, बम्बई 400 026 मैं स्थित ।

अनुसूची जैंसा कि अ० स० एक्वी०-1/209/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 16/3/1983 की रिज-स्टर्ड किया गया है ।

आप० के० वकाया सक्षम प्राधिकारी महागर आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई ।

दिनाक : 11-11-83

मोहर ′

प्रकप् भाइ. टी. एन. एस.-----

भारत अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सुधीन सुम्ता

भारत सुरुकार

## कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका) अर्जन रेज-1, बस्बई

सम्बद्ध, दिनांकः 11 नवम्बर 1983 निवेश सं० एक्वी--I/37ई०ई०/312/83--84---अतः मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1203, है तथा जो 12वीं मंजिल जौगानी अपारटमेंट इ्गरशी गली बम्बई 400 003 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 11—3—1983 और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ं——

- (क) अस्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रीमती सुनीता जगमोहन शाह

(अन्तरक)

(2) श्री मोहमद इलायास मोहमद इदरास आर श्री मोहमद तसीर मोहमद इदरास ।

(अन्तरितो)

फो यह स्चना जारी करके पूर्वों क्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पत्नैट नं ० 1203, 12 वीं मंजिल जोगानी अयारटमेंट खूंगरणी लेन बम्बई 400 006 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० एक्वी० रेजा/208/82-83 और सक्षम प्राधिकारी बग्वई ढारा दिनांक 11-3-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> आरं० के० बन्हाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज−1, बम्बई

दिनाक : 11-11-83

प्रस्प भार्: दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत रारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश मं० अ० ई० —1/37ई०ई०/169/83-84---अत: मुझे, आर० के० वकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'टक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है . कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलट नं० 85, "षाग्निना" कुलाबा, वम्बई400 005 में स्थित है तथा जो कुलाबा में स्थित है (और इसमे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णच्य से वणित है), दिनांक
2-3-1983 और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 को धारा 269 के ख के अधीन वम्बई स्थित रक्षिम
प्राधिकारों के कार्यान्य में रजिस्दी है

कर प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विषयास करने का कारण है कि सथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कथ से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा क लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूविधा के लिए;

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—376GJ/83

(1) श्रो श्रीकान्त वामुदेव नायक और श्रीमती शामा श्री नायक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीरा कालंजी।

(अन्नरिती)

(3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कररता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लैंट नं० 85, 8वी मंजिल कुलाबा पोस्ट आफिस के सामने, बम्बई-400 005 में स्थित है अनुसूची जैंगा कि ऋ० सं० अ० ई० -1/172/82-83 और जो पक्षत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 - 3 - 1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

श्रार० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊷ॉ, **बम्ब**ई

दिनांक: 9-11-83

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 11 नवम्बर 1983

निवण सं० अ०ई०-I/37 ई० ई०/257/83-84--अतः मुझे, आर० के० बकाया,

भायकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकन भ्रषिनियम' 'कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-ड• से प्रधिक है

और जिसकी सं अाफिस नं 404, ओम् चेंबर्स, है तथा जो बम्बई—36 केम्पस् कार्नर्सं, में स्थित । है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) विनांक 17—3—1983 और जिपका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अशोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के श्रिय बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घिक है और भ्रम्तरक (भ्रम्तरकों) और धन्तरिती। (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरक के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उच्त भन्तरक बिबित में वास्तविक अप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती राचेल रुझवा भातेना।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती नाझेर रूसी वाडीया और रतन जममेद बाटलीबाई ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि संस्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सेबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस्ता अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आफित प्रीमासेस नं०404, 4थी मंजिल, ओम् चेंबर्स, केम्पस् कार्नर्स, बम्बई 400036 में स्थित । अनुसूची जैस् कि क० स्० आई० -1/229/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-3-1983 को, रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 11--11-1983

-मोहरः

## स्त्रम् आर्<u>य</u>्टी<u>. एन्. एस्.</u>-===

# भारत श्रीभागितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई०-2/37 ई० ई0/831/82-83--आतःमुक्ते, एस० एच० अब्बास अबिदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्दें गृत्वात् जनत् वाधिनियम् कहा नवा ही), की बारा 269-क से वधीन सक्तन प्राप्तिकारों को यह विश्वात करने का कारल है कि स्वावर सम्बद्धि, विश्वका विषय वाधार मुख्य 25,000/-छ. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० ए०-4, "आषिश" बिस्डिंग दीक्षित जो विले बम्बई 400057 है तथा रोड. पार्ले (पू०) में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची मे और पूर्णरूप से वर्णित है) दिनाक 5-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिति (अतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नरमेश कुमार बोरमाणी।

(अन्तरक)

- (2) श्री शेखर शिलीष तलबलकर और श्रीमती पूर्णिमा शेंखर (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

का नह सुमना जारी करके पूर्वोक्त संपृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के वर्षन के स्मवन्थ में कोई भी नाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तस्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

पर्लंट नं० ए०-4, ''आषिण बिल्डिंग'', वीक्षित रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बस्बई 400 057 में स्थित । अनुसूची जैसा कि कि सं० आई०-2/786 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 5 मार्च, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई,

दिनांक: 11 नवम्बर, 1983

प्ररूप आहुँ, टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983 निर्देश सं० एक्यू० रेज-1/37 ई०ई०/200/83-84

अतः मुझे, भ्रार०के० बकाया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रैर जिसकी सं० यूनिट नं० 447, 4थीं मंजिल, बी बिल्डींग केवल इण्डस्ट्रीयल एस्टेट हैं, तथा जो फरगुसन रोड, परेल, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद, अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), दिनांक 7-3-1983 और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात उन्न (1) मे० केत्रल विलर्ड्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

**। (2) मे० बी० आई पानचाल एण्ड सन्स**।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ गोरा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

यूनिट नं० 447, 4थी मंजिल, बी० बिल्डिंग, केवल इण्ड-स्ट्रीयल एस्टेंट, फरगुसन रोड, परेल, बम्बई 400 013 में स्थित । अनुसूची जैसा कि के० सं० अ० इ०-1/83/82-83 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० कें० कााया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनाक : 11-11-1983

मोहरु 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाफ 11 नवम्बर 1983

निदेश मं० अई०-1/37 ई० ई०/196/83-84--अतः मुझे, अर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उकित वावार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक ही

और जिसकी संव आफिस प्रीयमायोस नंव 11. 9वी मजिल 'एस्वर्मी मेंटर', नरोमन पाइट, नम्बई—400 021 है तथा जो नारीदन पाइट में स्थत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्णका ज विकास है). दिनाल 2-3-1983 और जिसका करारनामा आयेकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अर्थान बम्बई स्थित पक्षम प्राधिक(रो के कार्यालय में रजिस्ही है

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़ हैं और मून्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफाल से, एसे उश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह, प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपान में सूजिना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेगर्स आर्टस मांड्यूल इण्टरनेणनल प्राइवेट निमिटेड, बम्बई।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स खेतन होल्डिंग्स कार्परिशन कलकत्ता । (अन्तरिसी)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तःसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इय सूचना के राजपत्र भे अजाशन की तारीख सं 45 दिन के शीतर उदन रथावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### वनसूची

आफिन प्रीमायमें। तं० 11, 9नी मंजिल, भ्रौर कार पाकिंग स्पेस तं० 28, एम्बर्ना सेटर, तरामन पाइंट, बम्बई 400 021 में स्थित है ।अनुसूची जैसा कि क०सं० अई०-1/180/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/3/1983 को रजिस्टई किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रोज–I, बम्बई

विनांक: 11-11-1983

प्ररूप बार्ड ्र टी., पुन., पुस्.-----

आयकपु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत् तृरुकार

कार्यालब, सङ्घायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 9 नवम्बर 1983

निवेश सं० अई-2/37 ई०ई०/1031/82-83-अत. मुझे, एस० एच० अब्बास अधिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए०-4, बिल्डिंग नं० 2, जुहू क्षेपार्टमेट्रस को०-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू रोड, जुहू बम्बई-400049 है तथा जो जुहू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), दिनांक 26-3-83 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मेंरि जस्ट्रीहै।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण कि सित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण से हुइ किसी आम की आमत, उक्त निधान के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्रीमती ऊर्स्ला फनडिंन

(अन्सरक)

(2) श्रीमती आएमा उर्फ एनी० रोबेलो ।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त संपत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० ए०/4, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 2, जुक् अपार्ट-मेंट्स को०-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, जुहू रोड, जुहू, बम्बई 400 049 में स्थित। अनुसूची जैसा कि फ्रे॰सं॰अ॰ ई०-2/964 और जो समक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 26-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई ।

विनांक : 9-11-83

मोहर् 🛚

#### प्ररूप आहे. टी. एम्. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अभीन स्वा

#### भारत सडकार

कार्थालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निवेश सं० ग्राई०-2/37ईई/988/82-83---अतः मुझे एस० एच० ग्राठवास प्रविदी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पेतित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 11, अजय शापिग सेंटर, लेडी हार्डिज रोड, बम्बई 400 016 में स्थित है तथा जो लेडी हार्डिग रोड में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), दिनांक 21-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्स संपित्स के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्स का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के हैनए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्नरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था स्त्रिपाने में सूविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम कीधारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ठाक्रदाम उधवदाम राजपाल ।

(अन्सरक)

(2) काकूभाई बी० शाह

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती ।(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत संपरित के गर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अधिवत ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

दुकान नं० 11, ग्राउंड फ्लोर, अजय शापिग सेंटर, लेडी हाडिंग रोड, बम्बई-400 016 में स्थित है। अनुसूची जमा कि ऋ० सं० अ० ई०-2/928 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21/3/1983 को रजिस्टर्ड किया है

एस० एव० म्रब्बास म्रबिदी
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक ' 9-11-1983 मोहर: प्रमम्प आह<sup>र</sup>.टी एन एस.------

लायकार कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की

## भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आयक्त (चिरीक्षण) अर्जन रोंज-1. वम्बर्ड तम्बर्ड, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्दोग सं० अ०ई० 1/37 ई०ई०/243/83-84--अनः मुझे, आर० के० बकाया.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० यूनिट नं० 401 है तथा जो णिव इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, परेल ऋास रोड लेन, भायखला, बम्बई -400 013 में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुस्वों में और पूर्णस्प से विणित

है), दिनाल 17-3-1983 और जिसका करारनामा। आयलर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; आर/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, ज़िन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने यो स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मेलर्म आर० बी० इण्टरप्रहमेस, बम्बई। (अन्तरक)
- (2) मेरासे सं1० एण्ड ए० इण्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, अस्वर्ध ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

यूनिट सं० 401, शित्र इण्डस्ट्रियल इस्टेट, परेल रोड, फ्राम लेन, भायखला, बम्बई-400~013 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अ०ई०-1/228/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 17-3-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनाक 11-11-1983

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983 निदेश सं० रेंज-अ०ई० 1/37 ई० ई०/195/83-84--अर्तः मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा से अधिक है

अ ीर जिस्की सं० फ्लैट नं० 8, 2रा माला, स्लिवर ग्रिल. को०आप० सोसायटी लि० 25-ए है तथा जो काशीनाथ डूव मार्ग, बम्बई-400 028 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णिन है), दिनाक 7-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अशोत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के इज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापबों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिकित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कलरक के दाणित्व के कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; बर्गर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1'922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का **27**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, सैं, अक्त अधिनिगम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात .--

9-376GI/83

(1) मै० मीनू ए० पराडीवाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० विष्णू मूर्ति सेठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (**ख) इस सूचना के राजपत्र में** प्रकाशन की तारील म 45 दिनै के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 8, 2रा माला, सिलवर ग्रिल प्रिमाइस को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० 25-ए०, कार्शानाथ डूव मार्ग, बम्बई-400 028 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-1/189/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई दिनांक 7-3-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाज : 11-11-83

मोहरु 😉

## प्रकप आई० टी० एत॰ एस० ' ' ' '

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 289-म(1) के ध्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक' 9 नवम्बर 1983

निदेण सं० अई-2/37 ई० ई०/826/82-83—अतः मुझे, एस० एच० अध्वास अविदी,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मून्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं ० पर्लैट नं ० 22, ग्रीन पार्क बिल्डिंग नं ० 3, ओर्लेंम. मालाड (प०), बम्बई है नथा जो ग्रोलेंम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), दिनांक 5-3-1983 और जिसका न रारनाभा आयवार अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सुविधा के लिए. और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अन्धर्ना जोसफ पट्टाठू।

(अन्यरक)

(2) श्रो फर्नीननंड जोसेफ डिसोझा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्सरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपक्त मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अम्सची

पनैट नं० 22, ग्रोन पार्क विलिंडग नं० 3, रिलीफ रोड, ओर्लिम मालाड (प०), बम्बई 400064 में स्थित । अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2/783 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1983 को रिजम्टर्ड किया गया है ।

> एम० एघ० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिना<del>वः</del> : 9-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

# जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आपुन्त (निरोभण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

निदेश सं० अई-2/37 ई० ई०/1020/82-83—अतः मृक्षे, एस० ए च० अब्बास अबिदीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2; ग्रीन पार्क की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ओलेम है तथा जो मालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विगत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 24-3-83

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कज के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री अन्यनी जोसेफ पट्टाठू।

(अन्तरक)

(2) श्री के० के० देवासी ।

(अन्तरिती)

- (3) अन्सरिती । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अझोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्या में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 2 प्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 3 ग्रीन पार्क को→ आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिकींग रोड बालेम, मालाड, बम्बई-400 064 में स्थित ।

अनुसूची जसा कि ऋ० सं० आई--2/957 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24--3-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एव० अब्बास अबिवी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 9-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भरित सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बन्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० आर॰II/3518/82-83—अतः मुझे, एस० एच० अञ्जास अबिदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्रापर्टी जिसका सी० एस० नं० ई०/798 और जो बिल्डिंग नं० 66, 67, 67-ए०, 67-बी० और 67-सी० के साथ है तथा जो 5वां रास्ता खार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-3-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मटुबेन सकरलाल शाह और श्रीमती नवलबेन बेचारदास मर्चेन्ट।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती संबीरा अकबर हुसेन अबदुरुला मिस्स्री । (अन्तरिती
- (3) अन्तरक और भाकृत । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरक और भाडून । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2212/81 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 15-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया वै ।

> एस० एच० अब्बास अबिवी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बेम्बई ।

दिमांक : 11-11-1983

प्रकृप आई.टी एन.एस.-----

## शाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० एक्वी ० रेंज-1/37 ई० ई०/218/83-84-- अतः मुझे, आर० के० वकाया

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 120। त ल मंजिल, शाह और नाहर इंडस्ट्रीयल एस्टेट, ए०-1, लोअर परेल, बम्बई 12 में स्थित (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धोरा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है

को पूर्वो कत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंति,रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या सससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा अनकर अधिनियम, ग्रा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृद्धि के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , जिम्निलिसित व्यक्तितयों, अधीत रू--- (1) में शाह और नाहार एगोश्येट्स

(अन्त रक)

(2) मे० ला डेकोरेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारींख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्यार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः——इसमं प्रयूक्त घट्वों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अपृस्ची

यूनिट नं० 120, 1 ला गाना, णाह और नाहार इंडस्टीयल इस्टेट ए०-1, लोअर परेल, वम्बई 400 012 में स्थित । अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० -अइ 51/191/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-3-83 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

विनांक : 11-11-1983

प्रकृष पार्द्धाः दी स्तः स<del>ुद्धाः ------</del>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निवेश सं० एक्बी० रेज-I/37 ई० ई०/346/83-84---अतः मझें, आर० के० बकाया,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- क अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिनकी संज्ञाल निर्णा निर्ण

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिचित उद्देश्य से अक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अरि/ग
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीग, निम्नुसिक्त व्यक्तियों, अर्थाद् ।— (1) श्रीमती संतोश फिरोज दलाल

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवीप सिंह दयास सिंह

(अन्तरिती)

(3) श्री फुलवीप सिंह दयालसिंह (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मं हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

पर्लैट नं 10, 3 रा माला, गाइड अपाएटमेंट, इम्पायर गाइड को आप हाउसिंग सोसायटी लि 16, नीपन मी रोड, बम्बई-400 006 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क० सं०-अइ-1/217/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांकः : 11-11-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।, बंबर्ष बंबर्र, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदोष सं. अर्ड-।/37र्ड र्ड/219/83-84—यतः मृक्ते, अगर. को. बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं यूनीट नं 317ए, 3री मंजील, शाह एन्ड नहार इन्डस्ट्रीयल इस्टेट ए-।, लोजर परेल, बम्बई 400013 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी नाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्ति दें को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. देसर्स शाह एण्ड नहार असोशीएट्स

(अन्तरक)

2. मंसर्स मांड क्रीएशन सु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिक्ति में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

यूनीट नं . 317ए, 3री मंजील, शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रीयल इस्टेंट, ए-1, लोजर परेल, अम्बर्ड 400013 में स्थित।

अनुसूची जैसा की क. सं. अ ई-। /190/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-3-1983 को रिसर्ट किया गया है।

आर. के. बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-१, बंदकी

तारीख : 11-11-1983

माहर:

'प्ररूप अव्द.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-।, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० अई/1/37 ई० ई०/232/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, शान्ती निकेतन, 2री मंजिल, 95-ए०, मरीन ड्राईव, बम्बई-400 002 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-3-1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अन्सरण ग्रें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती वसता एस० सोमाणी ।

(अन्तरक)

(2) डा० एम० क्यू० दलवी और मिसेस एस० दलनी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

पलैट नं० 15, शान्ती निकेतन, 2री मंजिल, 95-ए०, मरीन ड्राईन (नेताजी सुभाष रोड) बम्बई-400 002 में स्थित । अनुसूची जैसा कि क सं० अ० ई०-1/214/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० कै० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बम्बई ।

दिनांक: 11-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक्त आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, धम्बई सम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश सं० अई-2/37 ई० ई०/1054/82-83—अतः मुझ्, एस० एच० अब्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 17, जयकोटे म्बर नगर को०—आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 69, हाजी बापू रोड है तथा जो मालाड (पू०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूषों में और पूर्णक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28—3—1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य । त्या गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक हप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाग्रित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, मर्थात् :—
10—376GI/83

(1) श्री के० आर० हरीहरन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पाबेन रामजी जोशी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित र्ी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया :या है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 17, 4थी मंजिल, जय कोटेश्वर नगर को०-आप-रेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 69, हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई 400 064 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/982 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई खारा दिनांक 28-3-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० ए**च० अब्बास अबिदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज---2, बम्बई ।

दिनांक : 9-11-1983

प्रकृष खाई । टी । एन । एस । ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ई० -1/193/83-84--अतः मुझे, आर०ंके० बकाया

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 13, तीसरी मंजिल, इन्टर-प्राइजेज को० आपरेटिव हाऊसिंग सोनाइटी लिमिटेड, प्रभादेवी बम्बई-400025 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्याच्य, बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 मार्च, 1983 और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। को पूर्वोंकत सम्पत्ति के विवित्त गाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापाँकित मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन न, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि गिस्ति व्यक्तियां, अर्थात् :---

(1) मैसर्स नीना प्रिंटर्स, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री मती चन्द्रा के० मेहता और श्रीअरुणकुमारआर० मेहरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45.
  दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

यूनिट नं ं 13, तीसरी मंजिल, इन्टरप्राइसेंस को अापरेटिव सोसाइटी लिमिटेंड, प्रभा देवी, बम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अ० ई० 1/187/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० **बकाया** सक्षम प्राधिकारी सहूायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई**

तारीख: 11-11-1993

प्ररूप बाईं टी ु एन ु एस \_-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० एक वी० रेंज I/37 ईई०/240/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एम्बेसी सेन्टर 11वीं मंजिल, कमरा नं० 5; नरीमन पाईट, बम्बई-400021 है तथा जो और जिसका सं० करारनामा आयकर अधिनिमय, 1961 की धारा 269 कख के अधिन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूत से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, 17 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि--

(1) मैं० भण्डारी कास फिल्ड लि०,

(अन्तरक)

(2) मैं कांतिलाल मनीलाल शाह।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति र)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

कमरा नं० 5, 11वो माजिल, एम्बेली सेन्टर, नरीमन पाईट, बम्बई-400021 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम न० अई० -1/225/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 17 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी (गहायक आयकर आयुख्त) निरीक्षण अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-11-1983.

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1983

निवेश सं० अ० ६०-1/37 ६०६०/247/83-84---अत: मुझे, आर० के० बकाया

अपिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, ''गुलमर्ग अपार्टमेंट'' है तथा जो वादर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मार्च, 1983 और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) डा० किरण एस० देसाई।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुकन कुमारी देवराज धी और श्रीमती चेना कुमारी, श्रीनेण कुमारजी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पिभ है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उमत सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए गया है।

# वनस्थी

दुकान नं० 4, ग्राउण्ड पलोर, 'गुलमर्ग अपार्टमेंट, के० डब्ल्यू० चितले रोड, सादर, बम्बई-400028में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अ० ई०-1/220/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, इम्बई द्वारा दिनांक 28 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया भया है।

> आर० के० बकाया सक्षम पाधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त **√गिरीक्षण**) अर्जन रेंज−1, बम्बई

तारीख: 8-11-3 983

माहर 🥫

## प्ररूप बाइ., दी. एत. एव.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ई०/3/37 ई०ई०/851  $\sqrt{83-84}$ --अतः मुझे, विजय रजन

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 'सौरभ, बिल्डिंग जमीन के साथ है तथा जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 मार्च, 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयं में रिजस्ट्री है

बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मुफे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रनुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त बन्तरण

- (क) अन्तरण से हुदूं किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अर्थान कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधः के लिए; आर्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

कतः वयः, उक्त अभिनियम् की भारा 269-गं के वनुसर्थे में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घृकी उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, वर्णात् :--

- (1) श्री गोविन्द के० दर्यानी (मै० इण्डो सायगाव एजेंसीके प्रोपराइटर)। (अन्तरक)
- (2) अन्धेरी म्यूनिसिपल स्टाफ सौरभ को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०, (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वंभ में कोई बाक्सेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर प्रवेक्ति उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिस्स पया है।

## अनुसूची

'सौरभें बिल्डिंग और जमीन (प्लाट नं० 8, पुराना सर्थें नं० 121, सी० टी० एस० नं० 1176-पार्ट), के साथ वर्सीबा, अन्धेरी (पण्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स०अ० ई०-3/864/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 15-11-1983

मोहर 🔅

प्ररूप भार टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक शायकर शायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई सम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० अ० ६०-3/37६६०/853/82-83---अतः मुझे, ए० लक्षीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 3, हेम दर्शन, होम दर्शन कोआ, सोसाइटी लिमिटेड ई आफ डा० आर० पी० रोड, मुलुण्ड (पिश्चिम); बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 मार्च, 1983 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण निविक्त में वास्तिक रूप किथ्त नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों अपे जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

(1) श्रीमती सबलाबाई विसानजी तन्ना एण्ड श्री विनोद कुमार विसानजी ।

(अन्तरक)

(2) श्री लावजी नावजी छोटानी ।

कार्यवाहियां करता हुं।

(अन्तरिती)

(3) श्री लावजो नावजो छोटानी ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
को यह स्का जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी क्यिक्त दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकंरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

# अन्सूची

पलैट स० 3, हेम दर्णन, हेम दर्शन कोन्ना, सोसाइटी लिमिटेड आफडा० आर० पी०रोंड,मुलुण्ड (पश्चिम), बम्बई— 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अ० ई०~3/518/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 25 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 14-11-1983

प्ररूप आइ<sup>5</sup>. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निषेण सं० अ० ई०-III/37ईई०/809/82-83-अत:-मुझे, विजय रंजन

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके. पश्चात् 'खब्रस्य जिभिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रत. स आधक हैं
और जिसकी सं० दुकान नं० 4, तल माला सनी साइड, प्लाट नं०
255, चार बंगला, श्रोशीवारा, श्रंधेंरी (पिचम) बम्बई-58
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बांजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित और
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है। तारीख 16-3-83
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का
पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत्, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) मै० लोखण्डवाला डैबल्पमेट कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) श्री मोइम्मद जहीरुद्दीन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की स्वीभ, को भी सर्वीभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्वीक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवषुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, मही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## अम्स्ची

दुकान सं० 4, तल माला सनी, साइड, चार बंगला, ओगीवारा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कम सं० आई०-3/847/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 मार्च, 1983 में रजिस्टर किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 11-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्भन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निवेश सं० अ० ६०-3/37 ईई०/818/82-83--अतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 10, तल माला, सन स्पष्ट, प्लाट नं० 353, चार बगला, ओशीवारा है तथा जो अन्धेरी (पिष्ट्यम), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन 269 कला बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है। 14 मार्च, 1983

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निस्ति खित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

- (1) मैं० लोखण्डवाला इँवलपमेट कारपोरेशन।, (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सीमा आर० केशवानी और श्री राम केशवानी ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सची

दुका. नं० 10, तल माला, सन स्वेष्ट बिल्डिंग, प्लाट नं० 353, चार बंगला ओशीवारा, अन्धरी (पिक्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अ० ई०-3/84/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्भन रेज–3, बम्बई

तारीख : 14-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस ----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्भन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० अ० ई०-3/37 ईई०/817/82-83--अतः मझे, विजय रंजन

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का न्याण हैं कि स्थाप्तर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं दुकान नं 12, तल माला, सन स्वेष्ट, प्लाट नं 353, चार बंगला, ओशीवारा, अन्धेरी (पिश्चम) है तथा जो धम्बई—58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेविणत है), रिजस्ट्री ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज्स्ट्री हैं। तारीख निव मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास जरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का ज्वं प्रतिचात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतुरिती (अतरितियाँ) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया पूर्वी प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बीस्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जे अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात .--

- (1) मै० लोखण्डवाला इवलपमेंट कारपोरेशन । (अस्तरक)
- (2) श्रीमती कुलवन्त कौर। (अन्तरित**ी**)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

म्यास्टीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

दुक्तान नं० 12, तल माला, यन स्वेष्ट बिल्डिंग, प्लाट नं० 353, चार बंगला, ओशीवारा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई— 58 में स्थित है।

अनुमूची जैसािक ऋम म० अ० ई०-3/863/82-83 और जो सम्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 16 मार्च, 1983 को रिजस्टर किया गया है।

> विजय रंजन मक्षम प्राधिकारी महासक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख . 15-11-1983 मोहर प्रस्त्य आहे . ही . एन . एस . -----

**बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए० आर०-3/37 ईई/709/82-83-अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० औद्योगिक शेंड नं० 140 पहला माजला, शिव गर्कित औद्योगिक इस्टेट, मरोल विलेज, आफ अन्धेरी कुला रोड है तथा जो अन्धेरी, बम्बई—400059 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है। विनांक 7 मार्च, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिकल से, एसे रवयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किक रूप से किथान नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को ।।) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः गवः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मै० शिव शक्ति बिल्डर्स ।

(असरक)

(2) श्रीमती लीलावती बी० देशमखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :- 🎏 🚡

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त श्रोती हो, के भीतर प्वांक्यू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूतना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसा स्थावर समाति में हिसबढ़ किसीं अस्य स्थावित हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सबोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इंसमी प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिती ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## जन्सूची

औद्योगिक गोड नं० 140, फोज नं० 3, शिव शिक्त इण्डस्ट्रोंगल इस्टेट, मरोल विलेज, आफ अन्धेरी कुर्ला रोड, अन्धेरी, बम्बई--400059 ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-3/753/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 मार्च, 1983 को रिजस्टर किया गया है।

एम० एच० अब्बास अबिदी सन्नम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 1-11-1983

# प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० अई-3/37ईई/730/82-83--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबीदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किंद्रे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का ... ज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- र. स अधिक है शौर जिसकी सं० न्यू अभिवली कोआ० हाउसिंग सोसायटी लि० जी/61, 65ां माला, विरा देसाई रोड अंधेरी (पिश्चम) है तथा जो बम्बई- 58. में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिमका करारनाम। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालयों रजिस्ट्री है। तारोख 8-3-1983 जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान सितफल के लिए बन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विद्यास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार असे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार असे उसके द्वरयमान प्रतिफल का जिए तथा पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित उत्तरिक समित का स्थारण लिखित उत्तरिक समित का स्थारण लिखित उत्तरिक समित का स्थारण लिखित हैं बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कारावादिया रजनीकान्त जेठालाल (अन्तरक)
- (2) श्रीमति अमीर बानू नूर अली भमानी
- (3) श्रीमति अमीर बानू नूर अली भमानी (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### नन्स्ची

प्लैट नं० जी-61, न्यू अम्बिनली कोआ० हाउसिम सोसायटी लि०, बीरा देसाई रीड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि कि कि एक्यू -3/780/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 8-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

> एच० एस० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

तारीख: 14-11-1983

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ------

# बायुकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई. बंबई, दिनांक 15 नवम्बर 1983

ए आर-3/37ईई/641/82-83—अतः मुझे, विजय रंजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 1ला मजला, जूपिटर-1, आफ विलेज वरसवा अंधरी (प), बम्बई 400058. हैं तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्रो हैं। में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 3-3-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी वाय की वावत, उक्त किशिनियम के अधीन कर दोने के कन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैसर्स नेमानल इंटरप्राइजेश

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण कुमार बधवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसू**ची**

फ्लेट नं० 4, पहला मजला, जूपिटर-1, विलेज वरसवा; अंधेरी (प) बम्बई 400058 अनुमूचित जैसा कि क० सं० आई 3/712/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

> विजय रजन मक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, 4, बम्ब€~

नारीख: 15-11-1983

मोहरः.

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बबई.

बंबई, दिनाक 1 नवम्बर, 1983 निदेश स० ए आर-3/37 ईई/633/82-83--अत मझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० इडस्ट्रीयल मोड न० 265, शिवशक्ति इंडस्ट्रियल स्टेट मरोल विलेज, (अधेरी कुर्ला रोड) अंधेरी, बम्बई 400069 में स्थित है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रजिस्दी है। मे रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख 1-3-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया **गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण** लिखित में वास्तविक रूप से किशत नही किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी जाय की वावता, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सुविधा केलिए।

बत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ने, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात:--

- (1) मैसर्स शिवशक्ति बिस्डर्स, बम्बई। (अन्तरक)
- (2) फार्मा आफसेट, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धीव्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क्र) इस सुचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

# अनुसूची

इडस्ट्रियल शेंड न० 265, 2सरी मजिल, फेश न० ८, शिवशक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल विलेज (अंधेरी कुर्ला रोड), अंधेरी, बम्बई 400069 में स्थित।

अनुसुची जैसा कि ऋ० स० अई-3/694/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1/3/1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 1-11-1983

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिन'क 14 नवम्बर 1983

निदंश सं० अई--3/37ईई/776/83-84--अत: मुझे, एस० एच० अव्वास अबीदी

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० (पर्लैट नं० 22, 2सरी मंजिल, गौतम निवास कौ-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,

है तथा जो ग्रंधेरी (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचित में ग्रीर प्रां रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 14-3-1983 \*\*\* और जिसका करार-नामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रंथीन बम्बई स्थित समक्ष प्राधीकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अपिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वाच प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— श्री शबीर अली एच० विरजी।

(अंतरक)

(2) श्री मिर्जा अहमद जबद।

(प्रंत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है ।

### अनुसूची

क्लाट नं ० 22, 29री मंजिल, गौतम निवास कौ-आपरे० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेट, सात बंगला के पास, (पश्चिम), बम्बई 400058 मैं स्थित।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/817/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ास्० एच्० अब्बास अबीदी सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

तारीख:--14-11-1983

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (†) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 4. बम्बई बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983 निदेश सं० ए०आर०ई० 4/37ई०ई०~705/82—83—अतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० बी-10, 4था मजना, है तथा जो "मित्तल" सोसायटी, ग्रम्बोली जिलेज, अंग्रेरी (प) बम्बई 400058. में स्थित (और

इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है ), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कखा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, असके ख्रममान प्रतिफल से एसे ख्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिमिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में मिष्या के निए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री एस० बी० आई०, इप्लाईज मित्तल को० आप० हार्क्सिंग मोसायटी

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश णर्मा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कदुता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जम् की सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसूची

पलैट नं०-बी०10, चौथा मिलला, एस० बी० आई० इम्पलाइज "मिलल" को० आप० हार्ऊसिंग सोसायटी, सिसर रोड, अम्बोली बिलेज, अंधेरी (प), बम्बई 400048, अनुसूचित जैसा कि ऋ० सं० आई०-4/750/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 7-3-1983 को रिजस्टर किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4. बम्बर्ड

नारीख :-- 14-11-83

# प्रकप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांकै 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई०-137ईई/377/83-84--अतः मुझे

आर० के० बकाया

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्तम बाधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूस्य 25,000/- वषये से पश्चिक है
और जिसकी सं० आंफिस नं० 4-बी०/2, खौथी मजील, तथो जो
कोट चेंबर, 35, न्यू मरीन लाईन, बम्बई 400020 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
क्ष्म से अणित है ), और जिसका कारारनामा ग्रायकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में 28 मार्च 1883 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुद फिसी आय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/बा
- (च) एसा कसा बाय या कसा धन अन्य आस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या-जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया आना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बज, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमता विव्याबेन चंद्रकांत
  - (2) श्रीमती वेबीबन रमेशभाई और
  - (3) श्रीमती सुनन्दाधेन सनतकुमार

(अन्तरक)

 श्री प्रवीण चन्द्र आर० रायानी और श्रीमती। ज्योतस्ना पी रायानी।

(अन्तिरिती)

को यह मुखना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (आ) आस पूजना के राजगत में प्रजाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधी क्लानर के पास किखिल में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्**त्र्ची

ऑफिस न० 4बी--2, 4थी मंजील, कोर्ट चेंबरस्, 35 न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई 400020 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कम० सं० आई०-1/221/82-83 और बम्धई स्थित सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक 28-3-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर०के०वकाया सभम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 बस्बई

तारीख 11/11/83 मोहरू अ ग्रम० एच० अब्बास अविदी

प्रक्य भार्षः दी. एत. एस.,

# भायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीय स्वता

#### बारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,2, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1983 निदेश मॅ० आई०-2/3520/82-83--अतः मुझे,

बायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वीवर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 1277 (टीपीएस -4), माहीम बिल्डीग के साथ सी० एस० नं० 9182/11, है तथा जो माहीम डिबीजन बम्बई में स्थित हैं ( और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित हैं ),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक 17/3/83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्वदेश ते उच्त बन्तरण मिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वानत, उसत जिमितन के वर्षीय कर दोने के सम्बद्ध के दायित्व में कमी करने या उससे वसने में सृजिधः के जिल्हे सुदि/वा
- (ह) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना साहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—: 12—376 GI/83 (1) मैसर्स पंडित एन्ड कम्पनी अम्बई

(अन्तरकः)

(2) प्रभादेवी हिमगीरी को-आपरेटिव हाऊसिंग मोमाइटी लिभिटेड ।

(अन्नरिती)

(3) अन्तरिती के सदस्य । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है )

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उनत सम्परित के वर्षण के सम्बन्ध में खोड़ी भी बाधांप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंडे 45 दिन की जबधि या तरसंबंधी अमितरायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि को भी जबिंध नां में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर मंपरित में हिसबब्ध किसी अन्य स्थानत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनस्यी

अनूसूची जसा कि विलेख सं० बम्बई 2245/81 और जो उपरिजस्ट्री, बम्बई मं० द्वारा दिनांक 17/3/83 को रिजस्टर्ब किया गया है '

एम० एख० अञ्चाम अविदी
सङ्गाम प्राधिकारी
सङ्गायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 वं वई

तारीख :- 15-11-82 मोहर्ध भक्ष आई. टी. एम . एस . ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983 निदेश सं० आई० -3/37 ई० ई०/864/82-83---अतः मुझे, ए० लहीरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ष्रौर जिसकी स० युनिट न० 22, सी० विल्डिंग, तल माला घाटकीपर इडस्ट्रीयल इस्टेट, बम्बई -86 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में 25-3-83 रजिस्ट्री हैं।

को पूर्वोक्स संपरित के उभित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-र्नियम के अधीन भार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन जिम्मिलिका व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) गारनेट (एक्सपोर्ट) मैन फक्चरीग कं०

(अन्परक)

(2) कन्द्रोल इंडिया और श्रीमित शोना आई, गुरसहानी (अन्तरिनी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उत्वत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

युनिट नं० 22, मी बिन्डींग, तल माला, घाटकोपर इंडस्ट्रीयल इस्टेट, बम्बई 86 में स्थित।

अनुसूची जैसाकि कि ०मं आई०-3 /535/82-83 ओर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 25-3-83 को रजिस्टर किया गया है।

> ए० लहीरी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, बम्बई

दिनांक : 14<del>-</del>2-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

**नायकर अ**धिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्<u>च</u>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई, यदनाक 14 नवम्बर 1983 निदेश स० ए० आर०-3/2043 ई०ई/905:82-83---यत: मझे विजय रजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करचे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य और जिसकी सं० औद्योगिक शेड न० 205 दूसरा मजिल, शिव शिव बोर्गागक इस्टेट, मरोन विलेज, अधिरी (पूर्व) बम्बई 400051 में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं ) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अतिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं । में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 मार्च 1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्यों से उकत अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कुसूम एम० लोखंड बाला

(अन्तरक)

(2) श्री सूभाष वासनराव कदम

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का आहे उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

इंडस्ट्रीयल गाला नं० 205 ,दूसरा मंजिल, शिष्ठ शक्ति आंद्योगिक इस्टट मरॉल बिलेज, अंधेली (पूर्व), बस्बई 4000'51 अनुसूची जैसा कि ऋ०स० आई-3/843/82-83 औंर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/3/1983 को रजिस्टर किया गया है।

> (विजय रंजन) मझम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बस्बई

दिनांक :- 14-11-83 मोहर प्रस्य बाहाँ, टी. एन्, एस्.---

भामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 4 बम्बई बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1983 निर्दोश स० एं० आर०-3/37 ई० ई०/898/82-83--यत: मुझे, विजय रंजन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, 1ला म जिल, वरसवा रोड आफ 4 बगलो अधेरी (प) बम्बई 400058 है तथा जो अधेरी (प) में स्थित है ( और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से घणित है ) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है । में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख 25 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे जन्तरण के किए तय पावा गया प्रति-फब निकासित्याँ क्यू देव से अब जन्तरण सिष्टित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बस्तरण वे धुर्द किसी थाय की बाबत, उनक विधिनयम के नृथींन कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

बतः सब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को सभीन् मिस्नीलियित अमिक्तवों, जर्मात् ः— (1) मैसर्स नेशनल इंटरप्राइजेस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चतुर्गवरी हरिदास और श्री राजेंद्र हरिदास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (था) इस सूज्ना के राजपण में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वय्भ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के कृष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वाहै।

## जन्त्वी

फ्लैंट नं० 3 1ला मंजिल; जूपिटर -1, वरतवा कास रोड़, आफ 4 वंगलो अंधेरी (प) बम्बई 400048 अनुसूचित जैसा कि कर सं० आई-3/851/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 25/3/83 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जगरेज, 4 **बम्**द<sup>® ≦</sup>

तारीख :- 15-11-83 मोहर ⊔ प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 नवम्बर, 1983 निदेण सं० ए०आर० $-3/37/{$1/769/82}$ -83-अत: मुझे ए० लाहीरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट नं०7, 2रा माला, केसर बाग, है तथा जो मुलुण्ड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारतामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कखा के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 8-3-83 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त स्रीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत्:— श्रीमती लीना बी० डिसूजा

(अन्तरक)

2. श्री मान्ताराम आत्भाराम घाग

(अन्तरिती)

3. श्री णान्ताराम आत्माराम धाग

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकींगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 7, 2रा माला, श्रीजी अपार्टमेंट बिल्डिंग, मुक्षुण्ड (पूर्व) बम्बई—81 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ए०आर०-3/811/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-3-83 की रिजस्टर किया गया है।

ए० लाहीरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,भुवने<mark>ग्वर</mark>

नारोख: 14-11-83

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनाक 14 नवम्बर 1983

निदेण स० ए०आर०-3/37ईई/680/82-83--अत मुझे. ए० लाहीरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सच्या इडिस्ट्रियल माला, 111 के के ने गुप्ता इन्ड-स्ट्रीयल इस्टेट है तथा जो मृलुण्ड (पश्चिम) बस्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच) में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई और जिसका करारनामा आयव्यर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ब के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 3-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1 श्रीमती हेमलता कपूरचन्द शहा

2 मैसर्स वीसा प्लास्टिक इडस्ट्रीज

(अन्तरिती)

(न्अन्तरकः)

3 मैशर्स वासा प्लास्टिक इडस्ट्रोज

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा., अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुची

इडस्ट्रीयल माला, 114 के० के० गुप्ता इंडस्ट्रियल इस्टेट, अपी० जवाहर मिनेमा के सामने, मृलुण्ड (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि के० म० आई०-3/695/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 3-3-83 को रजिस्टर किया गया है।

ए० लाहीरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीखा : 14-11-83

श्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

शायक इ. मिध्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकार

# कार्यासय, बद्दायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1 सम्बर्ध

बम्बई, दिनाक । नवम्बर 1983

निदेश सं० ए०आव०/3/37ईई/710/82-83---यतः मुझे, एच० एस० अख्वास अबिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या औद्योगिक मोड नं० 59, तल मजला, शिव मिक्त औद्योगिक इस्टेट, मरोल विलेज, आफ : अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी, बम्बर्ड 400509 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन वस्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में दिनांक 7~12-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य, उत्तके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्कह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्धातः :--- । शिव शक्ति बिल्डर्स

(अन्तरक)

2 मैं मर्म भारतो एस० शाह

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा स्था है।

### अनुसूची

Industrial Shed No. 59, Shiv Shakti Industrial Fstate, of Marol Village off. Andhari Kurla Rd., Andhari, Bombuy-59, The agreement has been registered of the competent Authority under Serial No. AR-III/11 754/82-83 Dt. 7-5-1983.

एस० एच०अञ्चास आविदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, यम्बई

तारीख: 1-11-1983

मोहरः

प्रकष् बाह्यं, टी. एन., एस्.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के जभीन स्वना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनक रेंज—III, बंबई बंबई, दिनाक 1 नवम्बर 1983

निर्देश सँ० अई--3/856/82-83---यत मझे, ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी स० बुकान न० 1 लक्ष्मी निवास, झवेर रोड, मुलुण्ड, (पिण्चम) बम्बई-80 है तथा जो मुलुण्ड (प०) में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारोख 25-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिनितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देष्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुं इंकिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) सैसर्स अजय विल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री अनिरुद्ध प्रभाद दुवे

(अन्तरिती)

मे (3) अजय बिल्डर्म (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर्रके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वृजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हु वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अ्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे!

स्पव्यक्तिस्ण --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं० 1, लक्ष्मी निवास, झवेर रोड, मृल्ण्ड (पिश्चम) वस्त्रई-80 में स्थित। अनुसूची जैसािक ऋ० स० अई-3/855/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्त्रई द्वारा दिनाक 25-3-1983 को रिजम्बर किया गया है।

ए० लाहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख :---1-11-1983

मोहार 🖫

प्रकृष आहाँ. टी. एन. एस. -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 का (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज-3 बम्बई
बम्बई दिनांक 14 नवम्बर 1983
निर्देश सं० अई-3/37ईई/870/82-83--अत: मुझे,
ए० लहिरीं.

सायकर प्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रमाति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जियकी सं० फ्लैट नं० 3, 4 माला, धीरज अपार्टमेंट णान्ति भवन, जे० डी० रोड, मुलुण्ड (पण्चिम) बस्बई—80 है तथा जो बस्बई में स्थित है (और इसमे उपायद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रेक्ती अधिहारी के कार्यालय, बस्बई (और जिसका करारनामा आएकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकृत है।) में रिजस्ट्रीकृरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 25-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कार के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यभान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीन एसे अंतरण के नि.प् तेम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृिवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विधा जाना चाहिए या जिया में सुविधा है लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग अ अन्मरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--13---376 GI/83

- (1) श्री जे० डोसा ए प्रायसेस्, बम्बई । (अन्तरक)
- (2) प्राविणचद्र ढिह० माणेक, बम्बई। (अन्तरिती)
- (3) अन्सरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवा<sup>रि</sup>यों करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इररा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से
  45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

हाडदीकरण:--इनमें प्रमुक्त गब्दां स्रीर पदो का, ना उक्त स्रितियम के स्रधाय 20-क में यथा परिभाषित है वही स्रवं होगा, जी उस श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

पत्रैट नं० 3, 4 माला, धीरज अपार्टमेंट अनेक्स, णान्ति भवन, जे० डो० रोड, मुलुण्ड--7 (पश्चिम) बम्बई-80 में स्थित।

अनुमून। जैप। िह कि नं अई-3/844/82-83 और जो मजन प्राधिक री बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983 को एजिस्टर किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

तः(रीख:--14-11-1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस्. -----

स्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांकः 15 नवम्बर 1983 निर्देश सं० एआर 3/37ईई/808/82-83--अतः मझे, विजय रंजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 2रा मंजला, विलेज वरमवा, अंधेरी (प) बम्बई 400058. है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणक्ष है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है।) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख 16-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के उन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उक्षिय से उक्त अंतरण लिकित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---- (1) मैंसर्स नेणनल इन्टरप्राइजेस्,

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुहासिनी विकास केरकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्थ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

पलैंट नं० 1, 2रा मंजला, जूपिटर-2, वरसवा कास रोड, आफ 4 बंगलो रोड, अंधेरी (प) बम्बई 400058. अनुसूचित्र जैसा कि क्र० मं० आई3/852/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

नारीखः :---15--11--1983 मोहारः

# मुक्त बाह् ,टीं ,युव ,युव , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### राह्म बहुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1983 निदेश मं० अई-3/37ईई/811/82-83--अत: मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम शिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं अपेर जिसकी संव दुकान नंव 5. तल माला, मनस्वेष्ट, प्लाट नंव 353, चार बंगला, असीवारा, वरसोवा, अंधेरी (पिष्वम) बम्बई-58 है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, वम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का प्वांवित संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ((अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्त उद्वरेग से उचित अन्तरण निम्निलिश्त उद्वरेग से उचित अन्तरण निम्निलिश्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

का 16) के अधीन, तारीख 14-3-1983

- (क) अन्तरण संहुर्द कियी आग की वावत, उक्त अभिनिय्स के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृत्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

् अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैंसर्स लोखंदवाला ड्वेलपमेंट कारपोरेशन (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद इक्कबाल मोहम्मद हुसैन (अन्तरिती)
- (3) श्री मोहम्मद इकबाल मोहम्मद हुसैन (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस स्थाय में विया ग्या है।

## अनुसूची

दुकान नं० 5, तला माला, सनस्थेष्ट, प्लाट नं० 353, चार बंगला, ओमीबारा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित।

अनुसूची जैसाकि कर सं० अई० 3/846/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-83 को रजिस्टर किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधाका**ी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–बम्ब**र्ड**

तारी**ख**:---15-11-1983

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 14 नवम्बर 1983 निर्देण सं० ए आर 3/37ईई/950/82-83--अस : मुझे, विजय रंजन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 105, पहला मंजला, वरसवा कास रोड, आफ 1 बगलो रोड, अधरी (प) बम्बई 400058 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबट, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने मा सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयके त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं क अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के जुधीन निम्नुनिधित स्युक्तिमों, सूर्धात ह—

(1) मैंसर्स नेशनल इटरप्राईजेस,

(अन्सरक)

(2) श्री भ्रागस्टीयन गोम्स, श्रीमति अल्पना गोम्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्त में प्रकारन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सवधी न्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां,
- (स) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो लक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

पलैट न० 105, 1ला मजला, वरसवा फास रोड, आफ: 4 बंगलो रोड, अंधेरी (प) बम्बई 400058 अनुसूचित जैसािक फ्र० मं० आई 3/854/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार। दिनांक 25-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख:---14-11-1983 मोहर ३ प्ररूप आई . टी . एन् . एस . -----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश मं० अई-3/37ईई/810/82-83—यतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत सिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 14. तल माला, सनी साइड, प्लाट नं० 355 चार बंगला, ओमीवरा, अंधेरी (पिश्वम) बम्बई-58. है तथा जो बम्बई में प्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप ते विजित है), (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 14-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्मलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता शाहिए जा कियाने में सुविधा के लिए;

बतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अमृसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उपान् :--- (1) लोखंडवाला इवेलपमेंट कारपारेशत

(अन्तरक)

(2) श्रीमति एस० वाई० सकरवाला और श्री वाई० ए० सकरवाला

(अन्सरिती)

- (3) श्रीमित एस० बाई० सकरवाला और श्री वाई० ए० सकरवाला
  - (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

# को यह सूचना चारो करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अमृ**स्ची

दुरुत्त न० 14, तल मान्त्र, सनो साइड बिल्डिंग, प्लाट नं० 355, चार बंगला, ओशीवरा, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई— 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-3/849/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, बस्बई

तारीख :---14-11-1983

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

यम्बर्ह, दिनांक 14 नवम्बर 83

निर्वेश सं० ए आर-3/37ईई/870/82-83--यतः मुझे, ए० लाहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० तल माला, मदगुरु खड़े कर बाबा श्रमिक कोआ, हाउमिंग सोसायटी लि०, याई टेकरी के ओर, भाग्डूप, बम्बई-78 है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 10-3-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिकिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियित्व में कभी करने या उससे बुक्त में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों कों, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री चन्त्रशेखर श्रीधर चारतकर

(अन्सरक)

(2) श्री महादेव नारायण घाड़ी

(अन्तरिती)⊭

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 'इं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी-अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील चें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

तल माला, सदगुरु खोड़ेकर बाबा श्रमिक कोआ०, हाउसिग सोसायटी लि०, साई टैकदी के और, टैम्बी पादा रोड, भाण्डूप, बम्बई-78 में स्थित।

अनुसूची जैसाकि कि० स० अई-3/746/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 10-3-1983 को रिजस्टर किया गया है।

> ण्० लाहिङ्गी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Ш, बम्बई

तारीख:--14-11-1983 **मोहर**:

# प्रकृप बार्ड . टी., एन्., एस्., नन्यस्तरस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए म्रार-3/37ईई/713/82-83--यतः मुझे, चिजय रंजन

ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट तम माला, बिलेज अम्बोली ओर आफ सीसर रोड, अंधेरी (पिष्चम) बम्बई—58 है सथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धार 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयों में रिजस्ट्री है।) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख स्य-3-1983

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) वस्तु भिल्पा कोआः हाउसिंग सोसायटी लि०, (अन्तरक)
- (2) आर० बी० कार्नविंडे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितयों में से किसी स्थित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट सल माला, अम्बोली विलेज और, आफ सीसर रोड, अंधेरी (पिष्चम) बम्बई-58 में स्थित। अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-3/281/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1983 को रिजस्टर किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख:---14--11-1983 **मोहर**: प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरक्षिण)

कार्यालय, अर्जन रेंज-4 बम्बर्र बम्बर्र, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए.अ( $\simeq 3/3.7$$ ई/944/82-83--यतः : मुझे. विजय रंजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैंट नं० 5, 1ला मजला, वरमवा विलेज, अंधेरी (प) बम्बई 400058 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावज्ञ अनुमूची में और पूर्ण रूप ले विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई (और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है।) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1983

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नेशनल इंटरप्राइजेस,

(अन्थरक)

(2) श्री शरिफ मोहम्भद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्ति संपत्ति को अर्जन को निष् कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पदः विकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया मया है।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 5, 3रा मजला, जूपिटर-3, वरसवा कास रोड, आफ: 4 बगलो रोड, अंगेरी (प), बम्बई 400058. अनुसूचित जैसाकि क० सं० आई 3/853/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-3-1983 को रजिस्टर किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज-4 वस्बाई

तारीख --15-11-1983 मोहर:

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1983 निर्देश सं० एआर-3/37 ईई०/765/82-83---यतः मुझे,

ए० लाहीरी

'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जब्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रास्त्र से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, तल माला, मीरा एथाम, गौ एगाला रोड, है तथा जो मुलुण्ड (पिष्वम). बम्बई-80 में स्थित है (और इस ने उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण कृप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में और जिस न करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्षत्र के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यात्य में रिजिस्ट्री है। में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ख 8 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-भियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--14-376GI-83

(1) श्रीमती नवलबेन वी० नागडा और श्रीविशन टी० नागडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पोनौडा माधवन विजयन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुहान नं० 1, तल माला, मीरा श्याम, गौ शाला रोड, मुलुण्ड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/808/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8 मार्च, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लाहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारी**ख** : 14—11—1983

प्ररूप आर्ट टी एन. एस. - - - - -

अयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1352/ए सी० क्यू आर०-3/83-84--यतः मुझे, एस० के० चौधुरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है तथा भी नकीन कृष्णा घोसाल रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीमर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीसदाँनन्द सेन और दूसरे।

(अन्तरक)

(2) श्री अभय पद सातरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ हरेगा, जो उस अध्याय में <sup>१</sup>इथा गया ह<sup>3</sup>।

### अनुसूची

74, नवीन कृष्णा घोसाल रोड, कलकत्ता। 3 के० 6 छ० जिमना । दलील सं० 2350।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर :---

तारीख . 14-11-1983 मोहर . प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्भन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनाक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1353/एक्की'० आर०-3/83-84---अतः मुझे, एस० के० चौधरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कां कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 58-ए हैं तथा जो पद्म पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित्त हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय कललत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 16 मार्च. 1983

को प्यों नत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वीं नत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विश्यों से उच्य अन्तरण लिचित म वास्तविक रूप से कथित नृहीं किया गया है

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री अजित कुमार बोस और दूसरे।

(अन्तरक)

(2) श्री दार्स एण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **बन्**स्ची

58-ए, पद्म पुकुर रोड, कलकता । 9.73 कणे जमीन के साथ मर्कान । (1/6 षोयर)।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकता

तारी**ख** . 14-11-1983 गो**हर** 🛭 प्रस्प बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, विनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1354/एक्वी० आर०-3/83-84--अतः मुझे, एस० के० चौधरी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजिस्ट्रीक र्री अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में तारीख 16 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अंतरज निचित् में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविभा के लिए;

(1) श्री अमिता वासु और दूसरे।

(अन्तरक)

(2) मै० दार्स एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्राक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम के प्रश्नाय 20 के में परिमाधित है, बही भ्रम्य होगा, जो उस अञ्चाय में दिया

## भन्सूची

58-ए, पषा पुकुर रोड कलकत्ता । 9.73 कणै जमीन के साथ मकान । (1/6 शेयर)।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्भन रेंज--3, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

मोहर :

• अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1355/एक्की० आर०-3/83-84--अतः मुझे, एस० के० चौधरीः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 58-ए हैं तथा जो पद्य पुकुर रोड, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शांतिलता भौधरी।

(अन्तरक)

(2) मैं० दार्स एंड कम्पनी ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

58-ए, पथा पुकुर रोड कलकासा । 9.73 कणे जमीम के साथ मकान । (1/6 शेयर)।

> एस० के० चौधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

प्ररूप आहुर, दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश स० 1356/एक्बी० आर०-III/83—84——अत: मुझे, एस० के० चौध्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उच्चेश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 वर्ग 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण मों, गीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कार्शन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गौरी वोस ।

(अन्तरक)

(2) मैं० हर्ष एण्ड को०।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
  - (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपनत अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>4</sup>।

### **अन्**स्ची

58--ए, पद्म पुकुर रोड, कलकत्ता। 9.73 कणे जमीन के साथ मकान। (1/6 शेयर)।

> ए० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 14-11-1983

प्रकप बाई. टी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1357/एक्वी० आर०-III/83-84--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 19>> (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1-) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '---

(1) क्षी स्नेह वासू ।

(अन्तरक)

(2) मैं० हर्ष एण्ड का०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के.राजण्त्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ह<sup>4</sup>।

### अनुसूची

58-ए, पद्म पुकुर रोड; कलकत्ता । 9.73 कणे जमीन के साथ मकान । (1/6) शेयर )।

एस० के० चौधुरी, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 14-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकला, दिनांक 14 नवस्बर 1983

निर्देश सं० 1358/एक्बी० आर०-III/83-84--अत: मुझे, एस० के० चौध्री,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 58-ए है तथा जो पद्म पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बागत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विद्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियस क्षे अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती माया घोष।

(अन्तरक)

(2) मै० हर्ष एण्ड को०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

58-ए, परा पुकुर रोड, कलकत्ता । 9.73 कणे जमीन के साथ मकान । (1/6 शेयर) ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकला

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १——

तारीख: 14-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एम. ~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1348/एक्बी० आर०- /83-84--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा हैं269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 1-ए, प्लाट नं० 22 है तथा जो वालिगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

15-376 GI83

(1) दिल्ली रजिस्टर्ड स्टाक होल्डर्स (आयरन एण्ड स्टील) एसोरिगण्णन लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिमा सरकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त संपरित के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज सकोगे।

स्पच्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

प्लाट सं० 22, फर्स्ट फ्लोर । १ू-ए, वालिगंज, सरकुलर रोड, कलकत्ता । दलील सं० 2069

> एस० के० **चौधुरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 9-11-1983

प्ररूप लाई'. टी. एन. एस -----

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 1349/एक्बी० आर०-III/83-84--अतः मुझें, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1 सी, प्लाट सं० ई है तथा जो वालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व नें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसो किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय काउकार अधिनियम, 1922 (1922 को किसो को किसी के अधिनियम, या धनकार प्रीधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती लालो पुरी ग्रौर दूसरे।

(अन्तरक

(2) मद्रास परिवहन प्रा० लिमिटेंड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के ाप कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० ई, ग्राउण्ड क्लोर। ब्लाक ए। 1/सी, वालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता। दलील सं० 3253।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 9-11-1983

प्ररूप् बार्ड. टी. एन. एस.,- - - ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकला, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1350/एक्बी० आर०-3/83-84---अत. मुझे, "मुझे, एस० के० चौध्री

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी स० है तथा जो मौजा वासबोनी, स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अलीपुर मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख 1 मार्च, 1983

को पूर्वेक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास ंते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार भ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के निष्कु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धाग 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनिगम की धाग 269-घ की उपधाग (1)

**अभीन, १**नम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् '--

(1) विरेन्द्र चन्द्र चक्रवर्ती

(अन्तरक)

(2) श्री अजय कुमार सादा और दूसरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी बस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मौजा वाणब्रोनी । पी० एम० रिजेन्ट पार्ग । 9 कणे जमीन । दलील स० 1354 ।

> ्राज के० बौधरी सक्षम अधिकारी सहाय∵ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अगत रंग∸3, कवकत्ता

तारीख 10 11 1965 मोहर प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्रालय, सर्वायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1983

निदेश सं० 1351/एमवी० आर०—JII/83-84— अतः युझे, एस० के० चौधुरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33 है तथा जो झील रोड, फ तहता में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्राह्मपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 14 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्दर्थ में उस्त कन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्दर्थ में उस्त कन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्दर्थ में उस्त कन्तरण कि लिए तथ पाया करितिक क्ष

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- 'ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की वारा 209-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध का उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो आब् आयुस फाइजार रहमान और दूसरे ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमलेन्द्र दत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्य सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी, सबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेग।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स के बिधानयम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

33, झील रोड, कलकत्ता । 2 कणे जमीन के साथ मकान । (1/2 शोयर) ।

> एम० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)\* अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 10-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-<sup>I</sup>, कनकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० 77/83-84/एस० एल० 801/ आई० ए० मी० एक्बी० आर०-1/कलकत्ता--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 कां 16) के अधीन, तारीख 19 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त भी भीनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भिनेग भरियाना जाफ होसेन ।

(अन्तरक)

(2) मैं० राईच, ए० जी० कार्पेट्स प्राइवेट निमिटेड । एण्ड अदर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अन्स्पी

सम्पत्ति जो 19 मार्च, 1983 तारीख में डीड नं० 2803 अनुसार एस० आर० ए०, कलकत्ता के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीखा : 14—11—1983

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

.कलकत्ता, विनांक 14 नवम्बर 1983

निषेश सं० टी० आर० नं० 78/83-84/एस० एल०/ 802/आई० ए० सी० एक्बी० आर०-ा/फलकत्ता--अतः मुझे, एस० के० चौध्री

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकता में स्थित है), और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मार्च, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उत्तस्ते अवने में सृविभा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औ किए;

जत: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मिय जुबोईदा वाई एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

(2) मैं० राईच रा० नि० कार्पेटस प्रा० लि० एण्ड अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्त की 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के नीनर उना स्थानर नन्नति में हिन्ब इ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकतें।

स्परक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्यी

1 नं० रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता मे स्थित सम्पत्ति जो 19 भार्च, 1983 तारोख में एम० आए० ए०, कलकत्ता के दफ्तर में डीड न० 2804 के अनुसार रजिस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज $^{-I}$ , कलकत्ता

तारीख : 14--11-1983

प्ररूप आहां. टी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता ं

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निर्देश सं० टी० आर० 76/83-84/एस० एल० 803/आई० ए० सी० एक्वी० आर०-1/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चौध्री,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में व्याणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारीख 19 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स, अधिलियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायिक में कभी करने या उसमे बचने में मृथिधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री जफर हुसैन आबिद अली।

(अन्तरक)

(2) राईच रा० जि० कार्पेटंस प्राइवेट लिमिटेंड ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाँकत संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हैं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासीय:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, बो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यादा?
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से शब्द लिचित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

### अनुसुची

1 रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित सम्पत्ति जो डीड नं० 2802 अनुसार एस० आर० ए०, कलकत्ता के दफ्तर में तारीख 19 मार्च, 1983 में रिजस्टर्ड हुआ है।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकौरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 14-11-1983

मोहर .

प्ररूप पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

याधकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ध्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निर्देश स० टी० आर० 75/83-84/एस० एल० 804/ आई० ए० सी० एक्बी० आर०-I/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चौध्री

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए० कलकत्ता मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 19 मार्च, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधि-निषम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने वे नुविचा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धाय धारिसयों को जिन्हें भारतीय धायकर धिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिवित्यम, या धन-कर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विषे

ग्रतः श्रव, उनत ग्रधिनियम की भारा 269-ग के श्रनुसरण में,में, उनत ग्रधिनियम की भारा 269-घ की उपधारुा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री महम्मदत बकरी।

(अन्तरक)

·(2) राईच, रा० जि० कार्पेट्स प्राइवेट लि० एण्ड अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेंगे

स्यष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

सम्पत्ति जो एक नं० रिपन स्ट्रीट में अव-स्थित **है श्रीर** श्रीर डीड नं० 2801 अनुसार आर० एल० **कलकत्ता** के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ है ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 11-11-1983

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निदेश स० टी० आ२० 65/83-84/एस० एल० 805/ आई० ए० मी० एक्वी० आर०-1/कलकत्ता--अतः मुझे, एस० के० चौधरी

स्राय तर अधितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पर बात् 'उन पवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सजन गिधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर मंगित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० 52/3 है तथा विपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के 16) के अधीन, नारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नितिन्ति उन्त्य से उक्त प्रस्तरण निन्ति में वास्तविक का से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आर या किसी धन या मन्य भास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1924 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए।

(1) श्रीदुर्गदास कुचे।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रबर्तक ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की श्रवित्र या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्र, जो भी श्रवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर क्योंक्स अ्यक्तियों में किसी क्यकिन द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजगत में प्रकाशत की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिश्विम के शब्दाय 20-क में परिभावित हैं, वही शब्दें होगा, जो उन ग्राध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

52/3, बिपिन बिहारी गागुली स्ट्रीट, कलकृत्ता में अवस्थित 7 कक्षा 8 छटाक 17 वर्ग फीट जमीन पर तीन तल्ला मकान जो 21 मार्च, 1983 नारीख में डीड न० 2831 अनुसार रिजस्ट्रार, आफ एस्ट्रेन्स के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० केल चौधुरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 11-11-1983

मोहर

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर० 63/83-84/एम० एल० 806/ आई० ए० सी० /एक्बी० आर०-1/कलकत्ता--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परचार, 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 267 है तथा जो विपिन बिहारी गागृली स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च, 1983

को पूर्वा निर्मारित को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबद, उवत नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या बससे बचने में स्विधा खें सिए; बार/या
- (ख) होसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उपन अधिनियम की धारा 269- के अन्मरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269- की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीतारक नाथ धर एण्ड अदर्भ।

(अन्तरक)

(2) मिसेस अमिना सिद्धिक ।

(अन्तरिमी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए प्रार्थवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति वृताग अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सके थे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भन्सूची

267, विपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता में ध्रव स्थित सम्पत्ति जो डीड नं० 2912 अनुसार आर० ए० कलकत्ता, के दक्तर में 22-3-83 को रजिस्ट्री हुआ है।

> ्स० के० **घौधुरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, कलकत्ता

नारीखा : 14-11-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश मं० टी० आर० 67/83-84/एं ७० एल० 807/ आई० ए० मी०/एक्दी० आ२०-1/कलकेना--अतः मुझे, एस० के० चौध्री

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि'नयम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर संपरित जिल्ला उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 3 है तथा जो लाउडन रहीट, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से चिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रिजर्ट्स्विरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निलिस्त उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मै० पुर्बासा निर्माण उद्योग प्राइवेट लिमिटेंड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पन्ना देवी कजारिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

### मन्स्ची

3 नं० लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित प्लाट नं० 4ए, (जौंपा फ्लोर में) का अविभक्त 1/2 हिस्सा जो 31 मार्च, 1983 तारीख डीड नं० 3332 अनुसार एस० आर० ए०, कलकत्ता में रजिस्टर्ड हुआ है ।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−I, कलकत्ता

लक्ष: शंव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्क मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ं तारीख : 14-11**-198**3

# प्रकप् काइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

### (1) पुर्बासा निर्माण उद्योग प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी काजारिया।

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० टी० आर०नं० 68/83-84/एस०एन० 808/ अत: मुझे, एस० के० चौधुरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो साउर्दन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है थ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर क्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः अन्न, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नुलिखित व्यक्तियों, अभीत ६——

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हरेगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

3 लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है चौथा फ्लोर में प्लाट नं० 4-ए जिसका अविभक्त 1/2 हिस्सा जो डीड नं० 3333 अनुसार 31 मार्च, 1983 में आर० एस० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 14-11-1983

मोहर 🤞

त्ररूप आइं. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निदेश स० टी० आग० 66/83—84/एस० एन० 809/ आई ए० मी०/एक्वी० आग०—I/कलकत्ता—अत मुझे, एस० के० चौधुरी

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 73 ए श्रौर 73 बी है तथा जो थिएटर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आरु० ए० कलकत्ता में रिजम्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 21 मार्च, 1983

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० एल० चोपडा ।

(अन्तरक)

(2) मैं० यूनिवर्सल हेवी मेकेनिकल लिपिटग इन्टरप्राइजेज ।

(भ्रन्तरिती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

सम्पत्ति जो डीड न० 2833 अनुसार 21 मार्च, 1983 तारीख में आर०ए०, कलकत्ता के दफ्तरमें रिजिस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख 11-11-1983 मॉहर: प्रक्रम बाइं. टी. एन. एस.------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकना
कलकना, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निषंश स० टी० प्रारं 74/83-84/एस० एल०-810 कल०/ ए० सी० क्यू० प्रारं-1/प्राई०ए०सी०-अतः भुझे, एस० के० चौधुरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 06 बी है तथा जो दिलखुसा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जायुकी वायत, उक्त विधिनियम् के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हों व्यने में सुविधा के सिए; बॉट/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्सरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

अत अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती अनवर बीवी।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती पुषा जर्डन एलियास चोरास्या । (अन्तरिती)

को ग्रहसूबनाधारी करके पूर्वाक्त सम्माल के धर्मन के निए कार्यवा**हियां करता हूं**।

उत्तानव्यक्ति के प्रबंद के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षीय :→~

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की नारोज से 45 विन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन पूजना के राजपंत्र में प्रकानन की तारी ख में 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसदा फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्राहस्ता करी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

## मन्स्ची

96 बी दिलखुमा स्ट्रीट, करकना में श्रवस्थित है 3 कट्टा जमीन श्रीर स्केयर जो 21 मार्च, 1983 तारीख में एस० आर० ए०, कलकत्ता के दक्तर में डीड न० 2830 अनुसार रजिस्ट्री हुआ है ।

> एस० के० चौधुरी राक्षम प्राधिकारी सहायक आ**गक**र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-<sup>I</sup>, कलकत्ता

तारीख: 11-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत् स्रकार

कार्यालय, महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेण र्स० टी० आर० 84/83-84/एस० एल० 811/ आर्द० ए० सी०/ए०सी० क्यू० आर०-I/कलकत्ता--अतः मुझे, एस० के० चौधुरी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चल जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 4 जी है तथा जो लोक नाथ बोस गार्डेन, लेन कलकत्ता में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सियालदाह में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 मार्च, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति वह अचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह दिवसास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सुरेन्द्र नाथ कुन्डू एण्ड अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री गनेण चन्द्र राय।

(अन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त अध्यक्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त कर्नों और नवों का, जो उनका वीधीनयम, के अध्यान 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्वी

4 जी लोक नाथ बोस गार्डेन लेन, कलकत्ता में झवस्थित 2 कट्टा 7 छटौक 27 वर्ग फीट जमीन जो डीड नं० 48 अनुसार एस० आर० सियालदह में 2 मार्च, 1983 तारीख में रजिस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 14-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निदेश सं० ट्री० आर० 50/83-84/एस० एल० 812/ आई० ए० सी०/ए०सी० क्यू० आर०-I/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चौध्री,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 9 है तथा जो नवाब सिराजुल इस्लाम लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मार्च, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भेख महम्मद श्रोमार ।

(अन्तरक)

(2) श्री भेख मोहम्भद ।

(अन्तरिनीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

9 नवाब सिराजुल ईस्लाम लेन, कलकत्ता में प्रवस्थित 7 कट्टा 6 छटांक 34 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक गूँएक तल्ला ग्रौर आंशिक दो तल्ला मकान, जो 9 मार्च, 1983 नारीख में सब रिजस्ट्रार, आफ एसुरेस के दफ्तर में डीड नं० 2326 अनुसार रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-<sup>I</sup>, कलकत्ता

तारीख : 14-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निवेश सं० ए० सी० 65/एक्की० आर०—IV/कलकता/ 83-84—अतः मुझे, शंकर के० बनार्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 220/ए है तथा जो नस्करपाडा रोड, हायड़ा सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सृतिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जम, उमत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---- 17-376GI/83

(1) श्री कन्हैया लाल रत्वया, श्री जुगल किशोर शर्मा, श्री मूरज मल मातोलिया।

(अन्तरक)

(2) इउनिभासलि मेसिन लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए पा सकेंगे।

स्मक्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

जमीन⊸~68 कट्टा 8 छटाक 19 स्को० फीट जमोन के साथ मकान ।

पता--- लाट न० 1, 2, 12, 220-ए, नम्करपाडा रोड, थाना मालिपाचधड़ा, जिला हावडा । दलील स०--- 1983 जा 1770 ।

> णकर के० बनार्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-IV, कलकनाः

तारीख : 11-11-1983

प्रक्प बाई. टो. एस. एस. -----

# आयकर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन युवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

मलकस्रा, दिनांक 11 नवम्बर 1083

निदेश सं० ए० सी० 66/एक्वी० आर०—IV लकता/ 83—85—अतः मुझ, शंकर के० अनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 220-ए है तथा जो नस्करपाड़ा रोड, हावड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 मार्च 1983

की पूर्वीक्त सम्पति के उचित यात्रार मूल्य से कम के दृशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्यह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिविन में अस्तिक कर में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करनेया उससे अधने मे सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी बन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या भन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कन्हैया लाल रत्वया, श्री जुगल कियोर समी, श्री सूरज मल मानोलिया।

(अन्सरक)

(2) श्राएस० आर० झुनसुनवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन—32 कट्टा 9 छटाक 27 स्के॰ फीट के साथ मकान ।

पता— लाट सं० 8, 220-ए, नस्करपाड़ा रोड, थाना मालिपात्रघड़ा, जिला हाबडा ।

दलील सं०---1983 का 1772 :

शक्षण के० बनार्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आय∉र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज⊸JV, कलकत्ता

नारीख : 11-11-1983

### प्रकार आई. तो. एवं. एवं , -----

मायकर मिधिनयम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकता

. कलकता, दिनांक 15 नथम्बर 1983

निवेश सं० ए० सो० 68/एक्बो० आर०—IV /कलकस्ना 83—85—-अत: मृझे, शंक्र के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 19/4 है तथा जो शरत चन्द्र धर रोड, याना बड़ा नगर से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, कलकता से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, ताराख 5 मार्च, 1083

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह् प्रतिशत से अभिव है और अन्तरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितयारें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्दर्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरम् संदूरं किसी बाव की बाबतः, उक्त अभिनियम् को अभीत कर बने को अन्तरक की बासित्य में कसी करने या उससे वचने में स्विधा के तिए; बार्ट/बा
- (च) एसी किसी अथ या किसी भग या अन्य ब्रास्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 क्ये 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था छिपाने में क्षिका के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री घन खाम साहा।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुसूदन साहा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की उारीख सैं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अमुस्ची

जमीन--- 2 कट्ठा 9 छटाक 40 स्कं ० फीट जमीन के साथ मकान ।

पता---19/4, शरत चन्त्र धररोड, मौजा नवायपाड़ा, थाना बड़ा नगर, जिला 24-परगना ।

दलील सं०----1983 का 2160 ।

शंकर कें० अनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-IV, करक्**ताहै** 

सारीचा : 15-11-1083

नोहर

मुक्पु<sub>न</sub> नाइ<u>र्</u> डी<sub>ट</sub> एस्. एस. -----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कोच्चीन

कोचीन, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निदेश स० एल० सी० 671/83-84--अत मुझ, पी० जे० तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सर्धनुसुची के अनुसार है तथा जो तल घोरी में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची से श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री कर्ती अधिकारों के कार्यालय, तल घोरी से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1006 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- '(क)' अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या छत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कत्तः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है। (1) श्रीपी० एम० यूसुफ ।

(असरक)

(2) डा॰ सी॰ एम॰ राधा कृष्ण ।

(अन्तरिती)

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्ध किसी कन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पाका करणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवां का, जो उपता जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहीं कर्य द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनस्री

उप रिजस्ट्री कार्यालय, तलभेरी के दस्तावेज स० 461/83 में संलग्न अनुसूची के अनुसार तलभेरी म्युनिसिपल में सर्वे आर० एस० नं० 9, वार्ड 17, ठलाक 1 मे 10 सेंट भूमि ।

> पी० जे० तोमसङ्गृष्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एर्नाक्रसम

तारीच : 9—11-1983

माङ्कर ः

प्ररूप नार्च.टी.एन.एस. -------

कार्यक्षर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एनक्किलम कोचीम, दिनांक 9 नवम्बर 1983

निवेश सं० एल० सी० 672/83-84--अतः मुझे, पी० जे० तोमसक्ट्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो बाषूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से थणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोपाडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, सारीख 27 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयस के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जारू/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को पिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किका जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री मति तोमरग्रीर गौगम्भा

(अन्सरक)

(2) श्रीवी० बी० इट्टी।

(अम्सिरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---इसमें प्रवृक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

# नगृत्यी

उप रिजस्द्री कार्यालय, पांपाडी के वस्तावेण सं० 792/ बाषूर 83, में संलग्न अनुसूची के अनुसार विलेण में सर्वे सं० 38-1ए-7/3/182 में 29 1/2 सेन्ट भूमि और एक अपूर्ण मकान ।

> पी० जे० तोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अनीकुलम

तारीख: 9-11-1983

मोहर 🕆

प्ररूप आईौ् टी ु पुन ु पुस ु------

आयकर अभिर्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

एनिकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निवेश सं० एल० सी० 663/83-84-अतः मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पिड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किर्तावाय की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए—— (2) श्रीमनी कौशल्या।

(अन्सरकः)

(2) श्री कें अबूबेकर और तीन अदर्म। (अन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

लक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पंथ्वीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमसर्ची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टणडी, तारीख 28 मार्च, 1983 के इस्तावेजय मं० 329/83 के अनुसार गुरुवायूर टाऊनणिप में मंख्या 104/1 और 104/3 में 53.50 मेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरीज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मर्कान (इसमें 1/8 भाग )।

पीं० जे० तोसमकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

नारीख: **7**—11—1983

मोहर ः

प्ररूप आर्हे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (नि**रीक्रण**)

अर्जन रेंज, एनक्लिम एनीकूलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983 निदेश सं० एल० मी० 664/83-84--अत: मुझे, पी० जं० तोसमक्ट्री;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रज्पये से अधिक है

और जिसकी मं० अनुसुधी के अनुसार है रतया जो गुरुवायूर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टपडी में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मधि, 1983

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) कं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है":---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की शावत, मिधिनियम के मधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री कें ल्सी ल प्रकाश ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अबुबेक्कर एण्ड चौदह अदर्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के वर्षम् के हैंसप एतव्यकारा कार्यवाहियां कारता हो।

### उन्त सम्मत्ति के मर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि यातत्संबंधी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पष्टीक रुण्: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

उंप रजिस्ट्री कार्यालय कोट्टपडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के दस्सावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर टाऊनिशाप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टं/रोज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान (इसमें 1/8 भाग )।

> पी० जे० तोसमकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एनक्किलम

लारी**ख:** 7--11-1983

मोहर

प्रकप बाई । टी । एन । एक ---

# भायकर प्रधिनियमः 1981 (1981का 43) की बारा 289व (1) के संधीन सुचना

### शाह्य ब्रुकाट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

एनिकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निवेश सं० एल० सी० 665/83-83-अत. मुझे, पी० जे० तोमसकुटी

प्रायक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-४० से प्रधिक है

और जिसकी सं अनुसूचि के अनुसार है सथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, के कार्यालय, कोट्टपडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यकान प्रतिकल के लिए प्रश्तरित की गई है प्रौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकत से धक्षिक है घोर घन्तरक (घन्तरकों) घीर प्रश्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजित्ति उद्देश्य से उच्त प्रश्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजित्ति नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० सी० वासुदेव।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अधूबेक्कर एण्ड चौदह अदर्म।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किस् ी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे≀

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

### वन्त्र्यी

उप रिजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टपडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के वस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरूवायूर टाउन शिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरिज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान (इसमें 1/8 भाग )।

पी० जे० तोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारो सहायक अ।यकर आ।युक्तय (निरीक्षण अर्जन रेंज, एनक्रिलम

तारीख: 7-11-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एर्नाकुलम एर्नाकुलम,विनांक 7 नवम्बर 1983

निवेश सं० एल० सी० 666/83-84--अतः मुझे, पी० जे० तोमसक्टी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जित्तकी सं अपनुमूची के अनुसार है तथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचे में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टपड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपरित का उचित बाजार मृष्य उचके रुग्यमान प्रतिफल से, एमें रुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/म
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, गा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए बा, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कें ० सी० शशिघर।

(अन्तरक)

(2) श्रीके० अबूबेक्कर और चौदह अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिरित के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्ण्यतीकण्याः ----इसमाँ प्रयासत शन्दाँ और पदाँ का, को असत विधीनयम के बध्याय 20-क माँ परिभाषित इं. वहीं वर्ष होगा जो उस स्थ्याय माँ दिया गया है.।

# अमृस्ची

उपरिजस्ट्री कार्यालय, कोष्ट्रप्पडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर टाऊनिशप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरीड बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान (इसमें 1/8 भाग )।

पी० जे० तोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

तारीख : 7-11-1983

मोहर ः

प्रस्थ नाइ . टी. एन्. एस. ----

जावकर जीपनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जभीन सूचना

#### भारत सच्चार

कार्बालयं, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एर्नाकुलम

एर्नाकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० नं० 667/83~84~—अतः मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं अपनुसूची के अपनुसार है तथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों से कार्यालय, कोट्टपड़ी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्त-जिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जावा चाहिए था, छिवाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिविच व्यक्तिकों अर्थात् हिन्स (1) श्री के० मी० विनयराघव।

(अन्तरक)

(2) श्रीके० अबूबेक्कर और चौदह अदर्म।

(अन्तरिनी)

को यह स्वाम जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हु।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकादन को तारोक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना. की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादर;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूष किकी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रचक्क चिर्ण :--इसमें प्रयुक्त काक्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका पया है।

### अनुसूची

उन रिजस्ट्री कार्यानयं, कोट्टपडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर टाऊनिशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरिज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान (इसमें 1/8 भाग)।

पी० जे० तोमप्पकुट्टी सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एर्नाकुलम

तारोख : 7-11-1983

# प्रकार बार्ड , टी., एन., एत.------

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एर्नाकुलम

एर्नाकुलम, दिनाक 7 नवम्बर 1983

निदेश स० एल० सी० 668/83-84--अत मुझे, पा० जे० तोमसकुट्टी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ. से अधिक ही

और जिसकी म० अनुसूची के श्रनुसार है नथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) 'रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टपड़ी में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 30 मार्च 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आयुकी बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के वायित्व में कभी करने या उससे द्वने में नविवा के सिष्; बॉड/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

नत अव, उक्त अधिनियम की वारा 269-ण के जनुतरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को नथीन, निम्निनिस्त स्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कें ० सी० सुनिल।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अनूबेक्कर और भौदह अदर्स।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के निक् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, श्लो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

# ननुसुची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टपण्डी, तारीख 30 मार्च, 1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर टाऊनिशप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरिज बोर्डिंग एण्ड लोडज' मकान (इसमे 1/8 भाग)।

पी० जे० तोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एर्नाकुलम

विनांक : 7-11-83 मो**ड**र ए प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एनक्लिम

एनीकुलम, विनोक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० एल० सी० नं० 669/83-84-यतः मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचो में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोफर्ता अधिकारों के कार्यालय, कोट्टपड़ी में रजिस्ट्रोकर्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, सारोख 30 मार्च, 1983

को पृथेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के सिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय औं बाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; और√या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के सिए।

जतः सद, उक्त जभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित स्पिक्तियों, अर्थात् ;— (1) श्रो के ० सी० अनिल कुमार।

(अन्सरक)

(2) श्री कें अवूबेक्कर और चौदह अदर्स।

से (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्धि से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

उपरजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टप्पडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायूर टाउनिशिप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरीज बोडिंग एण्ड लोडस' मकान (इसमें 1/8 भाग )।

पी० जे० तोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, एर्नाकुलम

सारीख : 7-11-1983

# प्रकप् भाष्. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एर्नाकुलम एर्नाकुलम, दिनांक 7 नवम्बर 1983 निदेश सं० 670/83-84-यतः मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिस्की स० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो गुरुवायूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्टप्पडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1983

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) क्रम्तरण से हुन् किसी आय की बाबत उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वसने में सुविधा के सिए; ब्रोट्/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः कसः, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण मो, मी, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिकत व्यक्तियों, अभीव सन्द (1) श्री के० सी० प्यारेलाल के लिए श्री के० एस० चात्तुण्णि ।

(अन्तरक)

(2) श्रीके० अबूबेक्कर एण्ड चौदहअदर्स।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पृत्रों क्ल संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्त्रची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, कोट्टपडी, तारीख 30 मार्च, 1983 के दस्तावेज सं० 343/83 के अनुसार गुरुवायू टाउनिंगप में सं० 104/1 और 104/3 में 53.50 सेन्ट भूमि के साथ 'डबल स्टोरिज एण्ड बोडिंग लोडज' मकान (इतमें 1/8 भाग)।

पी० जे० तोमसकुट्टी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एनकुलम

तारीख: 7-11-1983

मोहर 🗄

प्रक्ष आहे, टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनिधम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 नवस्बर 1983

निदेश सं० आर० ए० सी०/307/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 35 है तथा जो चीमलायस्ली, वैभाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैभाग में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिंए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसदण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् क्ष-- (1) डा० अप्पाला नायडू, पिता श्री तात्तस्या, कोता जामीपुरम, वैझाग-16 ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेंकटेश्वरा को-आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी , आक्कय्या पालम, वैझाग-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बजर भूमि, विस्तीर्ण 0.97 एकड़, जीमालापुल्ली, वैझाग एस० नं० 35, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2997/83, रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी, वैझाग ।

> एम० जेगन मोहल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7--11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निर्देश स० आर० ए० मी० नं० 308/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 16-1-16 सीसी है तथा जो बैझाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैझाग में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1.) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स पैरामाउण्ट कन्स्ट्रक्शनस, घरर्न० 11-2-16, वैझाग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीवी० कृष्णा मोहन, तेलगांनां पेपर मिल्स, माहा रानीपेटा, वैझाग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्का सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी अधि पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

घर नं 0 16-1-16 सी ०सी ० वैझाग, विस्तीर्ण 1100 चौ ० फूट, रिजस्ट्री कृत विलेख नं 0 2821/83, रिजस्ट्री कृती अधिकारी, वझाग।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 7--11--1983 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 309/83-84-अतः ,मुझे एम० जेगन मोहन क्षायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भृल्य 25,000/- रत. से अधिक ह और जिसकी सं० 3-3-9 है तथा जो वैझाग में स्थित है (और इससेजपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1982 को एर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निस्तलियित उद्देश्य से उक्त पम्नरण सिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; अर्रि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)। के अधीन, निम्मलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री रधी सोमराजू पिता सेट श्री चिला अप्पाराव, वैझाग।

(अम्तरक)

(2) श्रीजी० शांति कुष्णा केयर आफ : श्रीलीला माहील, डाबा गार्डेन्स, वैज्ञाग ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से--45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्स्वी

इमार त घर नं० 3-3-9, वैझाग, विस्तीर्ण 634 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2437/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विभाग ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1983

## प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निर्देश स० आर० ए० सी० न० 310/83-84-अतः मुक्को, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25, ∩00/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 77/10 है तथा जो वेपागूटा, वैझाग में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबक, उक्त अधिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य श्राहित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाध्य-कर अधिनियम, शाध्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19—376G/1983

(1) श्री ऊ०लक्ष्मीपित राजू पिता श्री कृष्णम राजू गजपतीजगरम विजयानगरम ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० चीना आपाराव, दि गोपाल नाथन को० आपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी, ओपालपटनम, वझाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 1.50 एकड़, वेपागृंदा, एस० नं० 77/ 10 वैझाग. रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2280 2279/83, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी वैझाग।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 7-11-1983

प्रस्प मार्च .टी. एन. एस. ----=---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनाक: 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 311/83-84—, यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 54/260 है, जो राजूपालम आनकापल्ली, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णेख्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनकाल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उजिल बाबार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्व में कजी करने वा उदते वृषने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी थन या अल्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) में अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ह--- (1) श्री बीo यस० मुर्ती राजू, श्री के० सूर्यागोपालराजू, निडमवाड्डी, आनकापल्ली, वैझाग ।

(अन्तरक)

- (2) श्री जी० ह्वी० कृष्णा प्रसाद पिता साम्बंशवराव मैनेजिंग पार्टनर, मेसर्स, मेकफेमस्, वैझाग । (अन्तरिती)
- (3) (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शिक के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उत्कर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त काम्बाँ और पर्वों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 7-42, राजूपालम, एस० नं० 54/2, रजिस्ट्री-कृत विशेख नं० 786, 787/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाग ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 7-11-1983

मोहरु 🛭

प्ररूप आई. दी. एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्केक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक : 7 नवम्बर, 1983

निर्धम सं० 312/83-84-यतः मुझें, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० 444/1, है, जो कोथारेड्डी पालम गुंटूर स्थित है (प्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्थ से विणित्,है),

आर जिसका स० 144/1, ह. जा काथारहा पालम गुटूर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेंबरेलू में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पुन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वान्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री सी० एच० साम्बिशवराव श्रीर अन्य, पोनूर, गुंटूर जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० साम्बीरेड्डी पिता पीची रेड्डी, कौथारेड्डीपालम, तेनाली तालूक, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी इरटरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स् औ

घर नं० 4/56, राइस मील ग्रीर घर नं० 444/1, विस्तीणं 1.50 सेंटस् कोथारेड्डीपालम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 373/83, रजिस्ट्रीकृतौग्रधिकारी चेबरेलू।

एम० जेंगन मो हत सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अत. अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीत मिननिलिखित व्यक्तियों, अधीत् में—

दिमांक : 7-11-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक : 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 313/83-84-अत. भुझे, एम० जेगन मोहन, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27-5-15, है, जो गुंदूर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह भ्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एनेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिषाने में सृविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिसर्यों, अर्थातः :——

- (1) श्री पी० ह्वी० सुब्बाराव, चेरवा विलेज, बापटला, 2. डा० पी० नन्दकुमार, चेरवा बापटला, तालूक (अन्सरक)
- (2) श्री एम० राजेन्द्र प्रसाद पिता नागेस्वर राव 27-5-15, कन्नावारी थोटा, गूंटूर । (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्णनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्रत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर नं० 27-5-15, कन्नावारी थोटा, गुंटूर, दूसरा मजला, इमारत, विस्तीर्ण 101 1/3, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2291/5338/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटर ।

> एम० जेगन मे१हन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 7-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक . 7 नवम्बर, 1983

निर्देण सं० 314/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 608/1, है, जो जेनाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनाक मार्च, 1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी कर्तने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीप, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री जी० रामनय्या पिता सी० एव० वेंकय्या, जी० एस० विराभद्वाराव, पेनापाटू पो० ग्रो० तेनासी तालूक, जिला-गुटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० शेंकर राव पिता पेछ्छयथ्या, तेनाली ।

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) (वह व्यक्ति, जिस बारे में अश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसक्क हैं

को मह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेय :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

आर० सी० सी० दाबा, तेनाली, टी० एस० नं० 608/1, बिस्तीर्ण 363-2/3, ची० गज, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 659/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तेनाली ।

एम० जगन माहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983

मोहर 🛭

# प्रकर भाई। टी। एतः एसः---

# आयकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269व (1) के प्रवीत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निवेश सं० 315/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 131/2, है, जो गोरंटला स्रौर बेंनीगंड्ला गुंटूर स्थित है (स्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक : मार्च, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, एसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से प्रक्षि है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिली (भन्तरितियों) बीच ऐसे भन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में शस्तविश्व कर से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री पी० नारारेड्डी ग्रीर अन्य रेड्डीपालम, गुंदूर । (अन्सरक)
- (2) वि० गुटूर को०-आपरेटिय हांउस कंस्ट्रवशन सोसायटी, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारवाहियां करता हुं।

## उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किस्ती अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकाँगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उसत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वही प्रवं होगा, जो उस प्रक्ष्माय में दिय गया है।

# मन्स्ची

खुली जमीन, गोरंटला श्रौर नेगीगंडला, एस० नं० 131/2, 30/2, 38–एन० 31, विस्तीर्ण 1–12 एकड़, 5.54 एकड़, 5.54 एकड़, 4–12 एकड़, 4,1–48 एकड़, 1–26 एकड़, 0–54 एकड़, 1 एकड़, 0.50 एकड़, 0.55 एकड़, 1.90 एकड़, 0.95 एकड़, 1.99 एकड

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--

विनांक: 7-11-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ==--=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 316/83-84--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 275/ए०, है, जो पालकोल गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983.

कां पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया वया है ध्रे

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिन व्यक्तिनामें क्यार्टिक (1) श्री के० रमेशबाबू पिता शिगय्या, नलाकूंटा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० श्रीहारी बाबू और अन्य पिता तीरपतीरायडु। कालापारु, चीलाकालरीपेटा तालूक, गुंटूर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 0.23 एकड़, एस० नं० 275/ए०, पाला-कलूरी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1609/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी गुंटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 7-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैवरावाब, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश म० 317/83-84--यन मुझे, रम० जेगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रह से अधिक है

और जिसकी स० 216/1 है, जो गुटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और नपूर्ण स्प म बाँगत है), रिजस्ट्रीकरां अधिकारी के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983, को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निखित में जास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसी भागकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री सी० एच० गूरवय्या और अन्य रामजाकूटनम, गुटुर ।

(अन्तरक)

(3) श्रीमती एस० धनलक्ष्मी पति सुब्बाराव, पट्टाभीपूरम, गुटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हा तो :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अयिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी वे पास स्थिसत में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि विस्तीर्ण 1.67 एकष्ठ, घनर नं 0.216/1, गुंदूर, रिजस्ट्रीकृत विलेख न 0.2425/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी गुटूर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (महायक आयकर ग्रायुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक <sup>:</sup> 7–11–1983 <del>केट</del>

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### नारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद विनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेण सं० 318/83-84--यन: मुझे एम० जेगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं 0 496 है, जो, जो गोरंटला, गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम से विणत है), रिजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में, भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

- (क) धरतरण शहर किसी श्राय की बाबत धक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अस्तरक के दाधिस्य में कमी करने ९) उसरों बंधने में सुविधा के लिए; धीर/वा
  - हो। ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों
    को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
    (1922 का 11) या उकत अधिनियम या
    धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
    के प्रयोजनायं ग्रन्शरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
    प्रवा वा या फिया जाता आहिए वा कियाने में
    सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीन निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— 20—376 GI/83 (1) श्रो एस० वेंकटस्यामी पिता नरसाय्या, गारंटला, गुंटूर जिला और तालूका ।

(अन्तरक)

(2) श्रा सी० एव० राववय्या पिता चीना रामय्या, गोरन्टला गांव, गुंटूर तालूक और जिला। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी कुर्ज पूर्वीक्त स्पित्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और अवों का, जो अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

भूमि, त्रिस्तीर्ण 5.54 एकड़, एस० नं० 496, गोरंटला, रिजिल्ट्रोक्न विलेख नं० 2175/83, रिजिल्ट्रोकर्ती अधिकारी गुंट्र ।

> एम० जेमन मोहन सक्षय अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैवराबाद

दिनोक : 7-11-1983

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सं० 319/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहनः; शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपक सं 0 16/3ई 0, है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्णरूप से घणित है). रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक मार्च, 1983,

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमाम प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके शश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तारती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः शय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उण्धारा (1). के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती मखतृंबि पति लेट महमद कासीम साहीब भवानीपुरम, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) जी॰ आपाराव, दि० विजयवाड़ा आइरन ओर हार्डवेअर मर्चेन्टस, कमरसीयल काम्प्लेक्स, वेल्फरसोसायटी, स्टील प्लेस, समारागमचौक मेन बाजार., विजयवाड़ा⊶-520 001 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 0.50 एकड आर० एस० नं० 16/3ई.. विजयवाडा रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 2266/83, रिजस्ट्रकर्ना अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन मक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : •7-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सहकार

फार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 7 नवम्बर, 1983

निदेश म० 32/83-84—यत मुक्ते, एम जेगा माहन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स॰ 75 है, जो विजयबादा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विजयबादा में, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयबादा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्या कर पंपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में म्विधा के निए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती के ब्रुष्णा कुमारी पति के जैगवेश्वरा चौधरी घर नं ० ५-127, पाटामाटा, विश्वयवाड़ा -6 (अन्तरक)
- (2) श्री एन० टी॰ रामानुजागुप्ता पिता लेट एन० लक्ष्मी-नरसिम्ह्रम नं० 37/स्टेट बैक आफिसरर्स कालनो, बंक्षे सरकल, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सपित्त के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब अ 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्तिक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयन्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

भूमि , विस्तीर्ण 500 चौ० गज,नं० 75, विजयवाड़ा, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2367/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 7-11-83

अस्थः भाइति दी. एन । एस . - - - ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) में अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंसराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश स० 321/83-84—यतः मृझं, एम० जेगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एन० टी० एस० 89है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 156) के अधीन, दिनोक मार्च, 1983,

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन निम्नितिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वाइ ह्वी॰ एन॰ वि॰ कूटुंब राव और पुत्र, मेडूर ऊयूर तालूक, कृष्णा जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम॰ रिवन्द्रनाथ पिता नागभूशनम ब्राहीमीन स्ट्रीट, विजयवाङ्ग-1

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति र)
- (4) (वह व्यक्ति, सिजके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानतः र कि वह सम्पत्ति में तिबद्ध य) ।

को यह सूर्यना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के
  बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा त्रधाहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 396 चौ० गज, एन० टी० एस० नं० 89, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2432/83, 2404/ 83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विमांक : 7-11-1983

. श्रक्तम मार्च, टी. एस. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 322/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 11-13-420 है, जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983.

को पुर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयम्न प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फिल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत महीं किया गया है :—

- (क) जुलारण से हुई किसी जाय की बाबत अक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बच्चने मों सुविधा के सिए; अहि/भा
- (व) एसी किसी आयं या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिसमें, अर्थात् ु⊶ (1) श्री जी० रामाराव पिता सुजमन्यम, वस्त्रलता, विजयवाष्ट्रा

(अन्तरक)

(2) श्री के० ह्वी० साम्बशिवराव पिता आंजनेयूलू, पोटीस्वामी स्ट्रीट, विजयवाडा-1

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 4.5 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्राधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही पर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एम॰ टी॰ इमारत, डी॰ नं॰ 11-13-420, बिस्तीर्ण 46 षी॰ गज विजयबाड़ा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2414/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयबाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-1983

मोहरू 🛭

प्ररूप आई टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक : 7 नवम्बर, 1983

निदेण सं० 323/83-84-यतः सुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 455 है, जो धिजयवाड़ा स्थित में है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थीत्:—

- (1) श्री कें ० गगय्या इटीसी, लब्बीपेटा, विजयवाड़ा-10 (अन्तरक)
- (2) श्री बि॰ मधुसूदन रेड्डी, वेंकटेस्थरापुरम, विजयवाड़ा⊶10

(अर्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उनका अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया समाहै।

## मन्स्यी

खुली जमीन, एस० टी० एस०, 455, विस्तीर्ण 599-96 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2406/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 7-11-1983

प्रकप बाइ टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 324/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. मे अधिक है

और जिसकी सं 029-11-33, है, जो विजयवाड़ा स्थित में है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

- - (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; और/वा
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अल्ला चाहिए था छिपान में सुविभा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भे उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, क्षीत :---

(1) श्री जी० ह्वी० रमनन्मा पति हि हि। रामकृष्णाराव गोपराजू मंजन्द्राराव रोड, सूर्याराववेट, त्रिजयवाडा—2 ।

(बन्तरस्)

(2) श्री ए एम रमन ग्रोर सार्वाती, दासरागारी स्ट्रीट, सुयरावपेट, विजयवाडा-2 (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्पर्णि को अर्जन को सम्बन्ध मों काई भी जाक्षेप .---**

- (क) इस स्थान के राजपत्र में पकाशन की तारी के 45 दिन की अविध्या र सबधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध्य, को भी अविध्य ने समाप्त होती हो, के नीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, ब्रोडिक्स जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## भगुसूची

उपर का मजिल वाली इमारत टी० नं० 29-11-33 विस्तीर्ण 465 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2434/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राविदारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक 7--11--1983 मोहर: प्ररूपः बाई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवस्बर, 1983

निदेश सं० 325/83-84-पतः मुझे, ए म० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० 11-416, है, जो गुनदला विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक मार्च, 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई कि की आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे स्वाने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के जिए।

अत. अ. जन्त अधिनियम की भाग 269-ग के, अनुसरण में, मैं, अक्स अधिनियम की भाग 269-ग की उपभाश (1) के अधीन, निस्तिष्कित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जे॰ रामराव पिता वेंकटश्वर राव, गुटूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ नीरुमलाराव पिता सूर्यप्रकाशराव, टैक्नीकलनगर, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भून्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयन के अध्याय 20-क में परिभावित है वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

इमारत नं० 11-416, विस्तीर्ण 311 बीग ज० रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 1801/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, हैक्साबाद

विनांग : 7-11-1983

प्रस्प काई टी.एन.एक ------

भायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 326/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ै 23/117, है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मार्च 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का काश्ण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल को बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में बास्तिवक कण से किया नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्तसे अवने में सृतिधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 21—376GI/83

(1) श्री एम॰ ए॰ ह्वि॰ एम॰ कु॰णाराव पिता श्री राममुन्दरा राव,

विजयवाद्याः ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती एन० धनलक्ष्मी पति चलपतीराव, गुंटूरवारी स्ट्रीट, विजयवाड़ा—1

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित् के अर्थन के सम्बन्ध में कांक्रे भी जाक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्संम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की शामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दमसात, डीड० नं० 23/117, विजयवाडा, विस्तीर्ण 218 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विसूख नं० 1924/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 7-11-83

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

वासभर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुवना

#### भारत तरकार

कार्योलय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1983

निवेश सं० 327/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 454 और 455 है, जो त्रिजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयववाडा में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त मिम्नीसित अद्देश्य से अक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्म से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) बलारण से हुई जि़सी बाद की बाबत अवत बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

कतः बुब, उन्त विधितियम की धारा 269-ग के, बनुसूरण कें, में, उन्त विधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वृधीन, तिमनिवृद्धिय व्यक्तियों, वर्षातः 4---

(1) श्री के० वेकटेस्वर राव और अन्य मोमावरपू<sup>पाडू</sup>. भीमडोले, वेस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाइ० पूलय्यालिंगम पिता लेट बिरन्ता, केयर आफ मेसर्स श्री विद्यानाथा वस्त्रालयम, मेन रोड, विजयवाड़ा-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों थत सम्परित के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिक की वविधि, को भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हिंत⇒ नद्भ किसी अन्य न्यक्ति ब्वारा अधोहस्थाक्षरी कें पास जिल्लित में किए जा सकीं।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, को जन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

### मनुस्ची

भूमि, विस्तीर्ण 782 चौ० गज, एस० बि० एस० नं० 454 और 455, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विसूख नं० 2287/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-11-83

मोहर 🛭

प्ररूप आर्च : टी. एन : एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

हैवराबाव, दिनांक 7 नवम्बर 1983

निदेश सठ० 328/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं अार एस न न 483 है तथा जो नयुझ विड, कृष्णा जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,, न्यूझ विड, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राज मेका किशोर आपाराव पिता रामचन्द्र आपाराव चीलकोटी गार्ड नस्, बेगमपेटा, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जी० आनूसुयादेवी पति लक्ष्मीनारायण, वाटरदुंक रोड, खम्मम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगी जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## वगुसर्वा

भूमि विस्तीर्ण 30 एकड़, आर० एस० नं० 483, न्यूझ विड, कृष्णा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 612/83, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वयू झीरीया।

एम० जेगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एट. एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 265 पर (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1983

निदेश सं० 329/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमें कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो पडमाटा गांव, विजयवाड़ा है स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, ज़िन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती के० वेंकटा लक्ष्मी पिता श्री हानूमंतकुमार पडपाटा विजयवांडा ।

(अन्तरक)

(2) रामकुमार को०-आपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी, प्रेसीडेंट, श्री बि॰ रंगय्या, पिता सुब्य्या, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्या है।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 0.50 एकड़, पडमाटागांव, विजयवाड़ा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2258/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकद्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1983

मोहर 🖁

# प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 3 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 330/83-84-- ग्रंत मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह रिष्ट्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अभिक है

और जिसकी सं० भूमि 85 है, जो कोश्मामीडी गांव, बेस्ट गोदा-वरी जिला स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निदाडा-ओले मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है एक्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री पी० सत्यनारायण और अन्य पिता सुब्बारायडू, कोरुमामीडी, वेस्टगोदावरी जिला ।

(अन्तरक)

- (2) श्री ए॰ ह्वी॰ ह्वी॰ सत्यनारायण पिता बूली आडबाइ, पीडीपारु, तन्कू ताल्कू, जिला वेस्ट गोदावरी। (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्याँधत सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (खं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पत्त किरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनसर्ची

भूमि विस्तीर्ण 336 चौ० गज और 336 चौ० गज कोरु-मामीडी गांव, वेस्ट गोवावरी, जिला-रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 672 और 673/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निवाजाओले ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद,

**तारीख**: 3-11-1983

मोहर 🖟

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.,-----

# ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1983

निद्देण सं० 331/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 99 है, जो चीलकालरी पेंटा चील-कालरीपेटा, म्यूनिसपलटी स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिल- कालुरीपेटा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के अधीन, दिनांक मार्च, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उसत अन्तरण लिखित क्ष्यें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरफ के दायिस्य में इसी करने वा सससे बचने हैं मुविधा के लिए, और/या
- (ब्र) ऐसी किसी श्रीय या किसी धन या श्रम्य मास्सियों की, जिन्हें मारतीय ग्रानकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धनकर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए वा खियाने में सुविधा के लिए;

जक्षः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनसरक मो, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  (1) श्री के० लक्ष्ममय्या और अन्य पिता वेंकटाबापय्या, बिजीनेस, चीलकालरीपेटा (पी० ओ०)
 जिला—गुंट्र ।

(अन्तरक)

(2) श्रो इ० एस० जोन डेविड पिता ग्रिश्रयल डायरेक्टर, ए० एम० जी० इंडिया इण्टरनेशनल, चीलकालरीपेटा, जिला—-गुंटुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कें लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की नारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां किता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्ध्यां जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बंजर भूमि, विस्तीणं 5.50 एकड़, और 26.620 चौ० गज, 5थ ब्लौक एस० नं० 99 चीलकानरी पेटा स्यूसिपिलिटी रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 280/83, 294, 293, 278, 300 299, 296/83, रिजिस्ट्रीकृती श्रिधकारी चीलकालीरीपेटा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक ६ 5-11-1983 मोहरु ब प्ररूप बाइ . टो. एत . एस .----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 332/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 679 है, जो माधवपुरम गांव कड़ीकूर तालुक प्रकाशम जिला स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कंडकूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रावि चीला कोंडय्या और अन्य 3, पिता रामय्या कटूकैंक टाउन, जिला—प्रकाशम ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटसुब्बय्या पिता सुब्बय्या, प्रेसीडेंट, दि० केंडूकूरु नान गजेटेड गवर्नमेंट आफिसर्स को०— आपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी लि० कंडुकूरु, जिला—प्रकाशम ।

(अन्तरिती)

को यह सुम्रना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (इ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि, एस० नं० 679, माधनपुरम, गांव कूडूकूर तालुक, जिला प्रकाशर्ट विस्तीणं 4 एकड़ रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 121, 122 और 123/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कडूकूर ।

एम० जेगन मोहन ्रसक्षय अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-11-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1.961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 617/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो तिलक रोड, हैंदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपस विभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धून या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में मृतिथा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की रपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्ष्मो बाई पति मदनलाल आगरवाल 4-1-10/बि॰/9/1, तिलक रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री किशनजी साद और अन्य दो, 4-1-10/बि $\circ/9/1$ , तिलक रोड, हैदराबाद । य

(अन्तरितीः)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्रैट घर नं० 4-1-10/बि०/9/1, तिलक रोड, हैदराबाद, विस्तीणं 3800चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1145/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबा**ध** 

दिनांक : 11-11-1983

मोहर 🚜

प्ररूप आई.टी.एन.एस. \_-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० 618/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा, 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25;000/-रु. से अधिक हैं

बीर जिसकी सं । घर है, जो हीमायतनगर हैदराबाद स्थित है (बीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922-(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 (1) श्रो एम० वेत्नोत त राय तत तोट एम० विरा स्वामी नायट्
 3-6-736/737, हिपालागर, हैदरजाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रा एन० जैगन मोहन राय िना एग० वेंकटराव, एडवोकेट, निरमल, अदिन्याद जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवल रोम्पान के अजन के जिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संवंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या निस्त्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी प्रिक्त तथा।
- (ख) इस सूचना के राजधान ने पहादान की तारीख से 45 दिन के भीतर उर्केट स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए हा सर्कारी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त राजों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम, के शध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा नो उप अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति, नं० 3-6-786 से 727, हि गानुर, हैदराबाद, विस्तीणं 606 चौ० गत्र और  $777^{-1}$  1000 चौ० फुट, रिजस्ट्रोइत बिलेश नं०  $1920^{6}83$ , िन्दे जी अधिकारो, रदराबाद ।

ग्यः जेगन **मोहन** निमम अधिका**री** सहायाका सामा अपूरा (निरी**क्षण)** अर्था रेज, **हैदराबाद ।** 

दिनांक: 11-11-1983

मोहूर 🕹

## प्रकृष आहें.टी. एम. एस. --------

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० 619/83-84--यतः मुझे,ए म० जेगन मोहन, नायकर गिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० भूमि है, जो वार्गालगमपल्ली, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपालद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कस निम्नलिखित उद्देश्य स उसन अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्त कस निम्नलिखित उद्देश्य स उसन अन्तरण कि कि से वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यं, जिन्हों भारतीय आय-का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया त्या था ए किया आना साहिए था, कियाने में स्विधा के निए,

कतः अभ, उनत जीभीनयम की भाग 269-म के अनुसरक मो, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्मित त्यितिसयो, अर्थास् —— (1) श्रीमती अहमदूनिमा बेगम पति लेट फड़ज अहमद खान 4-1-6, रामकोट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) बालाजी भाग्यनगर को० आपरेटिह हाउसिंग सोसायटी लि० बाइ श्री डी० सुरेन्द्र राव, न्यू० एम० एल० ए० क्वाटर्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्राकित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अन्**स्ची

खुली जमीत, त्रिस्तीर्ग 500 बी० गज, बाग लिगम पल्ली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1808/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारोः सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

विनाक : 1-11-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस् ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 11 नवस्वर 1983

निर्देश सं० 620/83-84--यत. मुझें, एम० जेगन मोहन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर है, जो घास मण्डी, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम को रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वांस्तिवक रूप से अधिक नही किया गया है:---

- (क) बन्तरक से शुइं िकसी आय की बाबत, उक्त भिधिनियम के सधीन कर देने के ग्रन्नरक के वामित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स सूराना ट्रेंड एण्ड फाइनाइन्स कारपोरेशन लि० सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स उदय इंजीनियरिंग कम्पनी तिलक रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

घर सम्पत्ति विस्तीर्ण 1673 और फुट प्लीथ एरिया 177 चौर गज, घास मण्डी सिकत्यशवाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नंर 133/83, रॉजस्ट्रीकर्ता आंधारारा सिकत्यराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकरी सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अजन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 11--11-1983

मोहुरु:

• - -, उ दी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाफ, 17 नवम्बर, 1983

निदेश स० 621/83 84 — अत मुझे, एम० जोगन मोहन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायण सम्पत्ति, जिसका उचित | बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० खुल, जनान है, जो कटेस्वर निझामाबाद स्थित है (और इससे उताबद्ध अनुभूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि गर के कार्यालय, निझामाबाद, भारतीय रिजर्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को प्रांक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तिरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है। क यथ्यप्रवान्त सर्पात्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तर्ण (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) क भीव एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्दश्य में उनत अन्तरण लिखित में बास्तिवक कर म का यत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण म ट्राईं किसी आय को बाबत उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के क्लिए, और/या
- (ख) एसी किसी था किसी थन या अन्य आस्तियों का । उन्हें पर्टीय आय-जर अधिनियम, 1922 1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनर्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उन्नत जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत जीधीनयम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिटित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री बि॰ नरसीमूल और अन्य, घर न॰ 6-19-150, गूर्बा बाडीस्ट्रीट, निझामाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नीलकण्डमनगर को०-आपरेटिव हाउसिग सोसायटी, बाइ० एल० जगत रेड्डी, घर न० 6-8-1/1, नमदेव वाडा निझामबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपकृ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वांक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2.02 एकड, 4 कठेस्वर निझामबाद रिजस्ट्रोकृत विलेख न० 987, 1062 और 988/83, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी निझामाबाद

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक 17-11-1983

प्ररूप वार्षं.टी.एा.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 622/83-84—यत. मुझ, एम० जेगन मोहन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो हाकी मधेट, आर० आर० जिला स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारती रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वेक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त संतरण लिखित में बास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त, कीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री हासीम आली खान और अन्य,
   3-6-361/4, बसीरबाग, हैदराबाद
   (अन्तरक)
- (2) वि महालक्ष्मी को०-आपरेटिव हार्जीमग सोगाघटी, निमिटेड , बाइ प्रेसीटेंट, ए० नर्रामह्या रेड्डी पिता पापी रेड्डी, 10-9-756, ओफड मलक पेट, हैदराबाद (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्षित, जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)
- (4) (बहु व्यक्षित, जिसक बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त स्थेती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्प किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

# अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 10 एकड़, 30 गूठे, हाकी मपेट, आर० आर० जिला रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 758 और 759/83 रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी हैंदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद्य

दिनांक : 17-11-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आइ टी. एन. एस.- - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन मुखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० 428/एक्बी०--अतः मुझे, ए० प्रसाद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-इ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 1 और 4 का प्लाट नं० 2 का 46/67 वटलरगंज हाउसिंग स्कीम 67, वजीर हसन रोड, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908का 16) के अधीन, दिनांक 19-3-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/मा
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सुविधा के निए;

अतः अत्र अक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण तो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शैल कृष्णा

(अन्तरक)

(2) 1. श्री उदय कुमार अग्रवाल 2. श्री जगवीश कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

- (3) श्रीमती सैल कृष्णा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्री अधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके प्रवाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पाद्य जिल्लाक में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा स्था हैं।

## बन्सची

फ्लैट नं ० 1 और 4 का प्लाट नं ० 2 का 46/67, स्थित बटलरगंज हाउमिंग स्कीम, 67, बजीर हमन रोड लखनऊ पैमाइमी 1665 वर्गफिट पर निर्माण और सम्पात जिसका सम्पूर्ण विवरण सेवडीक व फार्म 37—जो संख्या 7170 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 19—3—1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जनक्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 10-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर, 1983

निर्देश मं० आर० 195/एक्वी०-अतः मुझे. ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 हिस्सा प्लाट नं० 46/67 बटलरगंभ हाउसिंग स्कीम वजीर हमन रोड,लखनऊ में स्थित है (और
हिमसे उपायद्ध अनुमूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-3-1983,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीम्ती शैल कृष्णा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रंजना गर्ग

(अन्तरिती)

- (3) श्रीमती भैल कृष्णा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

की यह सूचना <mark>फारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 2 जो कि प्लाट नं० 46/67 का हिस्सा है और उस पर निर्माण स्थित बटलर गंज स्कीम वजीर हसन रोड लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—जी संख्या 7211 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 19-3-1983 को किया जा चुका है:

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 9-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक : 10 नवम्बर, 1983

निर्देण सं० एन०-68/एक्वी०--अतः मुझे, ए० प्रसाव भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 5 है तथा जो बटलरगंज हाउसिंग स्कीम 67, वजीर हमन रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण हप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-3-19823,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और युक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक और और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्स्क्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--- (1) श्रीमती भैल कृष्णा

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवान

(अन्तरिती)

- (3) श्रीमती गैल कृष्णा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति,जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 5 पैमाइशी 930 वर्ग फिट और उस पर मिर्माण जो कि प्लाट नं० 46/67 का हिस्सा है स्थित बटलरगंज हाउसिंग स्कीम, 67 वजीर हमन रोड लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व ट्रार्म 37-जी संख्या 7173 में विणित है, जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-3→1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 10-11-1983

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक : 10 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० एम७--161/एक्यी०--अत: सझे, ए० प्रसाद, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य <sup>अ</sup>25,000/- रु. से **अधिक ह**ै और जिसकी सं० एक किता आराजी वहीद नगर, है तथा जो नजीमाबाव,जिला-बिजनौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बिजनौर (नजीबाबाद-जिला बिजनौर) में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1983, को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आक्षकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती व्यार प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (j) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :—

ь अघान, ानम्नालारून व्याक्त - 23—376GI/83

- (1) 1. श्री सुरेन्द्र कुमार खन्ना
  - 2. श्री इन्द्रजीत
  - 3. श्रीमती राजरानी

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री महेन्द्र सिंह
  - 2. श्री जीत सिंह
  - 3. श्री बलवीर सिहं
  - 4. श्री त्रिक्षोचन सिंह

(अन्तरिती)

(3) विकरेता (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता.हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिदेश के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता आराजी पैमाइसी लगभग 702 रे म्क्बायर भीटर स्थित वहीद नगर नजीबाबाट, जिल(——क्षिजनीर और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्भ 37—जी० संख्या 698 में विणित है, जिमका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार नजीबाबाद, जिला——बिजनीर के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख : 10-11-1983 मोहर:

# प्ररूप बाई, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवस्वर, 1983

निदेश सं० के०-122/एपवी०--अतः मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिनकी संव मौजा अगू, परगना व तहसील सफीपुर, उन्नाव में स्थित है 'और इपसे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय उन्नाव रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-3-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफट के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्तरः प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किणाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री गोवर्धन प्रसाद
  - 2. श्री गोपाल वस
  - 3. श्री शिव दत्त
  - 4. श्री राम दत्त
  - 5.श्री श्रीदस

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री कृष्ण वर्मा
  - 2. श्रीमती रामप्यारी

(अन्तरिती)

(3) विक्रोता (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनृत्वी

भूमि पैमाइसी 13 बीघा 5 बिस्वा और 1 बिस्वान्सी स्थित मोजा अगूपरगता व तहसील सफीपुर जिला-उन्नाव और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेतटीड व फार्म 37-जी० संख्या 411 में विजित है, जित्तका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार उन्नाव के कार्या-लय में दिनांक 10-3-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक: 10-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

## भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निवंश सं० के०~121/एक्बी०~—अतः मुझे, ए० प्रसाद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य .25,000/-,रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आराजी है तथा जो छावनी सिविल लाईन्स मुराबाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण इस्प से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुराबाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक मार्च, 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अफरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिस्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशस्या देवी

(अन्तरिती)

- (3) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिनके बारे म अधोहरताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्स संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मपिता में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्रची

भिष्य आराजी पैमाइसी 167.806 स्क्वायर मीटर स्थित छावनी सिविल लाईन्स मुरादाबाद और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37~जी० संख्या 1811 में विणित है, जिसका पंजोकरण सम-रजिस्ट्रार मरादाबाद के कार्यालय में किया जा जुका है।

ए० प्रताव सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अजन क्षेत्र) लखनऊ

विनांक: 10-11-1983

मोहर ३

प्रकृप साइ . टी . एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्कना

#### भारत सरकार

कार्याल्य,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

ं लखनऊ, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० ।-1/एक्की०--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अपूमि जिस पर मकान कुसीतल तक बना हुआ है 3, गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्त्री मों और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19~3~1983,

को पृथींकत सम्पत्ति के उष्यत बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापृथींकत सम्पत्ति का उषित बाजार मृल्य, उसके दूपमान प्रतिफल से, एसे दूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में अस्तिवक रूप से कथित वहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंग्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रकाश मूर्ति

(अन्तर्क)

(2) इण्डियन पोटाश लिमिटेड (अम्पनी) 20, जापलिंग रोड, लखनक प्रतिनिधि श्री सुन्दरलाल ठाकुर

(अन्तरिती)

- (3) (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि पैमाइसी 7,469 वर्ग फिट जिस पर मकान कुर्सी तल तक बना हुआ है स्थित 3,गोखले मार्ग लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 7222 मे वर्णित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 19-3-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक : 11-11-1983

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, नखनक

लखनऊ, दिनाक 10 नवम्बर, 1983

निदेश स० सी०-38/एक्वी०--अत मुझे, ए० प्रसाद, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी में के मंत्रान है या जो मोहरूना तवेला मुरादाबाद में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुची में और पूर्णक्ष्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में निजस्ट्री-अरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को ब्रायत सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य म कम के इसमान प्रतिफल के लिए अतिरित का गई हैं और मुक्ते यह यिश्याम करने का कारण हैं कि स्थापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अतरक (अंतरकों) और अंतिरिती (अतिरितियां) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुन्हें विस्ती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, सुर्भात् :— (1) श्रीमती हीरा देवी

(अन्तरक)

(2) 1 श्री चुन्नी लाल 2. श्रीमती कमलादेवी

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधियोग मे सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थव्यीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

एक किता मकान पमाइसी 141.73 स्क्वायर मीटर स्थित मोहल्ला तवेला, मुरादाबाद और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण वितरण सलडीड व फार्म 37-जी० सख्या 1718 मे विणित है, जिमकापंजीकरण सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय मे किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) (अजन क्षेत्र) लखनऊ

विनाम : 10~11-1983

मोहर 👍

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

भायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सुधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर, 1983

निदेश सं० ए०-120/एक्की०-अत: मुझ,ए० प्रसाद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक हैं.

और जिसकी मं० प्लाट नं० 2 है तथा जो बटलरगंज हार्जीसग स्कीम, 67 वजीर हसत रोड, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपामबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-3-1983,

को पूर्वो कत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुर्फे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उथ्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्पूर् से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-नियम के नभीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शैल कुष्णा,

(अन्तरक)

(2) 1. श्री आनन्द अग्रवाल2. श्री अमित कुमार अग्रवाल,

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती ग्रैल कृष्णा (बहु व्यक्ति, जिसके अधिमांग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कत अविकारों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्मित्त में हितकढ़ किसी प्रस्थ व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मन्सूची

. ज्लाट नं० 2 पैमाइसी 4005 वर्ग फिट और उस पर निर्माण जो कि प्लाट नं० 46/67 का हिस्सा है स्थित बटलरगंज हाउसिंग स्कीम लखनऊ, 67 वजीर हसन रोड, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 7175 में विणित है, जिसका पंजोकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-3-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनोक: 10~11-1983

माहर 🕄

**....** 

# 

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक : 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० एस० 283/एववं।०—अतः मृझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्य आरार्जा तं । 198 हे तथा जो ग्राम-मगला राफी, जिला बसायूं में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित्र हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायिलिय बसायूं में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे इश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लि। अत में बास्तिबळ क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय र यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर्थ औधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया त्या था या निवा जाना चाहिए जा, जियाने में सविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमती धर्मो
  - 2. श्रीमती कलावती
  - 3. राजेन्द्र (नाबा०)

(अन्तरक)

- (2) मेमर्ग सर्वागीय विकास सहकारी आवास गर्मात लि० वदांयू 22, पटियाली सराय, वदायू । से (अन्तरिती)
- (3) (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) विक्रेशा
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्री अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूं, बहुर अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया। है।

# अनुसूची

आराजी नं 198, स्थित ग्राम-नगना राकी, जिला-बवायूं और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण नेलटीड व फार्म 37-जी त संख्या 4056 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-र्राजस्ट्रार बदायू के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी/निरीक्षी गहायक अध्यकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

विनांक : 11-11-1983

मोह्य 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 नवम्बर 1983

निदेश सं० /एक्वी०—अतः मुझे० ए० प्रसाद, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क्षण से धिक है

और जिसकी मं० अ।राजी नं० 196 है तथा जो ग्राम-नगला राकी, वदायू में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बदायू में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिवक एप सम्पर्य म्हित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धृन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में साँवधा को लिए;

अतः कद्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री धरर्मा
  - 2. श्रीमती कलावती
  - 3 राजेन्द्र (नावा०)

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सर्वांगीय विकास सहकारी आवार समिति लि०, बदायू 22, पटियाली सराय, बदायू।

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अअधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस र्चना के राजपत्र में प्रकल्शन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनसूची

आराजी नं 196, स्थित-गाला राको, जिला-बदायू और सम्पत्ति जिसका रम्पूर्ण विवण्ण से गटीड व फार्म 37-री सच्या 4141 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार बदायू के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक . 11-11-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लंखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1983

निवेण सं० जी०-61/एक्बी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जिता आराजी गाटा नं० 1754 है तथा जो ग्राम असालभपुर, जारई, तहसील-बिलारी, जिला-मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प सं विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्दौसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-3-1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 24—376 GI/83

(1) श्रीमती ओमवती

(अन्तरक)

(2) गांधी नगर सहकारी आवास समिति लि० चन्दौसी, मुरादाबाद, द्वारा प्रेसीटेंट, श्री अणोक कुमार सिंह तथा सचिव-श्री कमल कुमार

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

एक किसा आराजी गाटा नं 1754 पेमाइसी 1.71 एकड़, स्थित ग्राम असालतपुर, जारई सहसील-बिलारी, जिला-मुरादाबाद, और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलीड व फार्म 37-जी क्संख्या 781 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार चन्दौसी के कार्यालय में दिनांक 25-3-1983 को किया जा चुका चका है।

ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी/निराक्षी सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक: 14-11-1983

प्ररूप भाइ र. टी. एन्. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनक, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निवेश सं० जी०-60/एक्बी०-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से आधिक ही और जिमकी सं० आराजी भूमि है तथा जो मौजा छाबनी कदीम, परगना, खैराबाद, जिला– सीतापुर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-3-1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

कल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक कै दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पन्नोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री भगवान वीन

(अन्तरक 🏲

(2) श्री गुरू नानक सहकारी आघास समिति लि॰ सीतापुर द्वारा /श्री गुरु चरन सिंह सचिव

(अन्तरिसी)

(3) (वह व्यक्ति, जिलके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

### भन्सची

आराजी भूमिधरी न० 1002 पैमाइसी 0.39 जिसमिल और 1028/1127, पैमाइसी 0.8 सिमिल टोटल 0.47 जिस् ने मिल स्थित मौजा छावनी कदीम, परगना—खैराबाद जिला—सीता— पुर और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलटी व फार्म 37— जी० संख्या 895 वर्णित है, जिसका पंजीकरण सबरेजिस्ट्रार सीतापुर के कार्यालय में दिनांक 26—3—1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण•े)<sup>९</sup> (अर्जन क्षेत्र) **लख**नऊ

विनांक : 11-11-1983

मोष्ट्र :

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दनांक 11 नवम्बर, 1983

निदेश सं० ए०—121/एक्वीं०—-अतः मुझे, ए० प्रसाद, अंत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके परजात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संप्रित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि खसरा नं 343, 344 ए और 344बी के हैं तथा जो कंचनपुर-मिट्यारी, पो चिनहट, जिला-लखनऊ स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-3-

को पूर्वेक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार पृमुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चिम में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के खिए।

(1) श्री अटल कुमार जैन

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० एन० एण्ड कम्पनी फैजाबाद रीड, चिनहट, लखनऊ।

(अन्तरिती)

(3) विकेना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

# ष्टवत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्वितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितलक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

भूमि पैमाइसी 0 बीघा 1 बिववा 17 बिस्वांसी प्लाट नं० 343, 344ए० और 344 बी० स्थित ग्राम-कं वनपुर मिट्यारी, पो० चिनहर, तहसील और जिला-लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलटींड व फार्म 37-जी० संख्या 108/83 में विजित है, जिसका पंजीकरण सब-रिजस्द्वार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 23-3-1983 को किया जा बुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राजधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

दिनांक : 11-11-1983

प्रूपः वाद्द्यः द्वीः एन्:, एसः, -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

#### भारत् सुरकृष्टि

# कार्यासय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र--11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1983

निवेश स० एक्यू० 2/37ई० ई०/3-83/16---अत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० ए०-61/5, है तथा जो पी० टी० करमाल रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली 'स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से बणित है), र्रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961के धीन, दिनाक मार्च, 1983,

को प्रांपित संपरित के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, औट/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:—

(1) सन्त चरन गोयल,निवासी- जीं०-72, फैस-1, अशोक विहार,दिल्ली-110052 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन मेहरा, निवासी--513/8, देव लोक स्ट्रीट, गाधी नगर, दिल्ली।

(अवतरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानका है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों प्रस्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया मा स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्थ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ... अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भवन का आधा भाग ए०-61/5, जी०टी० करना रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया दिल्ली, तादादी 3630 वर्गफीट, जिसका आधा भाग हिस्सा हस्तांतरण ।

> सुधीर **नवदा** मक्षम अधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनाम 15 नवम्बर, 1983

निदेश स॰ आई॰ ए॰ सी॰ एक्यू॰ 2/3 ७ई॰ई॰/3-83-84--/ 17--अतः मुझे, नरेन्द्र| सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर मपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी स॰ जी॰-1/10, है तथा जो लारेंस रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली 'स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से निर्णत है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनाक मार्च, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल के भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिशिखत व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री चन्दर मोहन प्रोप० चन्दर मोहन एण्ड क० काटेज न० 7, बेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली

अवतरक)

- (2) श्री औम प्रकाश सुपुत्र श्री मदन लाल, निवासी—एफ०-13, अशोक विहार, नई दिल्ली (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, सिजके अधिभोग ' सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितकष्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ण्लाट न० जी०-1/10,तादावी 500 वर्गगज, ग्राम-शकरपुर, आबावी, लारेंस रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, विल्ली-52

> सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

चिनांक : 15~11~1983

मो**ह**ु ः

# प्ररूप आहे. टी. एम्. एस्. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ई०ई०/3-83/ 18-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23, बी०-2/4, है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थिम है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर, अधिनियम, 1961, के को पूर्वोक्त सपिता के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल से ऐसे दरयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्त्रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल , निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :--

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाब की बाबत , उच्छ ज़िश्तियम् के ज़्भीन कड़ दोने के ज़न्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था अनुकर अधिनियम, था अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अतः उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्रीमती मैं ० अजय इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०, इरोज सीनेमा बिल्डींग, जंगपुरा एक्सटेनशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती उषा साहनी पत्नी श्री बदरी नाथ साहनी निवासी—डी०~64, आदर्श नगर, दिल्ली (अन्तरिती)
  - (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग ' सम्पत्ति है)
  - (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# चक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# ननुसूची

स्पे० न० 23, प्लाट न० बी०-2/4, नैनीवाला, आजादपुर, दिल्ली, तादादी 243 वर्गफीट ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 15-11**-**83

मोहर 🕄

त्ररूप बाइ, टी. एन एस. - - - ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई पिल्ली

नई दिली, दिनाक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आर्ड० ए० सीं०/एक्यू०/2/37ईई०/21—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा है

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23  $\nabla - 2/1$  है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे यर्निण है रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वैश्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए जीड़/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उयन अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैंसर्म आर० सी० सूद एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेंछ, इरोज भिनेमा बिल्डीग, जंगपुरा एक्सटेशन , , नई दिली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक नारायण मुपृत्र श्री सी० एस० शर्मा, निवासी सी-11/5, माडल टाऊन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समा है।

# नन्स्ची

स्रेलन० 23, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० ए-2/1, नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली, एरिया 197 वर्गफीट ।

> मुधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नारीख ' 15—11—1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायीसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

. अर्जन रेंज~2, नई दिल्ली नई दिली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /ए/य्/2/37ईई०/3-83/ 22-अतः मुझे, सुधीर च ब्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 22, बी-2/4 है तथा जो नैनोवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रैंज-2, नई दिली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को प्रेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--

(1) मैं० अजय इन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, इरोज सिनेमा बिल्डीग, जंगपुरा एक्टेंगन, नई दिली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामा मिन्हा एण्ड श्री संजय सिन्हा सुपुत श्री ए० के० सिन्हा, निवासी 667, पहली मंजिल, सेक्टर-6, पंचकुला, हरियाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क़रके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्कप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# मम्स्ची

स्पेस नं० 22, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० बी-2/4, नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली, एरिया अत्यधिक 200 धर्म फीट ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/3-83/ 23--अतः मुझी, सुधीर घन्द्रा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 24, ए-2/1 है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1983

का प्रांचिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृत्यिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अन्सरण

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तिया, अर्थात्:—— 25—376GI/83 (1) गैसर्स आए० सी० सृष्ट एण्ड कम्पनी प्राइवट लिसिटेख, ईरोज, सिनेमा बिल्डीग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय शर्मा, श्री निरंज शर्मा, श्री सूरज शर्मा और श्री रिकेश शर्मा सुपुत श्री डीं० अरि० शर्मा, निवासी बी-एम-4, जालीमार खाग, दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुधी

स्पेस न० 24, ग्राउण्ड फ्लार, प्लाट न० ए-2/1, नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली, एरिया अत्यधिक 197 हुवर्गफीट ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई विस्ली

नारीख: 15-11-1983

# प्ररूप आर्र टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/37 ईई०/3-83/ 24-अतः मुझे, सुधीर घन्द्रा भागकर क्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मेल्य

और जिसकी सं० 20, बी 2/4 है तथा जो नैनीवाला बाग. आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च, 1983

2.5,000 ∕- रु. से अधिक **है** 

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रूष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रूष्यमान प्रतिफल से ऐसे श्रूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती । अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निमा न्य पायन गया प्रतिफल का पन्तिनियों। के बीच एसे अन्तरण के निमा न्य पायन गया प्रतिफल का मन्तिनियों। के बीच एसे अन्तरण के निमा न्य पायन गया प्रतिफल का स्थान नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मी. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को जभीन, निस्निसिक व्यक्तियों, प्रित्ः— (1) मै० अजय इन्टरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेंड, ईरोज सिनेमा बिन्डीग, जंगपुरा एक्सटेंणन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा मुतनेजा परनी श्री मदन लाल मुतनेजा, श्री मदन लाल सुपुद्ध श्री जगननाथ मुतनेजा, निवासी 584, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

स्पेस नं० 20, तीतरी मंजिल, ग्लाट नं० बी-2/4, नैनीयाला बाग, आजादपुर, एरिया अत्यधिक 350 वर्ग फीट ।

सुबीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्पालय, सहायक बायकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/एंक्यू०/2/एस० आर०-1/3-83/10080-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० 25/23 है तथा जो क्लाग्नडी, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूण ल्प से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरफ के वायित्य में कमी कर्ने या उससे अचने में सुविधा के निष्; औड़/या
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनाथ अन्तारती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

जत: अब, उक्त अधिरियम, की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमती णकुन्तला रानी उपल पत्नी श्री दीनानाथ उपल, श्री सुभाषचन्द्र उपल ग्रीर श्री रमेश चन्द्र उपल, सुपुन्नगण श्री दीनानाथ उपल, निवासी एल-23, प्रताप नगर,

(अन्तरक)

(2) डा॰ विनोद कुमार वर्मी सुपुत श्री सिघू राम, निवासी 25/23, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर कर्मा साम पंक्तियां सावित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसुची

प्रो॰ नं॰ 25/23, क्लास-डी, तादादी 375.96, वर्ग गज, स्थापित पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (स्नरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

तारीख: 15-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 तबम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-83/10083--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

कागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15/7662 है तथा जो हाऊस नं० 51, पहाड़गंज, नई बिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से **हुई किसी** आय की बाबत, उक्त **अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर**क के **दायित्व में कमी करने या उससे बचने में** सृविधा के लिए; और / या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री संजय सुपुत्र श्री श्रोम प्रकाश, निवासी 51, राम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव कुमार सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण, निवासी बी- 303, डिफेस कालोनी, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमसची

मकान न० 51, म्युनिसिपल नं० 15/7662, नराम गर, पहाड़ गंज, नई दिल्ली, तादादी 121.66 वर्ग गज।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

वांशिष : 15-11-1983

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-83/10096—अतः मुझें, सुधीर वन्द्रा

अगयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी र्सं० 2088 है तथा जो कटरा गोकर शाह बाजार सीताराम, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर समे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखं मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिचक, रूप में किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधानयम के अपीन कर दन के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बनवारी लाल, श्री गिरधारी लाल सुपुत्नगण श्री रामेश्वर दास, निवासी ए-3/4, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम नाथ गुप्ता सुपुत श्री प्रेमनांथ गुप्ता, निवासी 4457, नई सड़क, दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

2 मंजिला बिल्डिंग प्रौ० नं० 2088, कटरा गोकलशा, बाजार सीताराम, दिल्ली, तादादी 145.17 वर्गगव ज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-11-1983

प्ररूप आर्ड. टी एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/3-83/10100—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी र्सं । 1546 है तथा जो पटोदी हाऊस, दरियागंज; दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

का पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) न अधीन, निम्निलिस स्पन्तियों, अर्थात् --- (1) श्रीमती केंसर कौर सुपुत्त श्री एस० जवान्व सिंह ग्रौर श्रीमती इन्दर कौर पस्नी श्री एस० सन्तोष सिंह, निवासी 1546, दरिया गंज, दिल्ली

(अन्तरक)

(1) श्री धृज भृशन जैन मुपृत्न श्री फकीरा मल, 53/44, डब्ल्यू०-ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली श्रौर श्री रमेश चन्द्र बेरी, सुपुत्र श्री के० एन० बेरी, निवासी 1559, दरियागंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्तां यह सूचना जारी करके पृषेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकारो।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर, प्रापर्टी नं० 1546, पटौदी हाऊस, दरियागंज, दिस्सी, तादादी 80 वर्ग गज ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नारीख: 15-11-1983

महिर्:

प्ररूप वाहें.टी.एन एस. .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार कामवन (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विस्ती

नई विस्ली, दिनांक 15 नयम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-83/10112--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य -25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० सी-35 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता ीख मार्च, 1983

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के सिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में समिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थाल :--  श्रीमती तारा रानी सूरी पत्नी स्व० श्री दामोदरदास मूरी, निवासी बी-1/215, पश्चिम विहार, नई दिल्ली ।

(असरक

(2) श्री हंसराज वावला सुपुत श्री शाम दास वावला एलियास शाम लाल वावला, निवामी सी~35, वाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परितृ के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मकान प्लाट नं० सी-35, तादादी 150 वर्ग गज, स्थापित-बाली नगर, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-11002

सारीख: 15-11-1983

# 

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)ः अर्जन रेंज, नई विरुती

मई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं अार्ड ए० सी ० / एष्यू ० / २ / एस० आर० - 1 / 3-83 / 10124 --- अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौय जिसकी सं० एच 2 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1983

को पूर्वेक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य में कम के उर्ध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्ध्यमान प्रतिफल से एसे रूर्ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण के, मी, उक्त जिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थाम् :-- (1) श्री चेशाराम सुपृक्ष श्री भोला राम, निवामी सी -47 सुवर्शन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम पं:यारा सुपृत श्री रूप चन्द, निवासी मकान नं० टी-150, बलजीत नगर, नियर वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यशिक्ष्यों करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिकतया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारील से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पान लिखित में किए जा सकोंग।

स्पद्धिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनयम के बध्याय 20 क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

सकान न० एच -2, वाली तगर, नई दिल्ली, नजफगङ, रोड, नई सिल्सं, एरिया 150 वर्ग गज ।

> गुधीर बन्द्रा राक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयका (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 15-11-1983

# प्रकृत नाही, टी. एत्. एस.---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श् (1) के अभीन सुम्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-83/10130--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ए-3/4 है तथा जो राणा प्रताप बाग, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिद्यात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्त्-दिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त जिथ-रिजन के ज्यीद कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जीहा/वा
- (थ) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्री राजेन्द्र कुमार, श्री सुरेन्द्र कुमार सुपुत्रगण श्री एम० डी० मानकतुला, नियासी ए-3/4, राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।

(अन्तरफ)

(2) श्री बनवारी लाल, श्री गिरधारी लाल सुपुत्रगण श्री रामेण्वर दास अग्रवाल, निवासी--2088, कटरा गोकलमाह, बाजार सीता राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द, ब्र्याक्त्यों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- [(च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकर्ण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुधी

थ्री॰ नं॰ ए-3/4, राणा प्रसाप बाग, बिल्ली, एरिया-

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 26-376GI/83

तारीख : 15-11-1983

मोहर 🖫

# प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश म० आर्ट० ए० सी०/एक्यू०/2/एग० आर०-1/ 3-83/10131--अन: मुझे, सुधीर बन्द्रा

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० XII/8941 है तथा जो गली ब्राण वाली, नया मोहल्ला, आजाद सार्किट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सार्च, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के , एसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उचन अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हें भारतीय अयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिलधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को, अन्मरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (t) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीक्ष :----

- (1) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री सन्त राम, श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री किणन चन्द, श्रौर श्रीमती ईश्वरी देवी एलियास गनेणी देवी पत्नी श्री रोणी राग, सभी निवासी-बी-53, फेम-1 अशोक विहार, दिल्ली-52।
- (2) श्री विजय कुमार सुपुत श्री टेहलराम ग्रौर श्रीमती चन्दर देवी परनी श्री निभाल दाम, निवासी-10139, लाइब्रेरी रोड, आजाद मार्किट, दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील मं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्स्पी

प्रो० मं० XII/8941, तादादी 148 वर्ग गज, स्थापित-गली बराशवाली, नया मोहरूला, आजाद मार्किट, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिस्सी

**गारींख** : 15-11-1983

मुक्त जाद टी. एन् एक .----

भायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एम० आर०-1/ 3-83/10133--अत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

. और जिसकी सं ०एफ० एफ०-1266 हं तथा जो फेज गज, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट्रिक स्थ से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाब की वाबत उक्त कीथ-मिसस को अधीन कर दोने के जन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए और/वा
- (व) प्रेडी किसी बाप वा किसी धन वा जन्य बास्तियों का., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विधा के विदः

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरद्वारी लाल सुपुत्र श्री छंगा मल जैन , गियासी 4241, पहाड़ी धीरज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पदम प्रसाद जैन सुपुत्र श्री काच मल जैन, निवासी 4177, गली अहिरन, पहाड़ी धीरज, दिल्ली— 6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पहली मंजिल, मकान नं ० 1266, फोज गंज, दिल्ली, एरिया--

मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-11-1983

मोहर.

# प्राक्ष वार् .टी. एन्. एक. :------

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-83/10134—अतः मुझे, सुधीर चन्क्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 845 है तथा जो तिलक गली, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण विख्ति में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं नाय की नायत, उक्त जभितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे जभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयलर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री कहा प्रकाश सुपुत्र श्री हुलास राय, निवासी-1467, गली पाटली, दरीजा कला, दिल्ली, और श्री विजेन्द्र कुमार सुपुत श्री बनारसी दास, निवासी-2495, छटा शाहजी, चावडी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिव शकर गुप्ता और
श्री हरि शंकर सपुत्रगण
श्री सांवल राम,
श्री मित जमली दवी पत्नी
श्री रधुनाथ प्रसाद,
निवासी—थी--2/27, अशोक विहार—II
दिल्ली और श्रीमती शशी गुप्ता
पत्नी श्री सुरिन्दर गुप्ता,
निवासी--एच--27,
अशोक विहार-1,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर में सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्युक्तीकरुणं:--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुने अर्थ होगा जो उस अध्याय में किना गया है।

# वनुसूची

अविभाजित 1/2 भाग प्रापर्टी नं० 845 (न्यू) और 498 (पुरानी) सिलक गली, काश्मीरी गेट, दिल्ली, तादाधी-160 वर्ग गज ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् के

नारीख: 15-11-1983

प्ररूप आई., टी., एन., एस.-----

आयक<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निऱ्रीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 नवम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/2/एस० आर०-1/ 3-83/10138—अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० (जी एफ) 25— बी है तथा जो बनारसी वास इस्टेंट विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुधिधा के लिए;

अनुतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री जगपत राय सुपुत स्व० श्री लाला दीपचन्द निवासी-25, बनारसीवास इस्टेट तिमारपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार सुपुत्र श्री महाबीर प्रसाद, श्री मुकेश कुमार सुपुत्र श्री महाबीर प्रसाद, द्वारा उसके पिता एवं मही अभिभावक श्री महाबीर प्रसाद सुपुत श्री जगपत राय, निवासी-25, बनारसी दाम इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली ।

(अभ्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :——
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वैवारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रापर्टी नं 25 मा बी, (प्री॰ नं०25 एक भाग) तादादी 228 वर्ग गजश कामनपैमेज तादादी 51 वर्ग गज, बनारसी वास इस्टेट दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 15-11-1983

मोहर 🛭

# प्रकप आहें.टी.एम्.एस्.------

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1983 निर्बेश संब्झाई ए०सी०एक्यू० 2एस-म्रार-13-83/10142---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 40/5 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितं की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विभिन्नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? जीर/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या जिसी धन या जन्य जास्तियों जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपाने में स्विधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिणिवत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जवाहर सिंह सुपुत श्री एस० सोभा सिंह, निवासी-40/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्त**र**क)

(2) श्रीमती उषा वर्मा पत्नी श्री पी० सी० वर्मा, श्री सतीम वर्मा सुपुत श्री पी० सी० वर्मा निवासी—202 (डी० एप०), न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्णा के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

लीज होल्ड प्रो० नं० 40/5 ईस्ट पटेल नगर, नई दिस्सी, तादादी-200 वर्ग गज।

सुधीर चन्द्रा सप्तम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन-रेंज-2, दिल्ली, नई दिख्ली

तारीख: 15-11-1983

# प्रकप नाइ<sup>4</sup>. टी. एस. एस. ------धिवनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के धिवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) अर्जन केंग-2, नई दिल्ली

नर्ष्ठ दिल्ली, दिनाक 15 नवम्बर, 1983 सिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-1/

3-83/10143--अत. मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० क्यू०-39, है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई विस्ती, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची जें और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के पार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम' 1908 (1908 का 16) वे अधीन तारीख मार्च, 1983 को

करे पृथों वत सम्पत्ति के उत्पित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिकल, निम्तिलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रेम राज गुट्ता अटार्नी श्रीमती विद्या बती सेखर, निवास क्यू-39, राजोर गार्डेन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आणा गुप्ता पत्नी श्री प्रेम राज गुप्ता, निवासी- क्यू-39, राजोरी गार्डेन, नई विस्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंच वें
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस सूचना के राधपत्र में प्रकाशन की तारीच है - 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इससें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

#### समस्यो

प्रो० नं० क्यू०-39, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, तादादी-200 वर्गगज।

मुधीर जन्म्रा मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

सारवेषः 15-11-1983 मोहर :

# प्रकप वाद्ैुटो . इन् . एव . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### **पारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय, पुणे

पुणे, दिनांक 11 नवम्बर, 1983

निर्देश सं० सी० ओ०-5/83-84/1018——यत: मुझे मिश्रा कान्त कुलकर्णी

बायकर निर्मानमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिमकी सं० मौजे मुरावाबाद सि०एस० नं० 4-3-9 मकान है तथा जो मुरावाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुट्यम निबंधक जलगाव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 20-3-1983 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ब्रुव्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ज्ञारण के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा ले जिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या कृत्य वास्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिस व्यक्तियों, अधीत् :—- (1) श्री नयु रोधू चौधरी और अन्य जिला पोस्ट जलगांच।

(अम्परक)

(2) श्री शरद मुरलीधर षौधरी और अन्य पोस्ट मुरादानाद नहसील वं जिला जलगांष। (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पृत्रिक्त सुम्परित के सर्वन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

# उनत् सम्पत्तिः के वर्षन के तस्वन्य में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उसत स्थायर संपरित में हितवन्थ सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाख
  लिखित में किए जा सकोंगे।

त्मश्रीकर्णः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मोर्ज मुरादाबाद तहसील न जिला जलगांव सि० एसं० नं० 4-3-9 का मकान और जमीन जैसी कि रिजस्ट्रीकृत विलेख कि० 886/83 जो तारीख 20-3-83 को दुरुयम निबंधक जलगांव के कार्यालय में लिखा है।

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 11-11-1983

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय, पुणे पुणे, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए०-5/1017/83-84—-यत. मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ख्रिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रूशिकेणा एपार्टमेट सर्वे नं० 109/2A 1ए/4बी प्लाट नं० 7, नासिक है तथा जो नामिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निवंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मून्य, असके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रतिक्त, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सूिविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 27—376GI/83

(1) श्री केणव माधव राव लोहोट, कन्ट्रेक्टर श्रम साफल्य शिखरे वाडी, नामिक रोड ।

(अन्तरक)

(3) श्री निवास वातू राव पुग्रेरान, 9, गिरीनार बिल्डिंग, दत्त मन्दिर, नासिक रोड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पर्कटोंकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसुची

रूशिकेशा अपार्टमेंट, सर्वे नं ० 109/2 ए. 1 ए/4 बी. प्लाट नं ० 7, नासिक रोड ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1363 जो तारीख 30 मार्च, 1983 को दुय्यम निबन्धक, नामिक मे कार्यालय में लिखा है।)

णणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 11-11-1983

प्ररूप बाइ, टी. एन. एस.----

बायक<u>र</u> अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना

पूना, दिनाक 11 नवम्बर 1983

निदेश मं० मी० ए० 5/1:016/83-84--यत मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं भीजे पार्थर्डी सर्वे नं 275/1 ए है तथा जो पार्थर्डी में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभित्त है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, नासिक में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 1 अप्रैल, 1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ध र 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री मुरेण रघुनाथ काले।
 श्रीमती केणर वाई २० काले,
 203, महात्मा गांधी रोड,
 नासिक ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नरहरी पांड्रंग गवले।
2. श्री एकनाथ मीताराम नवले,
पार्थंडी,
ताः/जिला नामिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं। 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कु व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यूष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास् विख्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उ. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुधी

मौजे पार्थर्डी सर्वे नं० 275/1 ए । (जैसे कि रजिस्ट्री:त विलेख नं० 951 जो सारीख 1 मार्च, 1983 को दुय्यम नियन्धक, नासिक के कार्यालय में लिखा है ।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेंज, दूना

नारीख 11-11-1983 गोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज प्ना

पूना, दिनाक 1 नवम्बर 1983

निदेण गं० सी० ए.2 5/285/37 ईई/83-84—-यत मुझे, णाणकांत कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का किरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए.-7, 'णियम भव' सी० टी० ए.स० मुं० 2977-ए/2 और ए/3, राम बाग लेन, नं० 5, कल्याण जिला ठाने (क्षेत्र 500 स्के० फीट) है तथा जा कल्याण में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमूची में ओर पूणं रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रज, पूना में राजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, राजकर

को प्लेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार तृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दियालय में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स सुयश कत्म्द्रवशन्य कंश्राश्विश् मैनेजिय डायरेक्टर . श्री जेश आरश्कात्मक, 'स्मृति' तिलक राड, डोम्बीवली (ईस्ट), जिला टाने ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजास यशवन्त गुप्त, 'गुप्तेवाड़ा', आगवले अली, गाधी चीक, कल्याण जिला ठान ।

(अस्तरक)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर 'सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहुम्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# सन्स्ची

फलेट न० ए-7, शिवम भव, सी० टी० एस० न०  $2977-\frac{1}{2}$  और ए-3, राम बाग लेन, नं० 5, कल्याण, जिला ठाने, क्षेत्र 500 स्के० फीट ।

• (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 35 ईई०/2841/मार्च, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पना के दफ्तर में लिखा है )।

शणिकात कुलकर्णी गक्षमप्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना

तारीख : 11-11-1983

मोहर

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पुना, दिनास 11 नवस्वर 1983

निर्देण म० सी० ए० 5/37ईई०/286/83-84--यनः भुझे, णशिकात कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अभीन सर्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा म अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न० ए-- 3, 'शिव भव', सी० टी० एस० न० 2977 ए-- 2 और 3, कल्याण, जिला ठाने क्षेत्र 550 स्त० फीट है तथा जो कल्याण में स्थित हैं (और इससे उपावछ अनुसूबी में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में तारीख मार्च, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक हप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत जय, उनते अधिनियम की धारा 269-म को, अन्सरण मा, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, भीम्बिलिखित व्यक्तियों, अर्थास् .-- (1) मैं स्या कन्स्ट्रक्णन्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मैनेजिंग डायरेक्टर : 'स्मृति', तिलक राइ, दोस्बीबली' (ईस्ट), टाने ।

(अन्सरक)

(2) श्री एस० एम० धारे, सावत विल्डिश, III रोड, कल्याण, जिसा ठास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्धि में तिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अन्स्ची

फ्लैंट न० उ $\nu$ , शिवम भव, सी० टी० एस० नं० 2977,  $\nu$ -2 ऑर  $\nu$ -3, कल्थाण, जिला ठाने ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीहात नं० 2852/37 ईई०/मार्च, 1983 का महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर म लिखा है।

> शक्षिकांत **कुलकर्णा** सक्ष**म प्राधिकारी** राहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, पूना

नार्राख ।1-1 -1983 **मोहर**: प्ररूप बार्षं, टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अनंन रज, पुना

पुना, दिनाक 11 नवस्वर 1983

निदेश मे ० मे ० ए > 5/37 ईई ० /287/83 - 84 ---यत . मुझे, शशिकान नुलकर्णी

आयकर अधिनिय्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट न० जी 1 'णिवस भव', सी० टी० एस० न० 2977, ए-2 और ए-3, राम बाग लंन, नं० 5, कल्याण जिला ठान, क्षेत्र 550 स्के० फीट है तथा जो कल्याण में स्थित है (ग्रार इससे उपाबब प्रनुसूची में और पूण रूप से विणा है) रजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में रजिस्ट्रीक्करण अबिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में प्रतिकल, निम्निलिखत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं सर्म सुयण कत्स्ट्रवणन्स कम्पनी
प्राइवेट लि०
मैं नेजिम डायरेक्टर:
श्री जे० आर० फाटक,
'स्मृति' निलक रोड,
डोबीवली (ईस्ट),
जिला ठामे ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरनाथ प्रभाकर वैद्य, डी-1, आई० छी० आई कालानी, णहद, जिला ठाने ।

(अन्तिरिती)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्रध किसी अन्य व्यक्तिस व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनस ची

फ्लैट न० जी-1 'शिवमभव', सी० टी० एग० न० 2977, ए-2, और ए-3, रामबाग लेन न० 5, क≈याण, जिला ठाने ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत न० 37 ईई०/2858 लागीख मार्च, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकात कुलकर्णी गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुविक (निर्देक्षण) अर्जन रज, पूना

तारीख : 11-11-1983

मोह्र :

### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 28th November 1983

No. F.22/84/SCA(G)—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Honble, the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays, during the year 1984.

Name of Holiday	Date & Mouth	Day of the week	No. of Days
1	2	3	4
Republic Day .	26th January	Thursday	1
Maha Shivratri ·	29th February	Wednesday	}
Holi .	16th & 17th	Friday/	
	March	Saturday	2
Ramnavami .	10th April	Tuesday	1
Mahavir Jayanti	14th April	Saturday	ī
Good Friday	20th April	Friday	i
Indepndence Day	15th August	Wednesday	ì
Janmashtami .	20th August	Monday	1
Id-ul-zuha	6th September	Thursday	1
Dussehra Holidays	1st of 5th	Monday to	
	October	Friday	5
Moharram ,	6th October	Saturday	1
Balmiki Jayanti	9th October	Tucsday	1
Diwali .	22nd to 24th	Monday to	
	October -	Wednesday	3
Guru Nanak Birth-	•	_	
day	8th November	Thursday	1
Christmas & New		-	
Year Holidays .	4th December,	Monday to	12
	1984 to 4th	Friday	1
	January	-	
	1985		
	BY ORDER		

R. NARASIMHAN, Registrar (Admn.)

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 22nd November 1983

No. O.II-227/69-Estt.—Consequent on his retirement from Government service in terms of Rule 43(c) of CRPF Rules, 1955. Shri Hema Ram relinquished charge of the post of Dy. S.P. 28 Bn., CRPF on the forenoon of 24-6-1983.

#### The 24th November 1983

No. F-2/35/83-Estt.-I.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. (Mrs.) P. Kaushal Senior Medical officer, to the grade of Chief Medical officer (Commandant) in the CRPF in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 11th November, 1983 until further order.

#### The 25th November 1983

No. F-2/35//83-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. P. C. Dubey, senior Medical Officer to the grade of Chief Medical Officer (Commandant) in the CRPF in an officiating capacity with effect from the

forenoon of the 12th November, 1983 until further order.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 24th November 1983

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri N, S. Bhaduria, Investigator in the Office of the Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, as Assistant Director (Data Processing) in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year with effect from the foregoon of the 20th July, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. His headquarters will be at Ahmedabad.

V. P. PANDLY Joint Registrar General, India

#### FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 25th November 1983

No. 8 FC 2(25)-A/82.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated the 16th March, 1983, Dt. Atul Sarma is allowed to continue to officiate as Economic Adviser on the same terms and conditions in the highth Finance Commission with effect from 1st November 1983 to 31st January 1984.

No. 8 FC 2(25)-A/82.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated the 19th April, 1983, Shri V. B. Tulasidhai is allowed to continue to officiate as Consultant on the same terms and conditions in the Eighth Finance Commission with effect from 1st November 1983 to 31st January 1984.

T. C. NANDA Administrative-cum-Accounts Officer

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 14th November 1983

No. AN/1/1401/4/III.—The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officer to the Indian Defence Accounts Service (who is on deputation) to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700—1300/-) of that Service for six months under 'Next Below Rule' with effect from the date shown against his name.

Sl. No., Name & Date from which appointed

1. Shri Govind Sahai-18th August 1983.

No. AN/I/1401/4/III—The President is pleased to appoint the undermentioned Accounts Officers to the Indian Defence Accounts Service (who are on deputation) to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700—1300) of that Service, with effect

from the date shown against each, until further orders, under the 'Next Below Rule':—

The contract of the contract o

Sl. No. Name					,	Date from which ap- pointed
1 2					 	3
S/Shri						
1. Shadi Lal Verma		•	•	•		2-6-83
2. V. Sampath .	•					2-6-83
3. H.C. Das .		•	•			2-6-83
4. Dori Lal .						18-8-83

#### The 21st November 1983

No. AN/I/1852/5/I—On attaining the age of 58 years the following IDAS Officers have been transferred to the Pension Establishment with effect from the dates shown against each and have accordingly been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the same date.

Sl. No.	Name	Date of birth	Date of transfer to the Pension Estt./Date of struck off the strength of the Defence Accou- unts Depart- ment.
1	2	3	4
S/Sh	ri		
-,	Unniraman Arunachalam	. 28-10-1925 10-10-1925	31-10-1983 (AN) 31-10-1983 (AN)

#### The 25th November 1983

No. AN/I/1173/1/Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Chet Singh, an officer of the Indian Defence Accounts Service to the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 2000—125/2—2250/-) of that Service, with effect from the 21st October, 1983, until further orders.

V. S. JAFA Addl. Controller General of Defence Accounts

#### New Delhi, the 24th November 1983 NOTICE

Notice of termination of Service under Rule 5(i) of the C.C.S. (TS) Rules 1965

In persuance of Sub-rule (I) of Rule 5 of the C.C.S. (TS) Rules 1965, I, S. Mallick, C.D.A. hereby give notice to Sri S, N. BASUMATARY Ty/Auditor, A/C No. 8319777 that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which

this notice is served on or as the case may be, tendered to

S. MALLICK Controller of Defence Accounts Signature of appointing authority

Station:—PATNA Date:—25-3-1983

#### ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

Signature of the individual Designation.

Station :— Date :—

# OFFICE OF THE JOINT DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

Bombay, the 24th November 1983

Notice of Termination issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965

No. t—In pursuance of Sub-rule 1(1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, I, R. A Borkar, Joint Director of Audit, Defence Services, Bombay hereby give notice to Shri Shasikant Bhagwan Jadhav (Temporary Group 'D') that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or, as the case may be, tendered to him.

R. A. BORKAR Joint Director of Audit Defence Services, Bombay

To

Shri Shasikant Bhagwan Jadhav, 5/18, Progressive Building, Doctor Compound, Dattaram Ladpath, Chinchpokalim Bombay-400012.

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 25th November 1983 IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 6/936/71-Admn (G)/4913.—On attaining the age of superannuation, Shri J. C. Tiwari, Controller of Imports & Fxports in this Office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st October, 1983.

V. K. MEHTA
Deputy Chief Controller of Imports & Fxports
for Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi the 24th November 1983

No 12(323)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri H. M. Som, Director (Gr. II) (Mech.) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) as Director (Gr. I) (Mech.) on ad-hoc basis in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) with effect from the forenoon of 25th October 1983, until further orders.

No. 12(571)/68-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri Man Mohan Singh, Asstt. Director (Gr. I) (Mettallurgy) Small Industries Service Institute, Ludhiana to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoon of 30th June 1983.

No. A-19018(532)/81-Admn.(G).—Consequent on his appointment to the post of Assistant Director (Mech.) in National Test House, Madras, Ministry of Supply, Shri M. Shiva Rao relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Mech.) at Small Industries Service Institute, Srinagar on the afternoon of 22nd January 1983.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

#### (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 26th November 1983

No A-17011/224/83-A6.—Shri R. K. Mishra, permanent Examiner of Stoles (Engineering) and officiating Assistant Inspecting Officer (Fings.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Calcutta retired voluntarily from Government service on the afternoon of 27th October, 1983 in terms of Rule 48A of CCS. (Pension) Rules, 1972.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the 22nd November 1983

No. A-17011 106 76-A6.—The President is pleased to appoint Shri Rajendra Prakash Singh, Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 23rd August 1983 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Rajendra Prakash Singh is also subject to final decision on the three I. P.As. Nos. 67/83 68/83 and 69/83 in Civil Writ Petition Nos. 1457/81, 1590/81 and 1973/81 pending in the High Court of Delhi,

- 2. The ad-hoc appointment of Shi Rajendia Piakash Singh will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Rajendra Prakash Singh relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection Calcutta on the afternoon of 18th August 1983 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Engg.) in the office of Director of Inspection Mudras with effect from the forenoon of 23rd August, 1983.
- 4 This supersedes the earlier Notification issued vide DGS&D No. A-17011/106/76-A6 dated 21st September, 1983.

S. L. KAPOOR Dy. Director (Admn.)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 21st November 1983

No 9212B/A-19012(1-PJI)/82/19A.—Shri P. J Ittykunju. Senior Technical Asstt. (Geology), Geological Survey of India has been appointed on promotion as Assistant Geologist by the Director General, GSI in the same Department on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating

capacity with effect from the atternoon of 12th September, 1983 until further orders.

A. KUSHARI Drector (Personnel), for Director General

#### Calcutta 16, the 22nd November 1983

No. 9233B./A-19012(3-BB)/83-19B.—Mrs. Banani Banerjee has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- as the esae may be in a temporary capacity with effect from the torenoon of the 11th October 1983, until further orders.

No. 9252B/A-32013(AO)/80/19A.—Shri D. Vaideeswaran, Superintendent, GSI has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of nav of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28th April 1983 to 17th June 1983 (F.N.) against the leave vacancy of Shri R. Rajagopalan, Administrative Officer. Tamil Nadu Circle, Southern Region, GSI, Madras,

No. 9263B/A-19012(3-RS)/83-19B.—Dr. Rajan Singh has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on nay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-LB-40-1200 as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27th July 1983 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel) Geological Survey of India

#### INDIAN BURFAU OF MINES

Nagpur, the 22nd November 1983

No A-19011(337)/83-Fstt.A.—Shi R. B. Bhale. a Grade III Officer of the Indian Statistical Service, on his release from the post of Assistant Coal Controller (Statistics) in the office of the Coal Controller. Calcutta, assumed charge of the post of Deputy Mineral Economist (Statistics) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur with effect from the foremon of 24th October, 1983.

#### The 23rd November 1983

No. A-19012(175) '83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri P. V. Purohit, Assistant Administrative Officer (ad-hoc), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 10th November, 1983 on regular basis.

A. R. KASHAV
Senior Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines.

# DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 19th November 1983

No. 1'22/83-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. M. Sundaraj, Acett. CBS, AIR, Bangalore to officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at AIR, Jeypore (Orissa), w.e.f. 28th September 1983.

SMT. RUKMINI DAS GUPTA
Dy. Director Administration

for Director General

# MINISTRY OF AGRICULTURE

# (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

# DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINF AND STORAGE

Paridabad, the 31st October 1983

No. 7-3/83-Adm.1.—Shri D. V. N. Babu, Senior Technical Assistant (PP) of this Directorate is hereby appointed as Surveillance Office at Central Surveillance Station, Gauhatin the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1983 until further orders.

K. D. PAHARIA
Plant Protection Adviser
to the Govt. of India

#### Faridabad, the 24th November 1983

No. 7-33/83-Adm.1—The Plant Protection Adviser is pleased to appoint Shi S. N. Singh, Senior Technical Assistant of this Dte. as Plant Protection Officer (Entomology at Central Plant Protection Station, Dimapur (Nagaland) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th October, 1983 until further orders.

J. KRISHNA
Chief Administrative Officer
For Plant Protection Adviser
to the Govt. of India

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 16th November 1983

No. PA/79(1)/83-R-III/257.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Tanjore Yogender Prahalad Rao, permanent Upper Division Clerk, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of November 10, 1983 until further orders.

No PA/79(1)/83-R-IJI/257.—On transfer from Construction & Services Group, Bombay, Shri Unikat Ramachandra Menon Assistant Personnel Officer assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of November 10, 1983.

T, T. PISHORI Dy. Fstablishment Officer

#### Bombay-400 085, the 21st November 1983

No. S/1567/BOD/Fstt.I/3954.—Shri Tarakad Subbaroyan Subbaram relinquished charge of the post of Scientific Officer-Grade SB on 31st July 1983 (AN) consequent on superannaution.

N. V. RAMANAN Dy. Establishment Officer

### DIRECTORATE OF FSTATE MANAGEMENT

Bombay-400 094, the 19th November 1983

#### ORDER

No. 2/499/77-Adm.Vol.II.—WHEREAS Shri C. L. Bhagat, watchman in the Office of the Directorate of Estate Management. DAE, Bombay remained absent from duty unauthorisedly w.e.f. 1st September 1983.

AND WHFREAS a memorandum bearing No. 2/499/77-Adm. (Vol. II) dated October 3, 1983 was issued by Assistant Personnel Officer. DFM, directing the said Shri Bhagat to report for duty immediately.

28-376 GI/83

AND WHERFAS the said memorandum was sent by Registered post AD to the following last known addresses of the said Shri Bhagat:—

- Shri C, L. Bhagat Reddymani Terrace, 1st floor, Room No. 14, Worli Naka, A, B, Road, Bombay-400 018.
- (2) Shri C. L. Bhagat Potechi Chul, Zine Ali, Shivaji Road, Front of S. T. Stand, Panavel.

AND WHFREAS the said letter was returned by the postal authorities undelivered with the remarks "Not available/Not known" from both the addresses.

AND WHEREAS the said Shri Bhagat has continued to remain absent from duty and failed to inform the Directorate of Fstate Management of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Bhagat has been guilty of remaining absent and voluntarily abandoning the service.

AND WHERFAS because of his abandoning the service without keeping the Diretorate of Estate Management informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry and has come to the conclusion that Shri Bhagat is not a fit person to be retained in Government service.

AND NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under Rule 19(ii) of the CCS (CE&A) Rules. 1965 read with DAE Notification No. 22(1)/68-Adm II dated July 7, 1979 hereby removes the said Shrl Bhagat from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN Director

Copy to: Shri C. L. Bhagat
Reddymani Terrace, 1st Floor.
Room No. 14, Worli Naka, AB Road,
Bombay-400 018.
Shri C. L. Bhagat
Po'echi Chawl. Zine Ali, Shivaji Road,
Front of ST Stand, Panayel.

# DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-400001. (he 24th November 1983

No. DPS/2/1(27)/83-Adm. 37846.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. R. C. Nair, a nermanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- with effect from 7th November 1983 (AN) until further orders in the same Directorate.

P. GOPALAN Administrative Officer

### DFPARTMENT OF SPACE ISRO: SHAR CENTRE P& GA DIVISION

Sriharikota Range, the 25th November 1983

No. SCF: PGA,:ESTT/3:1:72—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Scientist/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until furher orders.

SI. No,	Name	Designation	Date of appointment
1	2	3	4
,	Shri Dakshina Mu	rthy . Sci/Engineer- SB	7-10-1983

1	2	3	4
2	K Nataraja	Sci/Engineer- SB	1-11-1983
3	J. V. Sastry .	. Sci/Engineer- SB	20-9-1983
4	J V. Alexander Raja		
	Singh	Sci/Engineer- SB	26-10-1983

RAJAN V GEORGE, Head, Personnel & General Admn for Director

# AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT Bangalore-560 017, the 8th November 1983

No 8/110 77-Admin—The Programme Director APSU hereby appoints Shri R Krishnamurthy in the Auxiliary Propulsion System Unit (APSU), Bangalore of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs, 650-30 740 35 810-EB-35-880 40-1000-EB 40 1200/- with effect from the forenoon of 1st October, 1983 and until further orders

A UNNIKRISHNAN Admn Officer

#### ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 0058, the 15th November 1983

No 020/3(061)A/083—Director ISRO Satellite Centre 19 pleased to promote the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders

SI No	Name	Post and Grade from which promoted	Post & Grade to which promoted	Date			
1	2	3	4	5			
S/Shri							
1	K Vijaya						
	Kumar	Scientific Assis- tant 'C'	Sci/Engineer- 'SB'	1-10-83			
2	G. Kullan	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer- 'SB'	1-10-83			
3	DS Rajen-						
	dra	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer- 'SB'	1-10-83			
4	Vittal Rao	Technical Assis- tant 'C'	Sci/Engineer- 'SB'	1-10-83			
5	TR Francis	Technial Assis-	Sci/Engineer-	1-10-83			
6	R D Thake	Technical Assis- tant 'C'	Sci/Engieer- 'SB'	1-10-83			
7	R Gopinath	Technical Assis-	Sci/Engineer-	1-10-87			
8	K Rathi-						
	nam	Technical Assistant 'C'	Sci/Engineer 'SB'	1-10-83			

H S RAMADAS, Administrative Officer II

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th November 1983

No A 32013 2/81 EC()—In partial modification of pira 2 of this Department's Notification No A 32013/2/81 EC(Pt) dated the 5th July, 1983, the period of expiry of ad hoc appointment of Shri J. C. Roy as shown at S. No. 14 of pira 2 may be amended to read as 31st October 1982 instead of 31st August 1982.

No A 12025/2 82 ES—On the recommendations of the Union Public Scivice Commission, the President is pleased to appoint S Shii D R Yaday and Lachhman Das as Airciast Inspectors in the Civil Aviat on Department with effect from 1st October 1983 and 4th Oc ober 1983 respectively

G B LÁL-Assistant Director of Administration

# DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 22nd November 1983

No 34/83—Shri K Ramanathan, Appraiser of Madias Custom House and lately working as Senior Analyst in the Directorate of Statistics and Intelligence, Customs & Central Excise New Delhi assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Headquatters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise New Delhi w ef 1st November 1983 (FN) vide this Directorate's letter C No 1041/50/83 dated 31st October 1983

A C SALDANHA Director of Inspection

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS (CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 25th November 1983

No 27-5/N(6)/77 FCII—The President is pleased to accept the notice of retirement dated the 18th October 1983 given by Shri N Natarajan, Superintending Engineer (Civil) of this department for voluntary retirement from service. Accordingly Shri N Natarajan retires from service with effect from 15th October 1983 (AN)

Smt NFENA GARG
Dy Director of Administration
For Director General (Works)

# MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY I AW BOARD

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of Bihar Medical Experts Polyclinic Private Limited Patna, the 2nd November 1983

No (1107)560/4747—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Bihai Medical Experts Polyclinic Private I td has this day been struck off the register and the said company is dissolved

A W ANSARI Registrat of Companies Bihar

In the matter of Companies Act, 1956 and of Kerala Clearing Agencies Private Limited Cochin-682011, the 24th November 1983

No 2273/I iq/560(5)/11233—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Com-

panies Act, 1956, that the name of Kerala Clearing Agencies Private Limited has this day been struck off the register and The said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN. Registrar of Companies, Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of Suraj Credit and Investment Private Limited Patna, the 24th November 1983

.No (1007) 560/306—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Suraj Credit and Investment Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Citizen Savings and Finance Private Limited

Patna, the 24th November 1983

No. (1018) 560/309.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Citizen Savings and Finance Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Jai Klsan Credit and Investment Private Limited

Patna, the 24th November 1983

No. (1150) 560/312.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jai Kisan Credit and Investment Private Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies, Bihar

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE -OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CRD/244/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

SCF No. 239, Mani Majra, UT situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ryow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mis, Neelam Khattai w/o Sh. Hatinder Kumar Khattar through her attoiney Sh. Raj Kumar S/o Sh. Harbhajan Khattar, r/o H. No. 255, Sector 9-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Singh Paul S/o Sh. Chuhar Singh r/o VPO Jandu Singha, Distt. Jalandhar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

SCF Site No. 239, situated in Mani Majra, UT, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1716 of March, 1983 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Rcf No. CHD/246/82-83.—Whereas. I, JOGINDER SINGH,

at Chandigarh in March, 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable prperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1225, Sector 34-C, situated at Chandigath. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that, the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maj. M. R. Sud (Retd.) S/o Sh. A. R. Sud 1/o II. No. 70, Rajindea Nagar, Jalandhar City. (Transferor)

(2) Sh. Des Raj Gandhi S/o Sh. Bhagwan Dass
(11) Smt. Shahni Devi w/o Sh. Des Raj
1/o H. No. 1623, Sector 22B, Chandigarh.
(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 1225, situated in Sector 34-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1725 of March, 1983 of the Registering Authority

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 14-11-1983

Chandigarh).

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CHD/249/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

SCF site No. 367, situated at Motor Market and Commercial Area Mani Majra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Gurmeet Singh S/o Sh. Sunder Singh r/o H. No. 3318, Sector 15-D. Chandigarh through GPA Sh. Sheel Kumar s/o Sh. Lakhmi Chand. SCF No. 10, cctor 10-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Sylvia Naresh Gill w o Naresh kumar Gill r/o H. No. 1098, Mani Majra UT, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCF Site No. 367, situated in Motor Market and Commercial Area, Mani Majra, UT, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1804 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHJANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref. No. CHD/240/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. SCF No. 8, situated at Sector 10-D, Chandigarh

(and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16"

in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) S/Shri Pawan Kumar, Inder Sagar, and Prem Sagar ss/o Sh. Lachman Dass r/o 616, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Jasbir SingH Sodhi,

Mrs. Santosh Kaur

(ii) Sh. Ajay Singh

4/0 524. Sector 10-D, Chandigarh.

(Transferce)

(3) Sh. Chander Mohan Khanna C/o M/s. Appu and Associates, r/o SCF No. 8, Sector 10-D, Chandigarh. M/s. Ludhiana Tent House, r/o SCF No. 8, Sector 10-D, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCF No. 8, situated in Sector 10-D, Chandigath.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1673 of March, 1983 of the Registering Authority. Authority. Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-11-1983

#### FORM ITNS----

(1) Smt Rajinded Kaur Bains w/o Sh. G. S. Bains 1/o 319, Masjid, South Extension Part II, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash Goyal S/o Sh. Paras Ram, 1/o 239, Sector 19 A, Chandigath

(Transferee)

(3) Sh. R. K. Chokkar Advocate, r/o H. No. 1199, Sector 8-C, Chandigath (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING I UDITIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref No CHD/238/82-83—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No 1199, situated at Sector 8-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in March, 1983

at Chandigath in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

H. No. 1199, situated, in Sector 8-C. Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 1665 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1983

FORM IT N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGL CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana the 14th November 1983

Ref. No. CHD 241/82-83—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No
Plot No 300 Sector 33 A
situated at Chandigath
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigath in March, 1983
for an apparent construction which is less than the fair
market value of the horsesaid property and I have recent to

market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— 29—376GI/83

Notes deputs to the all gap and two and principles of specimens and produced policy deputs of the contract of (1) Sh D k Sareen s/o Sh Vidya Bhaskar c/o M/s Sareen Flectric Trading Co Chaura Bazar, Ludhiana through Sh Hazara Singh Mehtab Singh 1/0 H No 10, Sector 19-A Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gulzai Singh S/o Shri Hazara Singh r/o H. No. 10 Sector 19-A. Chandigath (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I VPI ANA HON :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 300, situated in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1678 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigath.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date 14-11-1983.

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ref No CHD/7/83-84—Whereas, I, JOGINDI R SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No 'share of SCO No 827-828 situated at Sector 23.4 (Sectors)

22-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hareto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chindrenth in April 1983 for an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid propert yand I have reison to believe that the fair musiet value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

(1) I Sh Kishmii I il So Hakim Rai. Holjat 1/0 1615 Sector 18 Chandigarh

2 Sh Madan I al Harjat S/o Hakim Rai Hatjat 1/o H No 44 Sector 27-A Chandigarh.
3 Sh Ashok kumar S/o Sh Kashmæt I al

(Transferor)

(2) Smt. Rama Harjai w'o Sh. Krishan I al Harjai 1/0 44 Sector 27 A. Chandigath

(Transferee)

(3) Di O P Sharma Eve Specialist Punjab Land Development and Reclamation Corporation Ltd., Income tax Officer, Salary-cum Co Circle (Haryana) 1/0 SC() No 827-828 Sector 22-A, Chandigarh. (Person in occuration of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THI SCHEDULE

1 share of SCO No. 827 828 situated Sector 22-A, Chandigarh

(The property is mentioned in the Researching Vision April 1983 of the Resistering Vision Vision (Carrier Vision)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 14-11-1983.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Ret. No. KHR/46/82-83 —Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2419, situated at Phase 10, Mohali Teh Khaiar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khaiar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwan Devi W/o Sh. Kesho Ram 1/0 17, Sector 19-A, Chandigath through her General Power of Attorncy Sint. Antipal Kaur w/o Sh. Jagmohan Singh 1/0 209, Sector 9, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Jagmohan Singh S/o Sh. Harbans Smgh r/o 209, Sector 9, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 2419, situated in Phase 10. Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the Registered deed No 5421 of March, 1983 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-11-1983.

Scal:

### FORM ITNS----

(1) Sh Mastan Singh S/o Shri Isher Singh r/o Gobind Guli Fazilka.

(Fransferoi)

IPART III--SBC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt, Pritam Kaun w/o Sh, Hazura Singh i/o Vill, Khan Pui P. O. Patkhli Teh, & Distt, Ropar, or H. No. 164, Phase J, Mohali Teh, Kharar.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th November 1983

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Ref. No. KHR/45/82-83.--Whereas, J. JOGINDER SINGH.

22450

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
House No. 164. Phase I, situated at Mohali Teh. Kharar.
(and more fully described in the schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H No. 164, Phase I, Mobali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the Registered deed No. 5321 of March 1983 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-use
Acquisition Range, Ludhiang.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1983.

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 17th November 1983

Ref. No. LDH/295 82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share of shop No. B-VII-50, situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Arun Kumar Seth, Vipan Kumar Seth and Naveen Kumar Seth ss/o Sh. Om Parkash r/o B-I-1274. Rajinder Nagar. Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Krishana Rani W/o Shti Parduman Lal and Smt. Raj Rani w/o Sh. Narinder Lal r/o 86. Green Park, Civil Lines, Ludhiana,

(Transferee)

(3) M/s. Cheap Cloth House
 Sh. Naresh Kumar Kapila.
 Sh. Tejinder Kumar Kapila.
 B-VII-50. Chaura Bazar, Ludbiana.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

½ share of property No. B-VII. 50, situated in Chaura Bazar, Ludhiana,

(The property as mentioned in the Registered deed No. 16498 of March. 1983 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 17-11-1983

#### the second secon FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, FAYLOR ROAL, AMRITSAR

Amritsar, the 17th November 1983

Ret. No. ASR, '83-84 249,--Whereas I, C. S. KAIILON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property

situated at Model Iown, American tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsai on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/07
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

(1) Sart. Natinder Kauf w/o Shii Kaitai Singh, Chowk Pragdass. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Chaian Dass s o Shii Des Raj, Punjab Housing Colony, Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One property measuring 114.75 sq. yds., situated at Model Town, Amutsar, as mentioned in sale deed No. 18491 dt. 16-3-83 of Registering Authority, Amiitsai.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 17-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICF OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 17th November 1983

Ref. No ASR/83-84 248.—Whereas I. C. S. KAHI ON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

One property situated at Model Town, Amritsat (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amilisar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ough. 5 be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely —

(1) Shu Raghiyu Singh s o Sh Jaswant Singh, r o 17, Khalsa College, Amritsay

(Transferor)

(2) Sret Nahni Sharma d o Shri Ishar Dass Sharma, r o Fast Mohan Nagar Amritsar,

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above & tenants if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property incasting 114.75 sq. vds., situated at Model Town Amilisar, as mentioned in sale deed No. 18492 dt. 16-3-83 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHI ON. IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amrusar

Date: 17-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR 83 84/246,--Whereas 1. C. S. KAHLON,

IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

I and, situated at Near A B. College, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

S.R. Pathankot on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely —

(1) Smt. Ami\* Kaur wd/o Sh. Resham Singh, through Sh. Sansar Singh, s o Sh. Hakam Singh, General! Attorney, r o 209 Frit Nagar, Pathankot.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar s o Sh. Sudershan Lal, Near Mission High School, Mission Road, Pathankot

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- Land measuring 5 Kanals 2 marlas, situated near A.B. College, Pathankot as mentioned in sale deed No. 4040 dt. 30-3-83 of Registering Authority, Pathankot.

C. S. KAHI ON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsai, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/239 -Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

A plot of land,

situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983

on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice inder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ;--

30-376GI/83

(1) Srnt. Parkash Kaur w/o Shri Darshan Singh, v/o Radha Kishan Building, G.T. Road, Putlighar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumai s/o Shri Satya Pal

30. Rani-ka Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any,

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Rani-ka-Bagh, Amritaar, as mentioned in side deed No. 19025 dt. 30-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date · 3-11-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amiltsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR '83-84/240.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property,

situated at Garden Colony, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Amritsar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other passets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Rem Singh s/o Shri Hari Singh, 1/o 1 Garden Colony, R.B. Duni Chand Road, Amritsu.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Wati w/o Shri Chiman Lal Mehra, Gali Bag Wali, H. No. 1660, Katta Khazana, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S No. 2 above & tenants if any,
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property measuring 235 sq. yds., situated at Garden Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4571 dt. 27-6-83 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range?
Amrutsa

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR** 

Amritsar, the 14th November 1983

Ret. No. ASR/83-84/241.--Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. One plot of land,

situated at Basant Avenue, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amrtsar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Amritsar Improvement Trust, Amritear.

(Transferor)

22457

(2) S/Shri Rajınder Kumar Wahi, Kewal Krishan Wahi, Ravi Kumar Wahi and Vinod Kumar Wahi ss/o Shri Kesho Ram Wahi, r/o Gali Gusaian, Katra Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)
(4) Shri Amar Nath s/o

Shri Ganpat Rai, r/o 36, Ram Bagh, Amritsar.

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land situated at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 46 dated 31-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/242.--Whereas I, C. S. KAHLON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. A plot of land,

situated at Nirankari Colony, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income a sing from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act of the following persons, namely :--

(1) Sh. Harbans Singh s/o Sh. Hari Singn, Adda Nurdi, Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferor

(2) Sh. Gian Singh s/o Sh. Lachhman Singh. r/o Jeobala, Teh. Iaran Taran, Distt. Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 258 sq. yds., situated at Nirankari Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18926 dt. 25-3-1983, of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/243.—Whereas I, C S. LAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

A plot of land

situated at G.T. Road, Amritsan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on March, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Amarjit Kaur d/o Sh. Mohan Singh, r/o Chowk Karori, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Piare Lal s/O Shri Harji Ram r/o Vill. Kasail, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot measuring 114.75 sq. yds., situated Near Mayur Hotel, G.T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18785 dt 22-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/244.—Whereas f, C. S. KAHLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land,

situated at G.T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Davinder Kaur w/o Sh. Mohinder Singh, 16/12, Gagar Mal Road, Amritsar.

(4) Any other.

(Transferce)

(2) Smt. Kadash Kumari d/o Sh. Philauri Ram, H. No. 302, Husainpura, Amritsar.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) Ly any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 114.75 sq. yds., situated at Near Mayur Hotel, G.T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3561 dt. 15-6-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

1

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/245.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

A plot of land,

situated at G.T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amaijit Kaur d/ó Sh. Mohan Singh, r/o Chowk Kirori, Amritar.

(Transferor)

(2) Shri Mohinderpal s/o
 Shri Diwan Chand
 r/o Vill. Khyala Kalan,
 Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One plot measuring 114.75 sq. yds., situated Near Mayur Hotel, G.T. Road, Amritsar, as mentiloned in sale deed No. 3563 dt. 15-6-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/238.--Whoreas 1, C. S. KAHLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

A plot of land,

situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Perkash Kaur w/o Shri Darshan Singh r/o Radha Krishan Building, G.T. Road, Putlighar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumar w o Shri Satya Pal, 30, Rani-ka-Bagh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar mentioned in sale deed No. 1789 dt. 6-5-83 of Registering Authority, Amritsar.

> S. KAHLON, IRS C. Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

**Ref. No.** ASR /83-84/247.—Whereas I, C. S. KAHLON, **IRS**.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land, situated at Near AB. College, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
31—376GI/83

 Smt. Amrit Kaur wd/o Shri Resham Singh, through Sh. Sansar Singh s/o Sh. Hakam Singh, General Attorney, r/o 209 Prit Nagar, Pathankot.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Kumar s/o Sh. Sudershan Lal, Near Mission High School, Mission Road, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kanals 3 Maila, situated near A.B. College, Pathankot, as mentioned in sale deed No 4013 dt. 25-3-1983 of Registering Authority, Pathankot.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsan

Date : 14-11-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No ASR/83-84/221.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

One property, situated at East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nırmala Devi w/o Shri Vıshwa Nath, r/o Chowk Passian, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Gahele Industrial Corporation, East Mohan Nagar,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovation able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One property, situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 16 dated 31-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IBS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

Amutsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/222 —Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Hacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of structure

situated at East Mohan Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percent appears to the said Act, the said Ac ing persons, namely:-

(1) Sh. Kidar Nath s/o Sh. Kahan Chand, r/o Kucha Sewa Sial, Katra Dulo, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh Ashwani Kumai Partner in M/s Parbhat Ayurvedic Pharmacy, Katra Sher Singh,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share of structure, situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18095 dt. 7-3-1983 of Registering Authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date : 5-11-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Annitsar, the 7th November 1983

Ref. No. ASR/83-84 223.—Whereas I, C. S. KAHLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have retwon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A Plot of land,

situated at Rose Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. (Annitsa) on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Natinder Mohan s/o
 i 'o 15 Tailor Road,
 Sh. Chaman Lal, r/o 15, Jailor,
 Amitsar.

(Transferor)

(2) Sh. Vishav Bandu Khanna s/o Sh. Chuni Lal, Race Course Road,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thir notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land situated at Rose Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 106 dt. 31-3-1983 Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-la-Acquisition Range, American

Date: 7-11-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRIESAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref No. ASR/83-84/224.—Whereas, 1 C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing a plot land situated at Tilak Nagar, Amritsai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Gurmit Singh s/o Shri Atma Singh s/o Sh. Mala Singh, r/o Majitha, Amiitsat, through Sh. Kewat Kishan s/o Shri Madan 14l, 1/o Verka, Amritsar Attorney General.

(Transferor)

(2) Sh. Amai Singh s/o Shri Bansi Singh, t o Telephone Exchange, Amritsai.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used began as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq vds., situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18454 dt. 15-3-83, of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHI ON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amutsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1083

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amitsai, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/225.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing a plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Harpartap Singh s/o Sh. Harbans Singh s/o Sh. Sewa Singh, r/o Majitha, through Sh. Baldev Raj s/o Sh. Madan Lal, Attorney General.

(Transferor)

- (2) Sh. Daler Singh s/o Sh. Inder Singh, r/o Katra Moti Ram, Amritsar.
  - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A plot of land measuring 250 sq. yds., situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18453 dt. 15-3-83 of registering authority. Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1083

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/226.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Hardavinder Singh s/o Shri Harbans Singh, r/o Majitha, through Sh. Kewal Kishan s/o Sh. Madan Lal, Gali Badraon, Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Pushpa Wanti w/o Sh. Ram Parkash, r/o Katra Moti Ram. Amritsar.
  - (Transferee)
- (3) As at S. No 2 & tenants if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, mentioned in sale deed No. 18497 dt. 16-3-1983, authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mnaely:—

Date: 14-11-1083

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amitsar, the 14th November 1983

Ref. No ASR/83-84/227.—Whereas, 1 C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing a plot of land situated at Tilak Nagar. Amritsai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Ameitsar in March, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sh. Harpartap Singh s/o Sh. Harbans Singh r o Majitha, through Sh. Baldev Raj s/ Sh. Madao I al, Inside I ohgarh Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur w/o Sh. Mohinder Singh Rampuri, Kalka ji, New Delhi.

(Tiansferee)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring 216 sq. yds., situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18372 dt 14-3-83 of registering authority, Amritsar,

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/228.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely: 32—376GI/83

- (1) Shri Bakhshish Singh s/o Shri Atma Singh r/o Manjitha, through Sh. Karamjit Singh S/o Sh. Swaran Singh, 409, East Mohan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Anand Saroop Shingari s/o Sh. Ram Gopal Shingari, r/o 92-A, Lawrence Road, Amritsar.

  (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 38 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, as mentioned in sale deed No. 18603 dt. 8-3-83 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 5-11-1983

Scal;

# FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/229.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

a plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983

for ar apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. somely:-

- (1) Sh. Bakhshish Singh s/o Sh. Atma Singh, r/o Majitha, through Sh. Karemjit Singh a/o Sh. Swaran Singh, 409 East Mohan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Sarup Chadha s/o Sh. Ram Lubhaya Chadha r/o Katra Dulo, Gali Chah Wali, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

One plot of land, situated in Tilak Nagar, as mentioned in sale deed No. 18602 dt. 18-3-83, of registering authority, at Amritser.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar,

Date: 5-11-1983

# FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1983

Ref. No. ASR/83-84/230.—Whereas, I C. S. KAHLON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing a

plot of land situated at Vill. Pandori Warraich, Teh. Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritaar on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- S/Shri Kabal Singh, Malkiat Singh, Surinder Singh, Bakhtawar Singh Ss/o Sh. Massa Singh, r/o Vill. Pandori Warralch, Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s Oriental Processors, 2, Police Lines Road, Amritaar. (Transferce)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property).

(Person in occupation of the property) (4) Any other

Objections, if any, to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share of plot of land situated at Vill. Pandori Warraich, Teh & Dist. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18786 dt. 22-3-83 of the Registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Anthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date 1-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1983

Ref. No. ASR/83-84/231.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

one plot of land situated at Vil. Pandori Warraich, Teh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri Kabal Singh, Malkiat Singh, Surinder Singh, Bakhtawar Singh Ss/o Sh. Massa Singh, r/o Vill. Pandori Warraich, Teh & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s Oriental Processors, 2, Police Lines Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of plot of land situated at Vill. Pandori Warraich, Teh. & Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18787 dt. 22-3-83 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date 1-11-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th November 1983

Ref. No. ASR/83-84/232.--Whereas, I C. S. KAHLON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar

one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sham Sunder s/o Shri Madan Lal, Inside Lohgarh, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Dev s/o Sh. Sant Ram, Kucha Upplan, Guru Bazar, Amritsar.
  - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land, situated at Tilak Nagar, Behind Shivals Bhaiyan, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18207 dated 9-3-83 of registering authority, Amritsar.

> S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/233.—Wheeras, I C. S. KAHLON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

one plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Harpartap Singh s/o Sh. Harbans Singh, through Sh. Baldev Raj S/o Sh. Madan Lal, Gali Badraon, Lohgarh, Amritsar.

(Transferor)

(2 Sh. Mukesh Chand s/o Shri Ram Lal r/o Katra Kanahyan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18634 dt. 18-3-83 of regarding Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority\*
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amriust.

Date: 3-11-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/234.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

S.R. Amritsar in March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the gald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Harpartap Singh S/o
 Sh. Harbans Singh, through Sh. Baldev Raj S/o
 Sh. Madan Lal, Gali Badraon, Lohgarh,
 Amritaar.

(Transferor)

(2) Shri Shankar Lal S/o Sh. Devl Dayal, R/o Katra Sufaid, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar. Amriteer, as mentioned in sale deed No. 18635 dated 18-3-1983 of registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1983

Scal:

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD **AMRITSAR**

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/235.—Whereas I,

C. S. KAHLON, 1RS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing

No. One property, situated at Vill. Cheni, Teh. Batala,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at S.R. Amritsar in March 1983,
for an upparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than different per cent of such apparent consideration and the the consideraiton for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Sh. Jagir Singh S/o Shri Amar Singh, R/o Choney, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) Sh. Gurnam Singh S/o Sunder Singh R/o Choney, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur.
  - (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 & tenants if any.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property situated at Choney, Teh. Batala, as mentioned in sale deed No. 6481 dt. 8-3-1983, of registering Authority, Batala.

> C. S. KAHLON, IRSC Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritear

Date: 3-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/236.--Whereas I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--33-376GI/83

(1) Sh. Shadi Lal S/o Shri Sohan Lal R/o Lohgarh Gate, Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh S/o Shri Jit Singh, 558 East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land situated in Tilak Nagar, Circle No. 110, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 18637 dt. 18-3-83 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1983

Ref. No. ASR/83-84/237.—Whereas I, C. "S."KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in March 1983,

feets m, apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for other purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 Sh. Ashok Kumar S/o
 Om Parkash r/o Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar \$/0 Shri Ram Parkash, 1/0 Bombay Wala Khu, Amritsar.

(Transferee)

(2) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition, of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land situated in Filak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No 18636 dated 18-3-1983, of registering authority, Amritsar

C S KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-11-1983

Seal;

 M/s. S. P. Constructions, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kavathar Jagjivandas Rai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BQMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref.: No. AR.II/37EE/919/82-83 —Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the saul Act), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs 25 000 and 1961 by the lair market value exceeding

Flat No. 2, 4th floor, CS No. 59 Hissa No. 2, CTS No. 1238, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-400068

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov+ i able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, 39 are defined in Chapter XXA of the raids.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, C.S. No. 59, Hissa No. 2, C.T.S. No. 1238, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-400068. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A.R II/938, dated 22-3-1983.

R K BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

Seal.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE,

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn Range-I/37EE/253/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 51, New Shangrilla CHSI situated at Colaba
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority, Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Roshan Phiroze Mistry,

(Transferor)

(2) Mrs. Nurunissa Gulam Hussain Versey and Mr. Naushad Gulam Husain Versey.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, New Shangrilla Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. Colaba Post Office, Colaba, Bombay-400005. The Agreement has been registered by he Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/238/82-83 dated 25-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-11-1983

(1) 1. Pratapsingh K. Ashar 2. Smt. Pushpaben R. Ashar 3. Mahcsh P. Ashar

4. Sudha Mahesh Ashar

 Kiran P. Ashar
 Harsha K. Ashar 7. Ketan K. Ashar 8. Kulin P. Ashar

Smt. Ratanbai G. Ashar

10. Ranjit G. Ashar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 11

(2) M/s. Amar Builders & Developments Pvt. Ltd. (Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/4873/83-84.—Whereas, I. R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1390 and 1/1382 of Lower Parel Division situated at Senapati Bapat Marg

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Bombay on 19-3-1983 Document No. Bom.537/81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom-537/81 and registered on 19-3-1983 with the Sub-Registrar, Bombay.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 11-11-1983

(1) M/s. R. B. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) M/s. C. & A. International Pvt. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, вомвач .

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-1/37EE/241/83-84.—Whereas, I. R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax, iAst, 1964, (43, of 1961) (hereinafter referred to an the haid Act) have reason to believe that the immov-Reproperty, having a fair market value exceeding Reproperty, having a fair market value exceeding Reproperty, and bearing No. 12. Unit No. 402, Shiv Industrial Estate situated at Parel Road Cross Lane

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 17-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any or the accression persons wurnin a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as shall have the same meaning as given in that .. Chapter.

# THE SCHEDULE.

Unit No. 402, Shiv Industrial Estate, Parel Road Coss Lane, Byculla, Bombay-400013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/235/82-83 dated 17-3-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 111-11-1983

Sear ::

(1) Shah & Nahar Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jay Datt Spring Works.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. Acqn Range-I/37EE/245/83-84 -- Whereas, I,

R K BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No 325A, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate

situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namély:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property, within 45, days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No 325A, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate, Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400013 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No Acqu. Range-1/226/82-83 dated 17-3-1983.

> R K BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/230/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 3, Gulmarg Aparments situated at Dadar has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respec of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Kiran M. Desai.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vimlchand Rajmalji2. Shri Panibhai Rajmalji

(Transferee)

(3) Dr. Kiran M. Desai. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the esaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Gulmarg Apartments, K. W. Chitale Road, Dadar, Bombay-400028. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/184/82-83 dated 7-3-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date: 11-11-1983

(1) Smt. Kamlesh Kishinchand Manik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mkr Frozen Food Exports (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Madan Abbott. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 11th November 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acqn. Runge-I/37FF/221/83-84.—Whereas, I.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

> I YPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

and bearing No. Flat No. C-12. Ananta CHSI situated at Off Ward Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority has been transferred under the Registration Act 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-3-1983 at Bombay on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. C-12, 12th floor, Ananta Co-operative Housing Society Ltd., Dr. Rajaballi Patel Road, Off Warden Road, Bombay-400026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqu. Runge-1/209/82-83,—dated 16-3-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the offersald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ... 34--376GL/83

Date: 11-11-1983

(1) Mrs Sunita Jagmohan Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Mohamed Ilyas Mohamed Idris & Mohamed Nazir Mohammed Idris &

Transferee(s)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BOMRAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/312/83-84.—Whereas, I, R. K. BAOAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Flat No. 1203, Jogani Aparments situated at Doongersshi Lan2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1203, 12th floor, Iogani Apartments, Doongershi Lane, Bombay-400006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, Serial No. Acqn. Range-I/208/82-83 dated 11-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-11-1983

(1) Shri Shrikant Vasudev Nayak and

(Transferor)

Smt. Shama Shrikant Navak. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Geera Kalanjee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, **BOMBAY**

Bombay, the 9th November 1983

Ret. No. Acqn. Range-I/37FE/169/83-84.—Whereas, I,

K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 85, 'Shangrilla', situated at Colaba

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto) under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering office at Bombay on 2-3-1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to vay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 85, 8th floor, Shangrilla, Opp. Colaba Post Office, Bombay-400005. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/172/82-83 dated 2-3-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-11-1983

(1) Mrs. Rachel Rusva Bhathana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nozer Ruci Wadia and Ratan Jamshed Batlibor. (Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 11th November 1983

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as. are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given

Ref. No. Acqn. Range-1/37EE 237/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office Premises No. 404 Kemps Corner Om Chambers, and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 404, 4th floor Om Chambers, Kemps Corners, Bombay-400036. The Agreement has been registered h the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/229/82-83 dated 17-3-1983.

> **R. Κ. ΒΑ**QΛΥΑ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 11-11-1983

FORM ITNS----

(1) Shii Nareshkumai Viimani.

(Transferor)

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shii Shekhar Shieesh Talwalkat and Smt Poornima Shekhai Talwalkat.

whichever period expires later;

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-FAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

ACQUISITION RANGE-U, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 11th November 1983

publication of this notice in the Official Gazette.

Ret, No A R 11, 371 1 /831, 82-83 —Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat A/4, Asha Building Dixit Road, Viele Parle (E), Bombay-400457 situated at Vile Parle (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 5-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefol by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the Lacility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Plat No. A/4, "Asha Building" Dixit Road Vile-parle (Fast) Bombay-400057. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II/786, dated the 5th March, 1983.

R K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1983

(1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) M s. B. I. Panchal & Sons.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-L

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE 200 '83-84,---Whereas, I. R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 447, Kewal Industrial situated Ferguson Road and more fully in the schedule annexed hereto), had been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officet at

at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 447, 4th floor, B Building, Kewal Industrial Estate, 1 erguson Road, Paiel, Bombay-400013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S tial No. Acqn. Range-1/183, 82-83, dated 7-3-1983

R, K, BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/196/83-84,—Wheras, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office Premises No. 11, 9th floor, Fmbassy Centre. & One Car Parking Space

situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the IT. Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Aarts Module International Pvt. Ltd.
(Transferor)

(2) M's. Khaitan Holdings Corporation

(Transferee)

(3) M/s Aarts Module International Pvt Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 11, 9th floor, & Car Parking space No. 28, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/180/82-83 dated 2-3-1983.

R. K. BAOAYA

Inspecting Assistant (

Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR.-II/37EF/826/82-83.--Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. A/4, Bldg. No. 2 of Juhu Apartments Coop. Housing Society Limited. Juhu Road Juhu, Bombay 400 049 situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the LT Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmne to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M18. Utsuln Fernandes

(Transferor)

(2) Mis. Ayesha alias Anne Rebelb.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Peston in noccupatoin of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A'4 on the ground floor of Bldg No. 2 of Juhu Apartments Cooperaive Housing Society Limited, Juhu Road, Juhu, Bombay 400049. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II'964 dated 26-3-1983.

S II. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-11-1983

(1) Thakurdas Udhawades Rajpal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR-2/37EE/988/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 11, Ajay Shopping Centre stiuated at Lady Harding Rd.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the 1.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—.

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-35--376GT/83

(2) Kakubhai B. Shah.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground floor, Ajay Shopping Centue, Lady Hardinge Road, Bombay-400 016. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/928, dated 21-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date : 9-11-1983 Seal :

(1) M/s. R. B. Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M's C & A International Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/242/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 401, Shiv Industrial Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !!ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 401, Shiv Industrial Estate, Parel Road Cross Lane, Byculla, Bombay-400 013, The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN RANGE-I/228/82-83 dated 17-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date . 11-11-1983

Scal:

#### FORM ITNS--

(1) Shri Minoc A Pardiwalla

(Transferor)

(2) Mr. K. Vishnumurthi Shet

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-1/37EE/195/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

As. 25,000/- and bearing it in market value executing As. 25,000/- and bearing it in Fremises Co-op. Hig. Society Ltd. situated at Kashinath Dhuru Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, 'Silver Grill Premises Co-op. Hsg. Society Ltd., 25A Kashinath Dhuru Marg, Bombay-400 028. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/189/82-83 dated 7-3-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-11-1983

(1) Shri Anthony Joseph Pattathu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR.II/37EE/826/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 22, Green Park Bldg. No. 3 situated at Orlem (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 5-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sha Ferdinand Joseph D'Souza

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 22, Green Park Bldg, No. 3, Relief Road, Orlem, Nalad (W), Bombay 400 064. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-II/783 dated 5-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 9-11-1983

Scal':

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

AR-II, 57 EE/1020/82-83.-Whereas, I, S. II. Ret. No. AR ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, Bldg. No. 3, Green Park Co-operative Housing

Society Limited situated at Orlem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any monkeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is ue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Anthony Joseph Pattathu
- (Transferor)
- (2) Shi K. K. Devassy

(Transferee)

- (3) Transforce (Person in occupation of the property)
- (4) Tarnsferee (Person whom the undersigned knows to be interested in the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto

The terms and expressions used hereives as are defined in Chapter XXA of the sai EXPLANATION: -The terms and expressions Act, shall have the same meaning as givein that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Bldg. No. 3, Green Park Cooperative Housing Society Limited. Linking Road, Orlem Nalad, Bombay 400 064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/957, datde 24-3-1983.

S H ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 9-11-1983

Scal :

(1) Smt. Matuben Sakerial Shah and Smt. Navalben Bechardas Merchant

(Transferor)

(Transferee)

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Ref. No. AR.II/3518/82-83.—Whereas, J. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)and bearing No.

Property situated at 5th Road, Khai, Bombay C.S. No. 798, together with building bearing Nos. 66, 67A, 67B,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Smt. Sabira Akbar Hussein Abdulla Mistry,

(Person in occupation of the property)

(3) Transferee & Tenants.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2212/81 and registered on 15-3-1983 with the Sub-Registrar,

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-11-1983

(1) M/s. Shah & Naher Associates

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later,

(Transferor)

(2) M's Decorate

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/218/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Unit No. 120, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-I situated at Lower Parel Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the IT Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the spid Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 120, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel, Bombay-400 012. The Agreement has been registered by the competent authority Bombay under Serial No. ACQN RANGE-I/191/82-83 dt. 9-3-1983

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/346/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 10, 3rd Floor Guide Apartment, Empire Guide C-op. H. Sec. Ltd. situated at Nepean Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of 'the Competent Authority Competent Authority Bombay on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Santosh Firoze Dalai

(Transferor)

(2) Shri Kuldipsingh Dayalsingh

(Transferee)

(3) Shri Kuldipsingh Dayalsingh

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Guide Apartment, Empire Guide Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 16, Nepean Road, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/217/82-83 dated 26-3-1983.

R. K. BAQAYA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 11-11-1983

Seel :

(1) M/s. Shah & Nahar Associates

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferoi)

(2) M/s. Mod Creations

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/219/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Unit No. 317A. 31d floor, Shah & Nahar Industrial Estate
A-I situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 9-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---36-376GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 317A, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel, Bombay-400 012. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-I/190/82-83 dated 9-3-1983,

> R. K. BAQAYA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I,
> Bombay.

Date: 11-11-1983

(1) Smt Kamala S. Somani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. M. Q. Dalvi & Mrs. S. Dalvi

(Transferce).

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/232/83-84.--Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 15, Shantiniketan situated at Marine Drive, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 21-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 15, Shantiniketan, 2nd floor, 95-A, Marine Drive (Netaji Subash Road) Bombay-400 002. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/214/82-83 dt. 21-3-83.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
>
> Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

22505

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 9th November 1983

Ref. No. AR-II, 37EE/1054/82-83,—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 17, Jay Koteshwar, Nagar Co-operative Housing Society Limited, Plot No. 69,

Haji Bapu Road, Malad (E) Bombay

situated at Malad (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. R. Hariharan.

(Transferor)

(2) Pushapben Ramji Joshi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, sif any, to the acquisition of the said property may be made ni writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hat No. 17, 4th floor, Jay Kotcshwar Nagar Co-operative Housing Society Limited, Plot No. 69, Haji Bapu Road, Malad (East), Bumbay-400064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/982 dated 28-3-1983.

> S. II. ABBAS ABIDI Competent Authorrity Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 9-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/193/83-84.—Whereas, 1,

R. K. BAQAYA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 13, 31d floor, Enterprise Co-operative Society Ltd. situated at Prabhadevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bias been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Inconic-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 7-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Nina Printers.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra K. Mehta and Arun Kumar R. Mehra.

(Transferee)

(3) M/s. Nina Printers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 13, 31d floor, Enterprise Co-operative Society Ltd., Prabhadevi, Bombay-25. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-I/187/82-83 dated 7-3-1983.

R K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date ; 11-11-1983

Senl :

(1) M/s Bhandari Crossfields Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

(2) M/s. Kantılal Manılal Shah.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-1/37EF  $^{\prime}240/83-84$  —Whereas, I. R. K BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Room No. 5, Embassy Centre situated at National Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 5, 11th floor, Embassy Cenre, Nariman Point, Bombay-400621. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-1/225/82-83 dated 17-3-1983.

R K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bombay

Date: 11-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 11th November 1983

Ref. No. Acqn. Range-I/37EE/247/83-84.--Whereas, I,

R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Shop No. 4, Gulmarg Apartments situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority, at Bombay on 28-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Kiran N. Desai,

(Transferor)

(2) I. Smt. Sukankumari Devrajji

2. Smt. Chepakumari Neshkumarji.

(Transferee)

(3) Dr. Kiran M. Desai.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4. Ground floor, Gulmarg Apartments, K. W. Chitale Road, Dadar, Bombay-400028. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-1/220, 82-83 dated 28-3-1983.

> R K. BAOAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namtly :--

Date: 11-11-1983

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE, 851/83-84.—Whereas, I. R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Icome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lummovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Building known us 'Saurabh' with land situated at Andheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Gobind K. Daryanani. Proprieor of— M/s, Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(2) Andheri Municipal Staff Saurabh Co-op. Hsg. Society Limited.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Tranferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as 'SAURABH' with land bearing Plot No. 8. Original Survey No. 121, C.T.S. No. 1176 (Pt.) Versova, Andheri (West) Bombay-400058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, under erial No. Acqn. Range-111/864/82-83 dated 25-3-1983.

R K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMPITAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref No AR-III/37FF/853 82-83 - Whereas, I A LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Flat No 3 Hem Darshan Hem-Darshan Co-op Hsg Soc

Itd Off Di D P Road Muland Bombiy 80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 25-3 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Bablabai Vishiji Tanna and Shir Vinodkumai Visanu

(Transferor)

(2) Mi Tavji Mavji Chothani

(Transferee)

(3) Mi Tavji Mavji Chothani (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THF SCHEDULF

Flat No 3 Hem Daishan, Hem Darshan Co-op. Hsg Soc. Itd Off Dr R P Road Mulund (W) Bombay-400080 The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No Acqn-III/518/82-83 in March 1983.

> A LAHIRI Competent Authority Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date 14-11-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR.III/37EE/809/82-83.-Whereas, I, A. LAHIRI

A. LAHIRI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 4, Ground floor, "Sunny Side", Plot No. 355, Four
Bungalows Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-31983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Mr. Lokhandwala Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Mohamed Zaheeruddin.

(Transferee)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, "Sunny Side", Four Bungalows, Oshiwana, Andheri (W), Bombay-58. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sl. No. Acqn. Range-III/847/82-83 dated 16-3-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-37---376GT/83

Jate: 14-11-1983

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/818/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 10, 'SUN SWEPT' Building situated at Versova (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 14-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) M/s. Lokhandwala Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Seema R. Keswani and Shri Ram Keswani.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 d<sub>-,5</sub> from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10, Ground floor, 'SUN SWEPT' Building, Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W) Bombay-400058. The Agreement has been registered by the Competen Authority Bombay, under Serial o. Acqn. Range-III/848/82-83 dated 14-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay

Date: 14-11-1983

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Ms. Lokhandwala Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur,

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUSITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/817/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 12, Ground floor, SUN SWEPT Building situated

at Versova

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground floor, 'SUN SWEPT' Building, Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri(W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-III/863/82-83 dt. 16-3-1983,

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 14-11-1983

- (1) M/s. Shiv Shakti Builders.
- (Transferor)

SECUTION ACODAL OF THE INCOME

(2) Mrs. Lilawati B. Deshmukh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUSITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1983

Ref. No. AR.III/709/83-83.—Whereas, I, S.H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Shed No. 140, Phase No. 3 Shiv-Shakti Industrial Estate, Marol Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the LT. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 140. Phase No. 3 of Shiv-Shakti Industrial Estate, of Marol Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri, Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Auhority under serial No. AR-III/753/82-83 dt. 7-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 1-11-1983

Seal ;

22515

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mr. Karawadia Rajnikant Jethalal

(Transferor)

(2) Mrs. Amirbanu Noorali Bhayani, Mrs. Amirbanu Noorali Bhayani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUSITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/730/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. G-61 New Ambivili Co-op. Housing Society Ltd. Veera Desai Road, Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(3) Mrs. Amirbanu Noorali Bhayani.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Flat No. G-61 New Ambiviali Co-op. Housing Society Ltd. Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay, under Serial No. ACQ-III/780/82-83 in March, 1983. (8-3-1983).

S. H. ABBA ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 14-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF PROOME-TAX

ACQUSITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/641/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No .4, 'Jupiter-I' situated at Andherl(W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Auhority, Bombay on 3-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) National Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Wadhwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

· Flat No. 4, 1st Floor, Jupiter-I, Village Versova, Andheri-(West), Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Seriol No. Acqn. Range-III/712/83-84 dt. 3-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 15-11-1983.

(1) M/s. Shiv Shakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pharma Off Set.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUSITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1983

Ref. No.AR-III/37EE/633/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Industrial Shed No. 265. Shiv-Shakti Ind. Estate, Marol Village, Off. Andheri Kurla Road Andheri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacflitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 265, 2nd Floor, Phase No. 3 of Shiv Shakti Ind. Estate, Marol Village Off. Andheri Kurla Road, Andheri. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-JII/69/82-83 1-3-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Shabbirali H. Virji.

(Transferor)

(2) Mr. Mirza Mohd. Jawad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/776/83-84.--Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 22, 2nd floor, Gautam Niwas Co-op. Hsg. Society Ltd. situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the larties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 22, 2nd floor, Gautam Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Near 7 Bungalows, Andheri (W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range-III/817/82-83 in March, 1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1983

(1) SBI Employees Mithila Co-op. Housing Society.
(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/705/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B-10, 4th floor, SBI Employees 'Mithila' CHS situated at Andheri (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—
38—376GI/83

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-10, 4th floor, SBI Employees 'Mithila' Co-op. Housing Society, Caesar Road, Amboli '7illage, Andheri (W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay, under Serial No. Acqn. Range 111/750/82-83 dt. 7-3-1983.

VIIAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 14-11-1983

#### FORM ITNS ....

(1) 1. Smt. Vidyaben Chandrakant 2. Smt. Deviben Rameshbhai

3. Smt. Sunandaben Sanatkumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) 1. Shri Pravinchandra R. Raiyani
 2. Smt. Jyotsna P. Raiyani

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11the November 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/277/83-84,—Wherens, I R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Office No. 4B-2, situated at Marine Lines Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec-269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-3-1983

Rs. 25,000/- and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 4B-2, 4th floor, Court Chambers, 35, New Marine Lines, Bombay-400 020. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. ACQN.RANGE-I/221/82-83 dated 28-3-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-II/3520/82-83 —Whereas I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 1277 of T.P.S. IV, Mahim, C.S. No. 9182/11 of Mahim Division situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 17-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration forefor by more than fifteen per cent of such apparent onsideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pandit and Company.

(Transferor)

(2) Prabhadevi Himagiri Co-op. Hsg. Society Ltd. (Transferee)

Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2445/81 and registered with the Sub-registrat, Bombay, on 17-3-1983.

S. H. ABBAS ABIDT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/864/82-83.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Unit No. 22, Ghatkopar Indl. Estate stituted at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Granent (Export) Manufacturing Co.

(Transferor)

(2) 1. Control (India).2. Mrs. Shobha I Gurshani.

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 22, 'C' Building, Ground floor, Ghatkopar Industrial Estate, Bombay-400 086. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Sr. No. ACQN.RANGE-III/535/82-83, dated 25-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-11-1983

(1) Mrs. Kusum S. Lokhandwala,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Subhash Vamanrao Kadam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/905/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shed No. 205 2nd floor, 'Shiv Shakti' Industrial Estate Marol Village Andheri (E) situated at Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any hacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 205 2nd floor in Shiv Shakti Industrial Estate, Marol Village. Andheri (East) Bombay-400 059. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-III/843/82-83 in March 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-11-1983

(1) National Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Chaturgauri Haridas & Rajendra Harldas Shah..

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/898/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 3, Jupiter-I situated at Andheyi (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Auhority, at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st illoor, Jupiter-I, Versove Cross Road, Off Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/851/82-83, dated 25-3-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 15-11-1983

persons, namely :-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37FF/769/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 7, 2nd uoor Shreeji Co-op. Hsg. Society Ltd., Kesar Baug, Mulund (E) situated at Bombay-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 8-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Leena Veronica D'souza.

(Transferor)

(2) Mr. Shantaram Atmaram Ghag.

(Transferee)

(3) Mr. Shantaram Atmaram Ghag.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Shreeji Apartment building, Mulund (E) Bombay-400 081. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN-III /811/82-83. on 8-3-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/680/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Industrial Gala, 114 K. K. Gupta Industrial Estate Opp. Jawahar Talkies, Mulund (W) situated at Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 3-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hemlata Kapurchand Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Visa Plastic Industries.

(Transferee)

(3) M/s. Visa Plastic Industries.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Industrial Gala, 114, K. K. Gupta Industrial Estate, Opp. Jawahar Talkies Mulund (W), Bombay-400 080. The agreement has been registered by the Copetent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN-III/695/82-83 on 3-3-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-11-1983

#### FORM NO. I.T.N.S .--

Shiv Shakti Builders.
 Mrs. Bharati S. Shah.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st November 1983

Ref. No. AR3/37EE/710/82-83.—Whereas, J. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra 25,000/- and beairing

Industrial Shed No. 59 Phase No. 3 of Shiv Shakti Industrial Estate, Marol Village, Off. Andheri Kurla Road, Andheri, situated at Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than I'm per cent of such apparent consideration and that the obsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 59, Shiv Shakhi Industrial Estate, Of Marol Village Off. Andheri Kurla Road, Andherl, Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority under Serial No. AR-III/754/82-83, dated 7-3-83.

S. H. ABBAS ABIDL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Date: 1-11-1983

Seal:

-376GI/83

(1) M/5. Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Shri Anirudh Prasad Dubey.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/856/82-83.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 1 Laxmi Niwas, Zaver Road, Mulund (W)

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-vaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Laxmi Niwas, Zaver Road, Mulund (West), Bombay-80. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/855/82-83 dated 25-1-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

Date: 14-11-1983

Scal:

#### FORM TINS---

#### (1) J. Dossa Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravichandra V. Manek.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) J. Dossa Enterprises.
(Person in occupat

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Вольау, the 14th November 1983

Rel. No. AR-III/37EE/870/82-83.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 5 the Sail Act), blace leason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing l'lat No. 3, 4th floor, Dhiraj Apartment, Shanti Bhawan J.D. Road, Mulund (W) situated at Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority, at Bombay on 25-3 83 for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Dhiraj Apartment (Annexe) Shanti Bhawan, J.D. Road, Mulund (West) Bombay-400 080. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.III/844/82-83 in March, 1983.

A. LAHIRE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1983

(1) National Enterprises

(Transferor)

(2) Smt. Suhasini Vikas Kerkar.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Rel. No. AR-III/37EE/808/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

Flat No. I Jupiter-Il situated at Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 1, 2nd floor, Jupiter-II, Versova Cross Road, Off Four Bungalows, Andheri (West) Bombay400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-III/852/82-83, dated 16-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR.III/37EE/811/82-83.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

Rs. 25,000/- and Shop No. 5, Ground floor, Sun Swept Plot No. 353, Four Bunglow Oshiwara, Versova, Andheri, Bombay-58 situated at Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scetion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Lokhandwalla Development Corput (Transferor)

(2) Mr. Mohamed Iqbal Mohd, Hussain.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Not applicable.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Building Sun Swept Plot No. 353 Four Bungalows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sl N.o. ACQN. RANGE-III/846/82-83 dated 14-3-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Rer. No. AR-III/37EE/950/82-83.-Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 105, 1st floor situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

of the Competent Authorniy
at Bombay on March, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) National Enterprises.

(Transferor)

- (2) Shri Augustine Gomes & Smt. Alpana Gomes. (Transfereo)
- (3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Versova Cross Road, Off 4 Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400 058. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/854/82-83 in March, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pe sons, namely :-

Date: 14-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombuy, the 14th November 1983

Ref. No. AR-HI/37EE/810/83 84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop No. 14, Gr. floor, 'Sunny Side' Building situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

of the Competer Authorny at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M.5. Lokhandwalla Development Corporation.

(2) Mrs. S. Y. Sakorwalo & Mt. Y. A. Sakarwala. (Transferec)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Not applicable.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 14, Ground floor, Building 'Sunny Side' situated at plot No. 355 of S. No. 41 (Part) Four Bungalowa Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. ACQN. Range-III/849/82-83 dated 3-83.

> VIJAY RANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombtsy, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37FF /701/8?-83.---Whetens I, A. IAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ground floor, Sadguru Khedekar Baba Shramik Co-op. Housing Society Ltd. situated at Bhandup

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandrashekhar Shridhar Charatkar.
(Transferor)

(2) Shii Mahadeo Narayan Ghadi

(Transferce)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

(4) Transferec.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground floor, Sedguru Khedekar Baba Shramik Co-operative Housing Society Ltd., Sai Takdi, Tembi Pada Road. Bhandup, Bombay-400 078. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/746/82-83, dated 10-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-11-1983

(1) Vastu-Shilpa Co-op. Housing Society Limited. (Transferor)

(2) Shi R B, Kanvinde.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSOINER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-IV, 37EF/713/82-83.—Whoreas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat on Ground floor situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partirs has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; ,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat on Ground floor, Village Ambivali, Off Caesar Road, Andheri (West). Be mbay-58 The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/281/82-83 dated 7-3-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-40-376GI/83

Date : 14-11-1983 Scal :

FORM I.T.N.S.———

(1) National Enterprises,

(Transferor)

(2) Shri Shareef Mohamed,

(Transferce)'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 15th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/944/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Flat No 5, Jupiter-III situated at Andheri (W) (and more fully described in the Schedule tannexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd floor, Jupiter-III, Versova Cross Road, Off Four Bungalows Road, Andheri (West), Bombay-400058. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-III/853/82-83 dated March, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-3, BOMBAY

Bombay, the 14th November 1983

Ref. No. AR-III/37EE/765/82-83.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Shop No. 1, Ground floor, Meera Shyam, Gaushala Rd., situated at Mulund (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on Murch, 1983 (8-3-1983)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Navalben Vishanji Nagda and Shri Vishanji T. Nagda.
- (2) Shri Ponoada Madhavan Vijayan.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. I, Ground floor, Meera Shyam, Gaushala Rd., Mulund (West), Bombay-400 080. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN-III/808/82-83 dated 8-3-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-11-1983

#### FORM IT.NS. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sadananda Sen, Shri Satyanarayan Sen.

(Transferor)

(2) Shri Abhoy pada Santra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Caclutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1352/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

74 situated at Nabin Krishna Ghosal Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-6ch-more or less situated at 74, Nabin Krishna Ghosal Road, Calcutta. Regd before S.R.A., Calcutta vide deed No. 2350.

S. K. CHAUDHURE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Ajit Kumar Bose, Shri Somenath Bose, Shri Satinath Bose.

(2) M/s. Harsh & Co.,

(Transferor)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Caclutta, the 14th November 1983

Ret. No. 1353/Acq.R-111/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 58-A situated at Pudda Pukai Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Calcutter on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27-of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Pudda Pukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2616.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Caclutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1354/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58-A situated at Puddapukur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely •

- (1) Smt. Amita Basu, Kumari Jayanti Biswas, Kumari Ratna Biswas, Shri Sankar Narayan Biswas & one other. (Transferor)
- (2) M/s. Harsh & Co.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 0.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Pudda Pukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2617.

S. K. CHAUDHUI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983

Soal

(1) Smt. Shanti lata Chaudhuri.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Harsh & Co.,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Caclutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1355/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58-A, situated at Puddapukur Road, Calcufta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Puddapukur Road, Calcutta, Registered before R.A. Calcutta vide deed No. 2618.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1983

(1) Smt. Gouri Bose.

(Transferor)

(2) M/s, Harsh & Co.,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Caclutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1356/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58-A situated at Puddapukar Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Pudda Pukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2619.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983

Scal:

(1) Smt. Sncha Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Haish & Co.,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Caclutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1357/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 58-A situated at Pudda Pukar Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th Share in two storied brick built building together with 9.73 Cottahs of land being Premises No. 58-A, Puddapukur Road, Calcutta, Registered before R. A., Calcutta vide deed No. 2620,

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
41—376GI/83

Date: 14-11-1983

22544

FORM ITNS

(1) Smt. Maya Ghosh.

(Transferor)

(2) M/s Harsh & Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. 1358/Acq.R-III/83-84.—Whereas, I S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 58-A situated at Puddapurur Road, Calcutta,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 16-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Obections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in two storeyed brick built building together with 9.73 cottahs of land being premises No. 58-A, Puddapukur Road, Calcutta, Registered before R.A. Calcutta vide deed No. 2621.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983

(1) The Delhi Registered Stock Holders (Iron and Steel) Association Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pratima Sarkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1983

Ref. No. 1348/Acq.R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

1A Flat No. 22 situated at Ballygunge, Circular Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDUE

Flat No. 22, on 1st floor at 1A, Ballygunge Circular Road, Calcutta Regd. before SRA C lcutta, vide Deed No. 2069.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-1983 Seal:

Seat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-111 CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1983

Ref. No. 1349/Acq.R-III/83-84.--Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1C. (Flat No. E) situated at Ballygunge Circular Road,

Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 30-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Mrs. Lalo Puri, Raghu Raj, Puri, Ved Prokash Mehta, Pradip Mehta, Prithvi Raj Bakshi, Pradeep Raj Bakshi all partners of Tinwald Properties. (Transferce)
- (2) Maharashtra Parivhan Private Ltd.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 'E' on the ground floor, in Block—'A' of Multi Storeyed building "Trivoli Court" premsies No. 1C, Ballygunge Circular Road, Calcutta Regd. before SRA, Calcutta vide deed No. 3253.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-11-1983

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Birendra Chandra Chakraborty.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ajoy Kumar Saha. Smt. Gouri Rani Saha.

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1983

Ref. No. 1350/Acq.R-III/Cal|83-84.--Whereas I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. situated at Mouza—Bansdrani, P.S.—Regent Park.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipur on 1-3-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that price or parcel of land measuring 9 cottah, situated at Mouza-Bansdrani, P.S. Regent Park, Regd. before SRA Alipur vide deed No. 1354,

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-11-1983.

(1) Abu Ayub Faijyer Rahaman, Safia Khatoon, Fatima Khatoon.
(Transferors)

(2) Sri Bimalendu Dutta.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1983

Ref. No. 1351/Acq.R-III/Cal|83-84.—Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33 situated at Jheel Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipur on 14-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of land measuring 2 cottahs together with structure situated and lying at 33, Jheel Road, Calcutta.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983

(1) Mrs. Mariyam Jastar Hussain.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. IACTR-77/83-84|SI, 801 IAC/Acqn.R-I|Cal,—Whereas I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1 situated at Ripon Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A. Calcutta on 19th March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) H.A.G. Carpets Private Limited and Another,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one storeyed and partly two storeyed building measuring an area of 15 K-4 Ch-8 S. ft. being premises No. 1 Ripon S treet, Calcutta. Registered before the Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide No. 2803 dt. 19th March, 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Miss Zubaida Bai & Another.

(Transferor)

(2) H.A.G. Carpets Private Limited.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref No. TR-78/83-84/Si. 802 IAC|Acqn.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1 situated at Ripon Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 19th March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one storeyed and partly two storeyed building measuring an area of 15 K-4 Ch-8 S. ft. being premises No. 1 Ripon Street, Calcutta. Registered before the Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide No. 2804 dt. 19th March, 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1983

Scal t

(1) Jafar Hussain Abedali (Bharmal).

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) H.A.G Carpets Private Limited

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-76/83-84/Sl.803 IAC|Acqn.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-amd bearing

No. 1 situated at Ripon Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A. Calcutta on 19th March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one storeyed and partly two storeyed building measuring an area of 15 K-4 Ch-8 S. ft. being premises No. 1 Ripon Street, Calcutta. Registered before the Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2802 dt. 19th March 1983.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. TR-75/83-84/SI804 Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, R-I/Cal — IAC/Acqn.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1 situated at Ripon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 19-3-83

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta. Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mohammadul Bakir

(Transferor)

(2) H.A.G. Carpets Pvt. Ltd. & Ots.

(Transferec)

(3) Md, Giasuddin & Ots.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of partly one & partly two storeyed building measuring an area 15K-4Ch-8 s. ft. being premises No. 1, Ripon St., Calcutta, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2801 dt. 19-3-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-1, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 11-11-1983

(1) Sri Durga Das Kuthe

(Transferor)

(2) Prabartak Trust

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (3) Tripura Colour Co. & Ors. (Per

# (Persons in occupation)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. TR-)65/,83-84/Sl. 805 IAC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52/3 situated at Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 21-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three storeyed building at premises No. 52/3, Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta with land 7K-8Ch-17S, ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2831 dt. 21-3-83

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwal Road,
Calcutta-16.

Date: 11-11-1983

Scal :

- (1) Tarak Nath Dhar & Others.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Amina Siddiquee.
- (Transferce)

(3) Tenanted.

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-63/83-84/Sl. 806 IAC/Acqn.R/I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 267, situated at Bepin Behari Ganguli Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of the Registering Officer of

1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 22-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that two storeyed brick build dwelling house with land measuring 4 K-9Ch-37 S. ft. at premises No. 267 Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2912 dt. 22nd March, 83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-11-1983

#### 22555

#### FORM ITNS-

(1) Purbasa Nirman Udyog Private Ltd.

(Transferor)

Smt. Pannadovi Kajaria.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee herself.

(Persons in occupation)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

TR-67/83-84/St. 807 IAC/Acqn. R-I/Cal.-Ref. No. Whereas, I, S. K. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 3, situated at London Street (portion), Calcutta-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 31-3-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the pro-

perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

All that half undivided 1/2 share of flat No. 4A on the 4th floor measuring 2000 Sq. fts. approx. together with fixture and fittings with proportionate share in the land at premises No. 3, London Street (portion) Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 3332 dt. 31-3-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-11-1983

(1) Purbasa Nirman Udyog Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi Kajaria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferee herself.

(Persons in occupation)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-68/83-84/Sl. 808 IAC/Acqn. R-I/Cal..—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3, situated at London S'rect (portion), Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 31-3-1983,

for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be fisclosed by the transferre for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the i sue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used merein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that half undivided 1/2 shares of flat No. 4A on the 4th floor measuring 2000 Sq. fts. Approx. together with fixtures and fittings with proportionate share in the land at premises No. 3, London Street (portion) Calcutta. Register-tered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 3333 dt. 31-3-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. TR-66/83-84/SI. 809 IAC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 73A & 73B, situated at Theatre Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 21-3-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. L. Chopia.

(Transferor)

(2) M/s. Universal Heavy Mechanical Lifting Emerprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitic 1 of the said property may be made in writing to the unde signed:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

73A & 73B, Theatre Road, Calcutta with land measuring 7K. 11 Ch.-37 s. ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2833 dt. 21-3-83.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54 Rlafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-11-1983

(1) Shri Anwari Bibi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Smt. Puspa Jain alias Choraria

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. o. TR-74/83-84/Sl. 810 Cal/Acqn, R-I/IAC.--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 96B, situated at Dikhusa Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 21-3-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that the piece and parcel of land containing on area of 3 Cottahs with structure situated at 96B, Dilkhusa Street, Calcutta. Registered before he Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2830 dt, 21-3-83.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date 11-11-1983

PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS-

(1) Sri Surendra Nath Kundu & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Ganesh Chandra Roy.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-84/83-84/Sl. 811 IAC/Acqn R-I/Cal.—Whereas, I, S. K CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4G, situated at Lokenath Bose Garden Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.A, Sealdah on 2-3-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Sect on 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

43-376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Shall have the same meaning as given in that C'sapter.

## THE SCHEDULE

Premises No 4G, Lokenath Bose Garden Lane, Calcutta Sealdah vide deed No. 48 dt. 2-3-83.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54 Refi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-11-1983

#### (1) Shri Sk. Mohammed Omer.

(Transferor)

(2) Shri Sk. Mohammed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1983

Ref. No. TR-50/83-84/Sl. 812 IAC/Acqn. R-I/Cal—. Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
No. 9, situated at Nawab Serajul Islam Lane, Calcutta.

No. 9, situated at Nawab Seraiul Islam Lane, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 9-3-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed building at 9, Nawab Serajul Islam Lane, Calcutta area 7K-16Ch-34 s ft. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2326 dt. 9-3 83

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 14-11-1983

### PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. AC-65/ACQ. R-IV/CAL/83-84.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 220-A situated at Naskarpara Road, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 23-3-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Kanhaiyalal Ratwa Jugal Kishore Sharma Surajmal Matolia, Trustees, Shree Ram Chandra Trust, 3, N. S. Road, Calcutta-1.

(Transferor)

22561-

(2) M/s. Universal Machines Ltd,104, Stephen House,4, B. B. D. Bagh East,Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 68 Kottahs, 8-chattaks, 19 sqlt with structure Address: Plot No. 1, 2 & 12, 220 A Naskarpara Road, P. S. Malipanchghora, Dist Howrah, Deed No.: 1770 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGF-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1983

Ref. No. AC-66. ACQ. R-IV, CAL/83-84.—Whereas, I, SANKAR K. BANFRJEE, being the Competent Authority under Sect on 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 220-A situated at Naskarpara Road, Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 23-3-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Kanhaiyalal Ratwa Jugal Kishore Sharma Surajmal 'Matoha, Trustees, Shice Ram Chandra Trust, 3, N. S. Road, Calcuttu-1.

(Transferor)

(2) Sri S. R. Jhunjhunwalla, 104, Stephen House, 4, B. B. D. Bagh East, Calcutta-1,

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 32-cottahs, 9 chattaks, 27 swft with structure. Address: Plot No. 8, 220-A, Naskarpara Road, P. S. Malipanchghom, Dist. Howrah, Deed No. 1772 of 1983.

SANKAR K. BANERJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range-IV, Calcutte
54 Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-11-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# P. S. Battola, Calcutta-6.(2) Sri Madhu Sudan Saha,

Sri Ghanashyam Saha,
 Huritaki Bagan Lane,

#### (Transferor)

Sri Madhu Sudan Saha,
 3-B, Haritaki Bagan Lane,
 P. S. Battola, Calcutta-6.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcuttha, the 15th November 1983

Ref. No. AC-68/ACQ. R-IV/CAL/83-84.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 19/4 situated at Sarat Chandra Dhar Road, P. S. Par-

inagore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 4-3-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lund: 2-cottahs, 9 chattaks 40 sqft land with building. Address: 19/4, Sarat Chandra Dhar Road, Mouja-Noapara, P. S. Baranagore, Dist. 24-Parganas. Deed No. 2160 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-JAX ACt 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri P. M. Yusufi Palikandi House, Thiruvangad, Tellicherry.

(lians(eroi)

(2) Dr. C. M. Radhakrishnan, National Clinic & Nutsing Home, Chitakkara, Tellichery.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 9th November 1983

Ref. L.C. No. 671/83-84.--Whereas, J, P. J. THOMASKULTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. as per schedule situated at Tellicherry

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tellicherry on 16-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

19 cents of land in R.S. No. 9, Ward 17 Block 1 in Tellicherry Municipality, vide Doc. No. 461 83 dated 16 3-83 of SRO, Tellicherry.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Frankulam.

Date: 9-11-83

(1) Smt. Kausalya, W/o K. S. Chathunny, Kollare House, Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 1. Sri K. Aboobacker, Kalluvalappil House, Karakkad, Guruvayur P.O. 2. Smt. Pulicharam Veetil Pathukunhi, D/o Andullakutti, Karakkad. 3. Karuppamveetil Aboobacker, S/o Assanar, Edakazhiyur. 4. Karuppamveetil Monutty, Karuppamveetil, Edakazhiyur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochine-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 663/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY

r. J. IHUMASKUIIY being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Guruvayur (and more fully described in the Schedule property)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 'R. i. A.t., 1908 (16 of 1908) in the office of the kerning in the Kottappady on 28-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of consfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed. bearding and lodge building in Sy. No. 104/1 & 104/3 of Guruvayur Township.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 L) of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-11-83 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016 Cochine-662016, the 5th November 1983

Ref 1 C No 672/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy No. as per schedule situated at Vazhooi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transleted under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Pampady on 27-3-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans of transfer with the object of(1) Sti M. V. Thomas,

(2) Snt. Sosamma, W/o Mr MV Thomas, Kallupurayii House, Vazhoor, Changanachery Taluk.

(Transferor)

(2) Mr. V. V. Itty Vadakkekara House, Vazho ir.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

291 cents of land in Sy No. 38-1A-7, 3/182 in Vezhooi Village, vide Doc No. 792/83 dt 27-3-83 of S.R.O. Pamnady.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

Date: 8-11.83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016

Cochine-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 664/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Guruvavur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Officer at Kottappady on 30-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44—376GI/83

(1) Sri K. C. Prakasan, S/o K. S. Chathunny, Kollara House, Mission Quarters, Trichur.

(Transferor) (Transferor)
(2) 1. S/Sri K. Aboobacker, Kalluvalappil Veedu, Karakkad, P.O. Guruvayur 2. Smt. Pathukunhi, D/o Pulicharamveetil Abdullakutti, Karakkad. 3. Sri K. Aboobacker, S/o Karuppamveetil Assainar, Edakazhiyur, 4. Sri Monutty S/o Karuppamveetil Assainar Edakazhiyur, 5. K. V. Abdulgafoor S/o Pokkutti Haji, Katuppamveetil, P.O. Edakazhiyur 6. V. Pokkutty, Valiyakath House, P.O. Edakazhiyur, 7. V. Kuphimohamed 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Frath Haji, Katuppamveetil, P.O. Edakazhiyur 6. V. Pok-kutty, Valiyakath House, P.O. Edakazhiyur, 7. V. Kunhimohamed, 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Erath House P O. Venmanad, 9. V. Mohamed Haji, 10 V. Ummer, 11. V. Usman, 12 V. Hamza Vaziyamveetil Erath House, P.O. Venmanad, 13 M. V. Hyderali, Veetiparambil House, PO. Edakazhiyur. 14. C. V. Jameela, Cheruvayil House PO. Karumathara. 15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, P.O. Venmanad, Pavaiatty, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE CCHFDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guruvayur Township, Vide oc. No. 434 dt. 30-3-1983 of SRO, Kottappady.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Frnakulam.

Date: 7-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. COCHIN-662016

Cochin-662016, the 3rd November 1983

Ref. 1.C 665/83-84,—Whereas, 1, P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a ran market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule at Gumvayoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Kottappady on 30-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. C. Vasudevan S/o K. S. Chathunny, Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)
(2) 1. Sri K. Aboobaker, Kalluvalappil Veedu, Karakkad, P.O. Guruvayoor. 2. Smt. Pathukunhi, Palicharam Veedu, D/o Abdullakutty, Karakkad. 3. Karuppamveetil Aboobacker S/o Assainar, Edakazhiyor. 4. Mamutty Aboobacker, S/o Assainar, Edakazhiyor. 5. K. V. Abdulgafoor, S/o Pokkutti Haji. 6. V. Pokkutty, Valiyakath House, P.O. Edakazhiyoor. 7. V. Kunhimohammed. 8.V. Sidhique, P.O. Edakazhiyur, 9. CV. Mohammed Haji, 10. V. Ummer. 11. V. Usman, 12. V. Hamza, Valsurmveetil Erath House, P.O. Venmanad. 13. M. V. Hyderali. Veetiparambil House, P.O. Edakazhiyar. 14. Q. V. Jameela, Cheruvayil House, P.O. Edakazhiyur. 14. Q. V. Jameela, Cheruvayil House, P.O. Karaumanthara, Trichur. 15. K. M. Abdulkhader, Padamanayil House, Venmanad P.O. Pavaratty, Trichur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the boarding and lodge building in sy. No. 104/1, 104/3 in Guruvayoor Township, vide Doc. No. 343 dt. 30-3-83 of S.R.O. Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Emakulam.

Date: 3-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016.

Cochin-662016, the 7th November 1983

Rel. L.C. 667/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKULLY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No as pe schedule situated at Guiuvayur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 30-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to be the state of the property as aforesaid to be the state of the property as aforesaid to the state of the property as aforesaid to the property as aforesaid to the state of the property as aforesaid to the property as aforesaid to the state of the property as aforesaid to the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sri K. C. Vijayaraghavan. Kollara House, Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)

1. S/Sri K. Aboobacker, Kalluvalappil Vcedu, Karakkad, Guruvayur. 2. Smt. Pathukunhim D/o Pulicharamvectil Abdullakutti, Karakkad. 3. Sri K. Aboobacke. 4. Monutty, S/o Karuppamvectil. Assanar, Edakazhiyur. 5. K. Abdulgatoor, S/o Pokkutty, Haji, Karuppamveetil, P.O. Edakazhiyur. 6. V. Pokkutty, Valiyakath House, Edakazhiyur. 7. V. Kunhimohamed. 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Erath House, P.O. Venmanad. 9. V. Mohamed Haji 10. V. Ummel, 11. V. Usman. 12 V. Habza, P.O. Venmanad. 13. M. V. Hydeali, Veetiparambil House, P.O. Edakazhiyur, 14. C. V. Jameela, Cheruvayil House, P.O. Karumathara. 15. K. M. Abdutkhader, Padannayil House, PO. Venmand, Pavaratty. Trichur. Trichur.

(Iranslerce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 Guruvayur Township vide Doc. 143 dated 30-3-83 of SRO, Kottappady.

> P. J. THOMASKUITY Competent Authority Insuccting Assistant Commissioner of Income-max Acquisition Range, Ernakulam,

Date: 7-11-1983

#### FORM TINS----

(1) K. S. Sasidharan, Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.....

(2) 1. K. Aboobaker. 2. Pathukunhi. 3. Karuppamveetil Aboobacker, 4. Mamutty. 5, K. V. Abdul Gafoor. 6. V. Pokutty. 7. V. Kunhimohammed. 8. V. Sidhique., 9. V. Mohammed. 10. V. Ummer. 11. V. Usman, 12. Hamza. 13, M. V. Hyderali. 14. C. V. Jamcela, 15, M. M. Abdulkhuder.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION' RANGE, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 3rd November 1983

•

Ref. L.C. 666/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Guruvayoor
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Kottappady on 30-3-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land the boarding and lodge building in sy. No. 104/1, 104/3 in Guruvayoor Township vide Doc. No. 343 date 30-3-83 of SRO, Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016.

Cochin-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 668/83-84.—Whereas, I,

P. J. THOMASKUTTY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing Sy. No. As per schedule situated at

Guruvavur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 30-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri K. C. Sunikumar, Kollara House, Mission Quarters, Trichur,

(Transferor)

(2) Sti K. Aboobacker, Kalluvalappil Vcedu, Karakkad Guruvayur P.O. 2. Smt. Pathukunhi, D/o Pulicharamvectil Abdullakutti, Karakkad. 3. S/Shri K. ramvectil Abdullakutti, Karakkad. 3. S/Shri K. Aboobacker, 4. Monutty, S/o Karu/amvectil Assainar, Edakazhiyur, 5. K. Abdulgafoor, S/o Pokkutty, Valiyakath House, Edakazhiyur, 7. V. Kunhimohamed, 8. V. Sidhique, Vasiyamvectil Erath House, P.O. Venmanad, 9. V. Mohammed Haji, 10. V. Ummer, 11. V. Usman, 12. V. Hamza, V. Mohamed Haji, 13. M. V. Hyderali, Vectiparambil House, 14. C. V. Jameela, Cheruvayil House, Edakazhiyur, P.O. Karumathara, 15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, Venmanad, Pavaratty, Trichur. Trichur.

(Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land and the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guruvayur Township vide Doc. No 343 dated 30-3-83 of SRO., Kottappady.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, C.S. MENON COLONY KALATHIPARAMBIL ROAD COCHIN-662016

Cochin 662016, the 7th November 1983

Rcf. L.C. No. 669/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as pe Schedule situated at Guruvayur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kottappady on 30-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. K. C. Anilkumar Kollara House, Mission Quarters, Trichur.

(Transferor)

(2) 1. Sri K. Aboobackei, Kalluvalappil Veedu, Karakkad, Guruvayur. 2. Smt. Pathukunhini D/o Pulicharamveetil Abdullakutti, Karakkad. 3. Sri K. Aboobacker. 4. Monutty, S/o Karuppamveetil Assainar, Edakazhiyur, 5. K. Abdulgafoor, veetil Assainar, Edakazhiyur, 5. K. Abdulgafoor, S/o Pokkutty Haji, Karuppamveetil, P.O. Edakazhiyur 6. V. Pokkutty, Valiyakath House, Exakashiyur 7. V. Lunhimohamed, 8. V. Sidhique, Vasiyamveetil Erath House, P.O. Venmanad, 9. V. Mohamed Haji 10. V. Ummer, 11. V. Usman, 12. V. Hamza P.O. Venmanad, 13. M. V. Hyderall, Vettiparambil House, P.O. Edakazhiur, 14. C. V. Jameela Cheruvayil House, P.O. Karumathara, 15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, P.O. Venmanad, Pavarutty, Trichur Venmanad, Pavaretty, Trichur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 Cents of land and the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guruvayur Township vide Doc. No. 343 dated 30-3-1983 of SRO., Kottappady.

> P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 7-11-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662016.

Cochin-662016, the 7th November 1983

Ref. L.C. 670/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY

being the Competent- Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. As per Schedule situated at Guruvayur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kottappady on 30-3-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act,
   in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. C. Pyarelal (minor), Rep. by guardian and father K. S. Chathunny, Kollara House, Mission Quarters, Trichur.

(Transferor) S/Sri K. Aboobacker, Kulluvalappil Veedu, Karakkad, P.O. Guruvayur, 2. Smt. Pathukunhi, D/o Pulicharamyeetil Abdullakutti, Karakkad.

3. Sri K. Aboobacker, S/o Karuppamveetil Assainar, Edakazhiyur, 4. Sri Monutty S/o

Assainar, Edakazhiyur, 4. Sri Monutty S/o Sri Karuppamveztil Assainar, Edakazhiyur, 5. K. V. Abdulgafoor, S/o Pokkutti Haji Karuppamveetil, P.O. Fahkazhiyur, 6. V. Pokkutty, Valivashi House, P.O. Edakazhiyur, 7. V. Kunhimohamed 8. V. Sidhique Vasiyamveetil Erath House, P.O. Venmanad 9. V. Mohamed Haji, 10. V. Ummer 11. V. Usman 12. V. Hamza P.O. Venmanad, 13. M. V. Haderali Veetiparambil House 11. V. Usman 15. K. M. Abdulkhader, Padannayil House, P.O. Venmanad, Pavaratty, Trichur. (Transferee)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/8th share in 53.50 cents of land the multi-storeyed boarding and lodge building in Sy. No. 104/1 and 104/3 in Guuvayur Township, vide Doc. No. 343 dated 30-3-83 of SRO., Kottappady.

P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, AC1 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 307/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 35 situated at Cheenlapalli Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. Appalanaidu S/o Shri Tataiah, Kotha Jamyapuram, Vizag-16.

(Transferor)

(2) Sri Venkateswara Co-op. House Building Society. Akkayyapalem, Vizag-16.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Dry land of Ac-0-97 at Cheemalapalli, Vizag, in S. No. 35, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2997/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge
Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983

D. No. 11-2-16, Vizag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri V. Krishna Mohan, Telangana Paper Mills, Maharanieta, Vizag. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 308/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-1-16CC situated at Vizag.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) M/s. Paramount Constructions,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

D. No. 16-1-16-CC, situated at Vizag, area of 1100 sq. ft registered with S.R.O. Vizag, vide document No. 2821/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following acrons. namely:—
45—376GI/83

Date · 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Randhi Somaraju S/o Late Shri China Apparao, Vizag.

(Transferor)

# Shri B. Shanti Krishna, C/o. Leela Mahal, Dabagardens, Vizag.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 309/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3-3-9 situated at Vizag,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purcoses of the Indian Income-tal Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building D. No 3-3-9, at Vizag, area of 634 sq. yds., regisered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2437/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 310/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 77/10 situated at Vopagunta Vizag,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officeof the Registering Officer at Vizag on March 1983,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri U. Laxmıpathiraju S/o Shri Krishnamraju, Gajapathınagaram, Vizianagaram.

(Transferor)

(2) Shri M. China Apparao, The Gopalapatham Co-op. Building Society Gopalapatnam, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land of Ac-1-50 in Vepagunta in S No. 77/10 Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 2280, 2279/83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range
Hyderabad (A P.)

Date · 7-11-1983 Seal :

Seai

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri B. S. Murthy Raju, Sri K. Surya Gopalaraju, Nidanmdoddi, Anakapalli, Vizag

(Transferor)

(2) Shri G. V. Krishna Prasad S/o Shri Sambasiyarao, M/P. M/s. Mecfabs, Vizag.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 311/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing
No. 54/360 situated at Rajupalem Anakapalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anakapalli on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land of Ac-7-42 situated at Rajupalem, in S. No. 54/2, registered with S. R.O. Vizag, vide document No. 786, 787/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following pursuance and account and the said Act to the following persons, namely :-

Date · 7-11-1983

#### FORM ITNS----

(1) Ch. Sambasivarao, & Others, Ponnur, Guntur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri G. Sambireddy S/o Shri Pitchireddy, Kothareddy palem, Tenali Tq., Guntur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 312/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 444/1 situated at Kothareddy palem, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chebrolu on March 1983, for an apparent consideration which is transferred.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Do No. 4/56 Rice Mill & D. No. 444/1, area of 1-50 cents, at Kothareddypalem, registered with S.R.O., Chebrolu, vide document No. 373/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Shri P; V; Subbarao, Cherva Village, Bapatla, 2, Dr. P. Nandakumai, Cherva Baptla, Tq. Tq. (Transferor)

(2) Shri M. Rajendraprasad S/o Shri Nageswaiarao, 27-5-15, Kannavarithota, Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A:P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 313/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 27-5-15 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

D. No. 27-5-15, Kannavarithota, Guntur, second floor building area of 101-1/3 sq. yds., registered with S R.O., vide document Nos. 2291 5338/83.

M. JLGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1983

FORM I.T.N.S.---

Shri G. Ramanayya S/o Ch. Venkayya, Shri G. S. Veerabhadrarao, Penapadu PO Tenali, Tq. Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Sankararao S/o Shri Reddayya, Tenali. (Transfer**c**e)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 314/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 608/1 situated at Tenali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on March 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

RCC Daba in Tenali in T. S. No. 608/1, area of 363-2/3, sq. yds., registered with S.R.O., Tenali, vide document No. 659/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri P. Narareddy, & Others Reddypalem, Guntur. Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) The Guntur Co-op. House Construction Society, Guntur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 315/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing ;

No. 131/2 situated at Gorantia & Venigandia, Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering Officer at

Guntur on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land in Gorantla & Venigandla, in S. No. 131/2, 30/2, 38-N, 31, registered with S.R.O. Guntur, vide document Nos. and area as under:—

s. mu arca	as unger :	
S. No.	Document No.	Area in A-cents.
1.	1995/83	112
2.	1994/83	554
3.	1916/83	554
4.	1915/83	412
5. 6.	1691/83	1-48
6.	1886/83	126
7.	1885/83	0-54
8.	18 <i>5</i> 9 /83	100
9.	1658/83	050
10.	1594 /83	055
11.	1575 /83	1—90
12.	1993/83	095

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7-11-1983

Seal ;

- (1) Shri K. Ramesh Babu S/o Shri Singayya. Hyderabad.
- (Transferor) (2) Shri K. Srihari Babu & Others, S/o Shri Tirupathi-rayudu, Kalaparru Chilakaluripeta, Tq., Guntur Dt. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC, No. 316/83-84,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 275/A situated at Palakaluru, Guntur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

33-366 GI/83

46-376GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of 0-23 in S. No. 275/Aat Palakaluru, registered with S.R.O., Guntur vide document No. 1609/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Ch. Guravayya & Others, Ramanjakutam, Guntur, (Transferor)

(2) S. Dhanalaxmi W/o Shri Subbaro. Pattabhipuram, Guntur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 317/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 216/1 situated at Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the cncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Land of Ac-1-67 in D. No. 216/1, Guntur registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 2425/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri S. Venkata Swamu S/o Shri Narasaiah, Gorantla, Guntur Tq. Dt.

(Transferor)

(2) Ch. Raghavaiah S/o Shri China Ramaiah Gorantia, Village, Guntur Tq. Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HŸDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 318/83-84.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 496 situated at Corantla Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land of Ac-5-54 cents, in S. No. 496, at Gorantia, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 2175/83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Makhtumbi W/o Lato Mahamad Khasim Sahib, Bhavanipuram, Vijayawada.

(Transferor) (2) G. Apparao, The Vijayawada Iron & Hardware Mer-chants Commercial Complex Welfare Society, Steel Palace, Samaramgam Chowk Main Bazar, Vijayawada-520001.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 319/83-84.--Whereas, I,

Ref. No. RAC. No. 319/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomp-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 16/3F situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer st

1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of 0-50, in R.S. No. 16/3E, at Vijayawada, vide document No. 2266/83, registered with S.R.O., Vijayawada.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 320/83-84.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75 situated at Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Smt. K. Krishna Kumari W/o Shri K. Jagadeswara Chowdari, D. No. 5-127, Patamata, Vijayawada-6. (Transferor)
- (2) Shri N. T. Ramanuja Gupta S/o Late N. Laxmi Narasimham, No. 37, State Bank Officers Colony, Benze Circle, Vijayawada.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land of 500 sq. yds. at Nts. No. 75 at Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2367/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983

- (1) Y. V. N. B. Kutumbarao & Sons, Meduru, Yuyyur Tq., Krishna Dt.
- (Transferor) (2) Shri M. Ravindranath S/o Shri Nagabhushanam,
  - Brahmin Street, Vijayawada-1. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 321/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. NTS 89 situated at Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site 396 sq. yds. NTS. No. 89, at Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2404, 2432/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1983

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Vastralata, Vijayawada (2) K. V. Sambasiya Rao

 G. Ramarao s/o Subrahmanyam,

(Transferor)

(2) K. V. Sambasiya Rao s/o Anjaneyulu, Pottiswamy Street, Vastrilata Vijayawada

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 322/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 11-13-420, situated at Vijayawada

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Vijayawada on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

M.T. Building, D. No. 11-13-420, area of 46 sq. yds, at Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 2414/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) K. Gangaiah, Etc. Vabbipeta, Vijayawada-10.

(Transferor)

(2) B. Madhusudhanareddi, Venkateswarapuram, Vijayawada-10.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 323/83-84.—Whereas 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 455, situated at Vijayawada on March, 1983 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site in STS. No. 455/area of 599-96 Sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2406/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCAME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 324/83-84.—Whereas J, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-11-33, situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) G. V. Ramananma w/o Sri V. Ramaktishnarao, Goparajuramachandrarao Road, Suryaraopet, Vijayawada 2.

(Transferor)

(2) A. M. Raman, & Savitri, Dasaravari Street, Survaraonet. Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Upstaii Building D. No. 29-11-33, area 465 sq. yds, registered with S.R.O., Vijayuwada, vide document No. 2434/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--47-376GI/83

Date . 7-11-1983

### FORM ITNS-----

(1) J. Rama rao, s/o Venkateswararao, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) L. Tirumalaiao s/o Surya Prakashurao, Teknical Nagar, Vijayawada.

(Inunsferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 325/83-84,--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-416, situated at Gunadala, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building bearing No. 11-416, area of 311 sq. yds. registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 1801/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 326/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/117, situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

(1) M. A. V. M. Krishnarao s/o Sri Ramasundararao, Vijayawada.

(Transferor)

(2) N. Dhanalaxmi w/o Chalapathirao. Gunturvati Street. Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building D. No. 23/117, situated at Vijayawada area of 218 sq. yds, registered with S.R.O., vide document No. 1924/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-11-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No RAC No. 327/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

454 & 455, situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) K. Venkateswararao & Others, Somavarapupadu, Bhimadole, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Y. Pullashlingam, S/o
Late Veranna, C/o
M/s. Sri Vidyanatha Vastrayavam,
Mainroad,
Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Site of 782 sq. yds, in S.B.S. No 454 & 455, at Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2287/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC No. 328/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 483, situated at Nuziyid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzivid on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. M K Apparao s/o Ramachandia Apparao, Chilkoti Gardens, Begumpetax, Hyderabad-16.

(Transferor)

 G. Anasuya Devi, w/o Laxminarayana Watertank Road, Khammam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of 30-00 Acrs, in R.S. No 483, at Nuzivid registered with S.R.O., Nuzivid vide document No. 612/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. V. Laxmi d/o Sti Hanumantha Kumar, Padamata, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Rajkumar Co-op. Building Society, Sri Buska Rangayya, Vijayawada

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION KANGE HYDERABAD (A.P)

Hyderabad the 7th November 1983

Ref. No RAC No. 309/83-84.-Whereas J. M. GEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000% and bearing No.

191,6A, situated at Vijayawada (and morefully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of 0-50 Cents, in S. No 191/6A at Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 2258/83.

> M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

Date: 7-11-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE.
HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Ref. No. RAC. No. 330, 83-84.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

85, situated at Korumamidi, Nidadavolu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nididayelu on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. Satyanarayana & Others s/o Subbarayadu, Korumamidi W.G. Dt.

(Transferor)

(2) A. V. V. N. Satyanarayana s/o
Bulh Abbar,
Pydiparru : Tanuku, Tq., W.G. Dt.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

l-MPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land of 336 sq. yds, in S. No. 851A/2, at Korumamidi, registered with Nididavolu, vide document No. 672, 673/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-14-1983 Seal : 

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Chilakal uripeta. (2) Evangelist S. John David

(Transferor)

(2) Evangelist S. John David s/o Gabroel. Director AMG India International, Chilakal uripeta.

(1) K. Lakhmaiah s/o V. Bapalah

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P)

Hyderabad, the 7th November 1983

Rel. No RAC No 331/83-84.-- Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

99, situated at Chilakaluripeta

(and more fully described in the schelule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 and of Ac. 5-50 Cents in S. No. 99, at Chilakaluripeta, registered with S.R.O., Chilakaluri peta, vide document Nos. 294–293, 278, 300, 299, 296, 280/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad (A.P.)

Date . 7-11-1983 Scal :

### FORM ITNS----

(1) Shri R. C. Kondalah, & 3 Others, S/o Ramaiah Kandukuru, Town Prakasham, Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu K. V. Subhaiah, S/o Subhaiah, The Kandukuru Non-Gazetter Government Officer's Co-op. Building Society Ltd., Kandukuru. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th November 1983

Ref. No. RAC. No 332/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 679 situated at Madhavaram Kandukuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Kandukuru on March '83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land of Ac-4-00, in S. No. 679, at Madhavapuram registered with S.R.O., Kandukuru, vide document Nos. 121, 122, 123/83

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore in pursuance at Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--- 48---376GI/83

Da'e 5-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC. No. 617 '83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderaload on March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Laxmi Bai, w/o Madanlal Agarwal, 4-1-10/B/9/1, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kisenji Sadh and 2 others, 4-1-10/B/9/1. Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat in H. No. 4-1-10/B/9/1, Tilak Road, Hyderabad admeasuring 3800 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1145/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 11-11-1983

(1) Sri S. Venugopal Rao, s/o late S. Veeraswamy Naidu, 3-6-736/737, Himayathnagar, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sii S. Jegan, Mohan Rao, s/o S. Venkat Rao, Advocate, Nirmal, Adilabad Dt.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC. No. 618/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing No. 3-6-736 and 737 situated at Himayathnagar, Hyderabad admeasuring 606 sq. yds, of land area and 2000 sq. ft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1920/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1983

Smt. Ahmadunnisa Begum, w/o late Faiz Ahmed Khan, 4-1-6, Ramkote, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Bhagyanagar Cooperative Housing Society Ltd., by Sri D. Surender Rao, New Quarters, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC No. 619/83-84.-Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,'- and bearing Land situated at Bagh Lingampally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring 500 sq. yds. situated at Bagl Lingampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1808/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-11-1983

FORM ITNS-----

(1) M/s. Suran: Trade and Finance Corporation Ltd., Secunderabad

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISTTION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 11th November 1983

Ref. No. RAC No. 620/83-84.—Whereas, I M . JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Ghasmandi, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

2) M/s Uday Engineering Company, Tlak Road,

Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property admeasuring 1673 sq. ft., plinth area and 177 sq. yds. land area situated at Ghasmandi, Secunderabad registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 133/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 11-11-1983

### FORM I.T.N.S.-

Sri Bantu Narasimhulu and Otherss,
 H. No. 6-19-150, Gurbabadi, Nizamabad.
 (Transferor)

(2) Sri Neelakantham Nagar Cooperative Housing Society, Rep. by Sri L. Jagath Reddy, House No. 6-8-1/1, Namdevavada, Nizamabad.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabid, the 17th November 1983

Ref. No. RAC No. 621/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
Land situated at Kanteswar, Nzb

(Lad more fully described to the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nicombad in March 1982

Nizamabad in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the correalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2-02 acres situated at Kanteswar, Nizamabad registered by the S.R.O., Nizamabad vide document No. 987, 988 and 1062/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 17-11-1983

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE . HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th November 1983

Ref. No. RAC No. 622/83-84.—Whoreas, J, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Hakeempet R. R. Dt.,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairatabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habiture of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Rep. by President A. Narasiraha Reddy, 5/o Papi Reddy, 10-9-756, Old Malakpet, Hyderabad. (Transferee)

(2) The Mahalaxmi Cooperative Housing Society Ltd.,

Sri Hashim Ali Khan and Others,

3-6-361/4 Basheerbagh, Hyderabad

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 10 acres 30 guntas si uated at Hakcempet, R.R. Dt., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document Nos. 758 and 759/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 17-11-1983

(1) Smt. Shail Krishna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX' ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Shri Udai Kumar Agarwal2. Shri Jagdish Kumar Agarwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Shail Krishna
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 10th November 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

G. I. R. No. 4-28/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iramovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 1 and 4 of Plot No. 2 of 46/67 situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Lucknow on 19-3-83

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concedement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 1 and 4 of Plot No. 2 of 46/67, situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow and construction on plot measuring 1665 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7170, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-3-1983.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1983.

(1) Smt Shail Krishna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ranjana Garg

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Shail Krishna (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

Lucknow, the 9th November 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

G. I. R. No. R-195/Acq.-Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 2, Part of Plot No. 46/67 situated at Butlerganj
Housing Scheme, Wazir Hasan Road, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed

(b) by any other person interested in the said firmov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 19-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 2, a part of plot No. 46/67 and construction thereon situated at Butlerganj Housing Scheme, Wazir Hasan Road, I ucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7211 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-3-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persona, namely :--49-376GI/83

Date: 9-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, 1 UCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. N-68/Acq.-Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 cituated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 18-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smé Shail Krishna

(Tiansferor)

(2) Shri Narendra Kumar Agarwal

(Transferee)

(3) Smt Shail Krishna

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 5 measuring 930 sq. ft. and construction thereon which forms a part of plot No. 46/67, situated at Butlergani Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7173, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-3-1983

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-11-1983.

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. M-161/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One plot of land situated at Waheed Nagar, Najibabad, Diett.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Najihabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) 1. Shii Surendra Kumar Khanna

2. Shri Inderjeet

3. Smt. Raj Rani

(Transferor)

(2) 1. Shri Mahendra Singh

2. Shii Jeet Singh

3. Shri Bal.cer Singh

4. Shri Trilochan Singh (Transferce)

(3) Above sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date. of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Oue plot of land measuring about 702‡ sq. mtrs. situated at Waheed Nagur, Najibabad, Distt. Bijnor, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 698, which have duly been registered in he office of the Sub-Registrar, Najibabad, Distt. Bijnor.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-11-1983.

NOI'ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Manakah situated nat Mauza-Agoo, Pangana & Thesil-Safipun,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Unnao on 10-3-1983
\*For an upparent consideration which is less than the fair tension to the value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1. Shri Govardhan Prasad

2. Shri Gopal Dutt
3. Shri Shiv Dutt

4. Shri Ram Dutt

5. Shii Shree Dutt

(Transferor)

(2) 1. Shii Kiishna Verma 2. Smt. Ram Piarcy

(Transferce)

(3) Above sellors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a petiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 13 Bighas 5 Biswa and 1 Biswansi situated at Mouza-Agoo, Pargana & Tehsil—Safipur, Distt. Unnao and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 411 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Unnao, on 10.3,1983 10-3-1983.

> A. PRASAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1983.

### FORM ITNS----

### (1) Smt. Laxmi Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Kaushalya Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R No. K-121/Acq.—Whereas, I. A PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - und bearing No.

One Arazi situated at Chawm, Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which quight to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the natice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Atazi measuring 167,806 sq. mits, situated at Chawni, Civil Lines, Moradabad, and all that description for the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1811, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrat, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1983. Scal. FORM NO. I.T.N.S.

(1) Smt. Prakash Mur hy

(Transferor)

(2) Indian Potash Lim ted (Company), 20, Jopling Road, Lucknow, Represented by Shei Sundarial Thakor.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 11th November 1983

G. I. R. No. I-16/Acq.--Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land on which building upto plinth level situated at 3, Gokhle

Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7,469 sq. ft. on which building upto plinth level has been built, situated at 3, Gokhle Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7222 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 19-3-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1983

(1) Smt. Hira Devi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Chunni Lal 2. Smt. Kamla Devi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1983

G. I. R. No. C-38/Acq.—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One House situated at Mohalla-Tavela, Mohadabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section £69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house measuring 141,73 sq. mtrs, situated at Mohalla-Tavela, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1718, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-11-1983.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## 

ACQUISITION RANGE 57 RAM TIRTH MARG,

Lucknow the 10th November 1983

G. I. B. Nog. And 20. Acq and Whereas, 11:A PRASAID being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard, bearing.

and bearing.
Plot No 2 stuated at Butlergan Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Tucknow,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Paymetering Office of

1908) in the office of the Registering Officer at Iucknow on 18 3-1983

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fail market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for with transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in market in the consideration and that the transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), (1) Smt Shail Kiishna

(Timsferor)

(2) 1 Shii Anand Agaiwal 2 Shii Amit Kumar Agaiwel

(Transferee)

(3) Smt Shail Krishna

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in witting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot No 2 measuring 4005 sq ft nad construction theron which forms a part of plot No. 46/67, situated at Butlerganj Housing Scheme, 67, Wazir Hasan Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 1175, which have duly been registered, in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-3-1983,

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely —

Date : 10-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G.I.R. No. S.283/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Budaun in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :--50-376G1/83

(1) 1. Dharmo

Smt. Kalawati.

3. Rajendra (Minor).

(Transferor)

(2) M/s. Sarwagiya Vikas Sahkari Avas Samiti Ltd. Budaun

22, Patiyalı Sarai, Budaun.

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Arazi No. 198, situated at Village-Nagla Rakhi, Budaun, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4056, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Budaun.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-11-1983

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G. I. R. No. S. 282/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,5007 and bearing No.

Arazi No 196 situated at Village Nagla Rakhi, Budaun (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budaun in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Dharmo.

2. Smt. Kalawati.

3. Rajendra (Minor).

(Transferor)

(2) M/s. Sarwagiya Vikas Sahkari Avas Samiti I.td., Budaun, 22, Patiyali Sarai, Budaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Arazi No. 196, situated at Village Nagla Rakhi, Distt. Budaun, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 4141, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Budaun.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 11-11-1983

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G.I.R. No. G-61/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A plot of land bearing Gata No. 1754 situated at Village Asalatpur Jarai, Tehsil-Bilari, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandausi on 25-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Omwati,

(2) Gandhi Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Chandausi, Moradabad Though its President, Shri Ashok Kumar Singh and Secretary, Shri Kamal Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land bearing Gata No. 1754, measuring 1.71 acres, situated at Village Asalatpur Jarai, Tehsil Bilari, District Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 781, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Chandausi, on 25-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 11-11-1983

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

Ref. No. G-60/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Arazu Bhumidhari situated at Mauza Chawni Kadim,

Pargana-Khairabad, Distt. Sitapur

(and more fully described in the Scheduel annexed hereto), has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer

at Sitapur on 26-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteet per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pairties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan Din.

(Transferor)

(2) Shri Guru Nanak Sahkari Avas Samiti Ltd.
Sitapur through Shri Guru Charan Singh, Secretary.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari No. 1002, measuring 0.39 decimals and 1028/1127, measuring 0.8 decimals total 0.47 decimals situated at Mauza Chawni Kadim, Pargana Khairabad, Distt. Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 895, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Sitapur, on 26-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 11-11-1983

(1) Shri Atal Kumar Jain.

(2) M/. A. L. & Company,

(Transferor)

(Trunsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th November 1983

G. I. R. No. 121/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Khasra Nos. 343, 344A and 344B situated at Kanchanpur-Matiyari, P.O. Chinhat, Distt. Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereco), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Faizabad Road, Chinhat, Lucknow

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 0 Bigha 13 Biswa 17 Biswansi comprising of Khasra Plot Nos. 343, 344A and 344B situated at Village Kanchanpur Matiyari, P.O. Chinhat Tehsil & Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in he sale deed and form No. 37G/108 of 1983, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-3-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date ; 11-11-1983

22620

FORM ITNS-

(1) Shri Charan Goyal, G-72, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi-110052.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kiran Mehra, 513/8, Dev Lok Street Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Rct. No. IAC/Acq.II/37EF[3-83]16.—Wheteas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A/61/5, situated at G. T. Karnal Road Industrial Area, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq) Range-II in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Half of the building at A-61/5, G. T. Karnal Road Industrial Area, Delhi. Total area of the plot is 3630 sq. ft. on which the building is constructed, half of which is transferred

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi,

Date: 15-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Chander Mohan Prop. Chander Mohan & Co. Cottage No. 7. West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash S/o Shii Madan I al R/o F-13, Ashok Vihat, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/AcqII/37EE/3-83/17.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. G-1/10, situated at Lawrence Road, Industrial Area, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforcasid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. G-1/10 mg 500 sq. yds, in village Shakurpur abadi, Lawrence Road, Industrial Area, Delhi-52.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s Ajay Enterprises Private Ltd, Eros Cinema Building, Jangpura Extn New Delhi

(2) Mrs Usha Sawhney W/o Sh Badii Nath Sawhney D-64 Adush Nagai Delhi

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref No IAC/ACQ-II/37EE/3-83/18 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

Space No. 23, Plot No. B-2/4, situated at Naniwala Azadpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq) Range-II in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the jan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No 23, area approx 243 sq ft in the building at Plot No B 2/4 Naniwala Azadpui, Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 15-11 83, Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acff II/37EE/3-93/21.—Whereas. I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Space No. 23, Plot No. A-2/1, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983

for ass apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—51—376GI/83

(1) M/s R. C. Sood & Co., (P) Ltd., Eros Cinema Bldg., Jangpura Extension, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Ashok Narayan S/o Sh. V. S. Sharma C-II/5. Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 23 on ground floor in Plot No. A-2/1, Naniwala Bagh. Azadpur, Delhi area approx. 197 sq. ft.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 15-11-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ajay Enterprices (P) Ltd. Eros Cinema Bldg., Jangpura Extn., N. Delhi. (2) Mrs. Rama Sinha & Mr. Sanjay Sinha S/o Sh. A. K. Sinha 667. First Floor Sector-6, Panchkula,

Haryana. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/3-63/22.—Whereas, 1 SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Space No. 22, Plot No. B-2/4, situated at Naniwala Bagh Azadpur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 22 on ground floor in Plot No. B-2/4, area approx. 200 sq. ft., at the building, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versous, namely :---

Date: 15-11-83.

- (1) M/s R.C. Sood & Co. (P) Ltd., Ercs Cinema Bldg. Jangpura Extn., New Delhi.
- (Transferor) (2) Sh. Sanjay Sharma, Sh. Nirai Sharma, Sh. Surai Sharma and Sh. Rakesh Sharma S/o Sh. D. R. BM-4, Shalimar Bagh, Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/3-83/23.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Space No. 24, Plot No. A-2/1, situated at Naniwala Bagh

Azadpur, Demi.

Azapur, Demi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Space No. 24, on ground floor in Plot No. A-2/1, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi area approx. 197 sq. ft.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 15-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/3-63/24.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Space No. 20, Plot No. B-2/4, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC (Acq.) Range-II in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ajay Enterprises (P) Ltd., Eros Cinema Bldg. Jangpura, Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Mutneja w/o Sh. Madan Lal Mutneja & Sh. Madan Lal Mutneja S/o Sh. Jagan Nath Mutneja, 584, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 20 on third floor, area approx. 350 sq. ft. in the bldg.. at Plot No. B-2/4, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-83/10080.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 25/23 in Class-D, situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Smt. Shakuntala Rani Uppal W/o Sh. Dina Nath Uppal, Subash Chandra Uppal and Ramesh Chander Uppal as/o Sh. Dina Nath Uppal L-32, Partap Nagar, Delhi.
- (Transferor) (2) Dr. Vinod Kumar Verma s/o Sh. Sidhu Ram r/o 25/23, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 25/23, in Class D, mg. 375.96 sq yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 15-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/3-33/10083—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 51, Mpl. No. XV/6, 7662, situated at Paharganj, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office, of the Registering Officer at New Delhi in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sanjay S/o Shri Om Parkash R/o 51, Ram Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar S/o Shri Lakshmi Narayan, r/o B-303, Defence Colony, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 51, bearing Mpl. No. XV/7662, Ram Nagai, Pahar Ganj, New Delhi mg. 121 66 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-83/10096.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2088, situated at Bazar Sita Ram, Delhi.

(an i more fully described in the Schedule annexed hereto), 'has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in March 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
40—366 GI/83 (1) Sh. Banwari Lal, Girdhari Lal ss /o Sh. Rameshwar Dass A-3/4, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor) (2) Sh. Ram Nath Gupta s/o Sh. Prem Nath Gupta. r/o 4457, Nai Sarak, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders gned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2-storeyed bldg. bearing property No. 2088, Katra Gokal-shah, Bazar Sita Ram, Delhi mg. 145.17 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 15-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR/3-83|10100.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the racome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ground Floor of 1546, situated at Pataudi House, Darya Gani, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

New Delhi in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kesar Kaur d/o S. Jawand Singh and Smt. Inder Kaur w/o S. Santokh Singh r/o 1546. Darve Ganj Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Brij Bhushan Jain s/o Sh. Faqira Mal r/o 53/44, WEA, Karol Bagh, New Delhi and Ramesh Chander Beri s/o Sh. K. N. Beri r/o 1559, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor of property No. 1546, Patandi House, Darva Ganj, Delhi mg. 80 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-83.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/3-83/10112.--Whereas SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-35, situated at Bali Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---52-376GI/83

(1) Smt. Tara Rani Suri w/o late Sh. Damodar Dass, Smi, r/o B-1/215, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Hans Raj Chawla s/o Sh. Sham Dass Chawla alias Sham Lal Chawla 1/0 C-35, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on plot No. C-35, mg. 150 sq yds, situated at Bali Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/3 83/10124.—Whoreas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H-2, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Chela Ram 4/0 Bhola Ram, 1/0 C-47, Sudershan Park. New Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Piara s/o Sh. Roop Chand, r/o House No. T-150, Baljit Nagar, near West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. H-2, Bali Nagar Colony, Najasgath Road, New Delbi, measuring 150 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-83/10130.—Whereas I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Hous: No. A-3/4, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rajender Kumar, Surender Kumar, ss/o Sh. S. D. Manaktulla, A-3/4, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Banwari Lal, Sh. Girdhari Lal, ss/c Sh. Rameshwar Dass Aggarwal 1/o 2088, Katra Gokalshah, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. A-3/4, Rana Pratap Bagh, Delhi, measuring 470 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref No IAC/Acq. 11/SR-1/3-83/10181.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. XII/8941.

situated at Gali Burash Wali, Naya Mohalla, Azad Market, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the lan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Snt. Kamla Devi w/o Shri Sant Ram, Smt. Moera Devi W/o Sh. Kishan Chand and Smt. Ishwari Devi alias Ganeshi Devi W/o Sh. Rochi Ram, all r/o B-53, Phase-I. Ashok Vivar, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Kumar 570 Sh. Tehal Rum and Smt. Chander Devi w/o... Sh. Nichal Dass r/o 10139, Library Road, Arad Muket, Delhi.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. XII/8941, mg. 148 sq. yds, situated at Gall Burashwali, Naya Mohalla, Azad Market, Dolhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Dato: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acg. II/SR-I/3-83/10133.—Whereas SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FF of House No. 1266, situated at Faiz Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hardwari Lal s/o Chhanga Ram, r/o 4241, Pahari Dhiraj, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Padam Prasad Jain s/o Kachu Mal Jain, r/o 4177, Gali Ahıran Pahari Dhıraj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

First floor in House No. 1266, at Faiz Ganj, Delhi, mg. 156 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/3-83/10134,--Whereas UDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

845, situated at Tilak Gali, Kashmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983

at New Delhi in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Brahm Prakash s/o
 Sh. Hulas Rai,
 r/o 1467, Gali Patli, Dariba Kalan,
 Delhi, and
 Vijendra Kumar s/o Sh. Banarsi Dass,
 r/o 2495, Chhatta Shahji,
 Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shiy Shankar Gupta and Hari Shankar sons of Sh. Sanwal Ram, Smt. Chameli Devi w/o Sh. Raghunath Pershad r/o B-2/17, Ashok Vihar-II, Delhi and Smt. Shashi Gupta w/o Sh. Surinder Gupta, r/o H-27, Ashok Vihar-I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Undivided halt share of property No. 845 (new) and 498 (old) at Tilak Gali, Kashmeri Gate, Delhi measuring 160 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-/3-83/10138.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ground Floor of Prop. No. 25-B, situated at Banarsi Dass Estate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jagpat Rai s/o Late Lala Deep Chand, r/o 25-Banarsı Dass Fstate, Timar Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Dinesh Kumar s/o Mahavir Pd., Mukesh Kumar s/o Mahavir Pd. (minor sons) through their father and natural Guardian Sh. Mahavir Parshad s/o Jagpat Rai, r/o 25-Banarsi Dass Fstate, Timar Pur. Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ~ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground Floor portion of property No. 25-B (Part of property No. 25) measuring 228 sq. yds, & common passage measuring 51, sq. yds, at Banarsi Dass Estate, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No IAC/Acq II/SR-I/3-83/10142.—Whereas SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under, Section 269B of the Incon.e-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40/5, situated at East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely: —

 Sh. Jawahar Singh 5/0
 Sobha Singh, 1/0
 40/5, Fast Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Verma w/o Sh. P. C. Verma, Sh. Satish Verma s/o Sh. P. C. Verma. 1/o 202 (DS), New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lease-hold property No. 40/5, Fast Patel Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

MULLI OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th November 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-83/ 10143.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Q-39, situated a Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Prem Raj Gupta, attorney of Smt. Vidya Wati Sekher, r/o Q-39, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Gupta w/o Sh. Prem Raj Gupta, r/o Q-39, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. Q-39, Rajouri Garden. New Delhi, Ne Delhi, measuring 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 15-11-1983

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1018/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouje Mamurabad, C.S. No. 4-3-9 Land & Building situated at Tal. & Dist Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R Jalgoan in March 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nathii D Chaudhary and others two Jilhapeth, Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Sharad Murhdhar Choudhary and others, at & Post Mamurabad Tal, & Dist, Jalgaon

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mauje Mamurabad, Tal. & Dist. Jalgoan—CS No. 4-39 Land and building.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon under document No. 886/83 in the mouth of March, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-11-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1017/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R.J. 25,000/- and bearing No.

S. No. 109/2S & 1A/4B, Plot No. 7 Rishikesh Apt. situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Nasik in March 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Keshav Madhavrao Lohot, Contractor, Shramsaphalya Shikhare Wadi, Nasik Rd., Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Shrinivas Baburao Putheran, 9 Girnar Building, Datta Mandir, Nasik Rd., Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Rishikesh Apparatments" S. No. 109/2A 1A/4B, Plot No. 7 admeasuring 494.94 sq. metres out of which Apartment No. 8, admeasuring 784.00 sq. ft.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Nasik under document No. 1363 dt. 30-3-83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1016/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouje Pathardi, S. No. 275/1A situated at Dist.

Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Nasik in March 1983 S. R. Nasik in March 1965
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) (1) Shri Suresh Raghunath Phale

Smt. Kesharbai Raghunath Phale, Smt. Laxmibai Raghunath Phale Residing at 203, M. G. Road. Nasik.

Shri Ashok Namdcorao Mate,

Ramesh Namdeorao Mate and Smt. Rashmabai N. Mate, 460/1, MB. Road, Nasik,

(Transferor)

(2) (1) Shri Narhari Pandurang Navle, and
 (2) Shri Eknath Sitaram Navle, Pathardi, Tal. & Dist. Nasık.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

THE SCHEDULE S. No. 275/1A-1 Hector 20 Are, Mauje Pathardi. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Nasik under document No. 951 dt. 1-3-83).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/285/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-7, 2nd floor, A-Wing-Shivam Bhav situated at Rambagh Lane, No. 5-Kalyan

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqu. Range, Pune in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Suresh Construction Co. Pvt. Ltd., through the Managing Director Shri Jayant R. Phatak, "Smruti' Tilak Rd., Dombivali (East), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Vilas Yeshwant Gupta (Service) residing at 'Guptewada' Agavale Ali, Gandhi Chowk, Kalyan, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period set 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-7, 2nd floor, A-Wing, Shivam Bhavm CTS No. 2977-A.2 & A-3 In Rambagh Lane, No. 5, Kalyan Dist. Thane.

(Area—: 400 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2841 in the month of March, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 11-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPIRCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/286/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Flat No. A-3 in 'A' wing, Shivam Bhav Rambaug Lane No 5, Kalyan CTS-No. 2977-A 2 & A-3 situated at Kalyan Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Suyash Construction Co. Pvt. Ltd., through the Managing Director Shri Jayant R. Phatak, 'Smruti' Tilak Rd., Dombivali (East), Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Smt, S. M. Ghare—Savant Bldg, IIIrd, 'floor, Karnik Road, Kalyan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-3 in 'A' Wing in the building known as 'Shivem-Bhav' situated at Rambaug Lane, No. 5, Kalyan bearing CTS No. 2977-A2 & A-3 in the sub-regn. Dist. Kalyan rgn. Dist. Thane.

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2852 in the month of March, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 11-11-1983 Seal :

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/287/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Flat No. B-1, ground floor, Shivambhav situated at Kalyan
Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Suyash Construction Co. Pvt. Ltd., through the Managing Director Shri Jayant R. Phatok, 'Smruti' Tilak Rd., Dombivali (East) Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Gurnath Prabhakai Vaidya, D-1, I.D.I. Colony, Shahad, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-1. ground floor, 'B' Wing Shivambhav—CTS No. 2977-A. & A-3 Kalyan Dist. Thane.

(Property as described in the sale of agreement is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2858 in the month of March, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date': 11-11-1983

Seal 1

 Sh. Avtar ingh Bagga Karta Karta Avtar Singh & ons (HUF) r/o H. No. 28, Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Chand S/o Shri Chiranji Lal r/o V. Lahora, UT, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ludhiana, the 14th November 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/251/82-83.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

photoly, having No.
Plot No. 1101. Sector 11, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in March, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1101, situated Sector 11. Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 1854 of March, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-11-1983